THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

'भारतीय सेना ने हमेशा साबित की है अपनी बहादुरी'

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन की ओर से तवांग में अतिक्रमण की कोशिशों के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई की तारीफ की है। फिक्की के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि गलवान हो या तवांग, भारतीय सेना ने हमेशा अपनी बहादुरी साबित की है।

उन्होंने दोनों देशों की अर्थव्यवस्था के फर्क को भी चिह्नित किया। कहा कि 1949 में चीन की जीडीपी भारत से भी कम थी, फिर भी 1980 तक भारत विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वालों देशों में भी शामिल नहीं था। लेकिन उसने जबरदस्त विकास किया। आज भारत भी विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

वर्ष-27 अंक : 274 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.10 2079 रविवार, 18 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

तवांग पहुंचे रिजिजू ने किया पलटवार

राहुल गांधी देश के लिए बन गए शर्मिंदगी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-चीन मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा लगातार कांग्रेस नेता के बयान की आलोचना कर रही है। अब केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने भी उन पर करारा हमला किया है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, राहुल गांधी न केवल भारतीय सेना का अपमान कर रहे हैं, बल्कि देश की छवि को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दरअसल, रिजिजू ने शनिवार को सुबह अरुणाचल प्रदेश के तवांग का दौरा किया। तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि हमारे सैनिक यहां पूरी तरह मुस्तैद हैं और तवांग पूरी तरह सुरक्षित है। इस दौरान एक अन्य ट्वीट में उन्होंने राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, वह न केवल कांग्रेस पार्टी के लिए एक समस्या हैं, बल्कि वह देश के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी बन गए हैं।

अनुराग ठाकुर ने भी किया पलटवार

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी राहुल गांधी के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा, यह 1962 का भारत नहीं है, यह 2014 का भारत है। देश पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। यूपीए सरकार 10 साल तक हमारी सेना के लिए फाइटर जेट, बुलेटप्रूफ जैकेट या स्नो बूट नहीं खरीद सकी। आपने हमारी सेना के लिए क्या किया? केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, भारत में आज 300 से ज्यादा डिफेंस आइटम बन रहे हैं।

भारत अब रक्षा उपकरणों का निर्यातक है न कि आयातक। यह 'आत्मनिर्भर भारत' है। डोकलाम घटना के दौरान भी पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हमारी सेना का दौरा किया था।

डोकलाम में चीनी निर्माण से सुरक्षा को खतरा : खड़गे

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने फिर चीन का मुद्दा उठाया है। उन्होंने ट्वीट किया, चीन डोकलाम में जामफेरी रिज तक निर्माण कर रहा है। इससे सिलीगुड़ी कॉरिडोर को खतरा है। सिलीगुड़ी नॉर्थ ईस्ट का प्रवेश द्वार है। यह हमारी राष्ट्र सुरक्षा के लिए चिंताजनक है। प्रधानमंत्री जी, चीन पर चर्चा कब होगी? इसके जवाब में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने विपक्ष में नेताओं की मंशा पर कभी सवाल नहीं उठाया। हमने सिर्फ नीतियों के आधार पर बहस की है। इधर, लॉ मिनिस्टर किरण रिजिजू तवांग के यांग्त्से क्षेत्र पहुंचे। यहीं भारतीय सैनिकों की चीनी सेना के साथ झड़प हुई थी। उन्होंने भारतीय सैनिकों से मुलाकात की और क्षेत्र का जायजा लिया।

पीएम से मल्लिकार्जुन खड़गे बोले, चीन पे चर्चा कब

कांग्रेस अध्यक्ष ने शनिवार को ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने न्यूजपेपर की कटिंग लगाई है। उन्होंने कहा कि डोकलाम से लेकर जमफेरी रिज तक चीन लगातार निर्माण कर रहा है, जो भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बहुत करीब है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है।

उन्होंने पीएम को टैग करते हुए सवाल पूछा कि आखिर चीन पे चर्चा कब होगी? इससे पहले भी खड़गे ने कहा था कि ऐसा लगता है कि मोदी सरकार की लाल आंख पर चीनी चश्मा लग गया है।

3 साल पुरानी फोटो डालकर घिरे रिजिजू

2019 के तवांग दौरे की तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट की, कांग्रेस बोली गजब फर्जीवाड़ा है

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू सैनिकों से मुलाकात करने की एक तस्वीर शेयर कर विवादों में घिर गए हैं। कांग्रेस ने उनके ट्विटर के इस फोटो पोस्ट को तीन साल पुराना बताया है। कांग्रेस के प्रवक्ता बीवी श्रीनिवास ने दोनों फोटो को एक साथ ट्वीट करते हुए लिखा है कि 2019 की तस्वीर का इस्तेमाल कर 2022 में सुरक्षा का भरोसा दिलाया जा रहा है।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने आज ट्वीट करके सैनिकों से मुलाकात की एक तस्वीर पोस्ट की है। उन्होंने तवांग को पूरी तरह सुरक्षित बताया। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग में यांग्त्से क्षेत्र भारतीय सेना के बहादुर जवानों की पर्याप्त तैनाती के कारण अब पूरी तरह से सुरक्षित है।

राहुल गांधी को निष्कासित करने की मांग

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर कड़ा ऐतराज जाहिर करते हुए भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 'जयचंद' से करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से राहुल गांधी को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पलटवार करते हुए कहा कि एक तरफ जहां भारत के जवान सीमा पर चीन की सेना को पीट रहे हैं, उनको अपनी ताकत दिखा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ भारत के 'जयचंद' राहुल गांधी हमारी सेना का मनोबल तोड़ने का काम कर रहे हैं। भाटिया ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी मां होने का कारण राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहीं थी, लेकिन कांग्रेस के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ऐसी क्या मजबूरी है कि वो राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकते हैं।

मकान में लगी भीषण आग

दो बच्चों समेत छह की जलने से मौत

हैदराबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के मंचेरियल जिले में एक मकान में बीती रात आग लगने से छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे शामिल हैं।

आग शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे लगी। पुलिस के मुताबिक घटना मंचेरियल जिले के रामकृष्णपुर थाना क्षेत्र के वेंकटपुर गांव में हुई। आग की सूचना एक पड़ोसी ने पुलिस को दी। यह मकान पद्मा नाम की महिला का था। उसके घर कुछ दिनों से मेहमान आए हुए थे। वे भी आग के शिकार हो गए। घर में पद्मा और उसका पति रहते थे। दो दिन पहले उनकी भतीजी मोनिका, उसके दो बच्चे और एक रिश्तेदार घर आए थे। आग लगने के समय घर में कुल छह लोग मौजूद थे। मंचेरियल के एसीपी बी तिरुपति रेड्डी ने बताया कि आग बीती रात 12.30 बजे के आसपास लगी। देखते देखते यह मकान आग की लपटों में समा गया। रेड्डी ने कहा कि सूचना मिलते ही दमकलों की टीम मौके पर पहुंच गई थी। आग में घर पूरी तरह से नष्ट हो गया। आग लगने के समय छह लोग घर के अंदर थे। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है। आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की बिलकिस बानो की याचिका

दोषियों की रिहाई के आदेश पर समीक्षा की मांग की थी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को बिलकिस बानो की तरफ से दायर एक याचिका को खारिज कर दिया। इसमें उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से मांग की थी कि वह अपने उस आदेश की समीक्षा करे, जिसके तहत उसने गुजरात सरकार को 1992 की नीति के तहत दोषियों को छूट देने पर विचार के लिए कहा था।

क्या है इस याचिका से जुड़ा पूरा मामला :

गौरतलब है कि साल 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या करने के मामले में 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा हुई थी। हालांकि, गुजरात सरकार ने दोषियों को रिहा 15 साल जेल की सजा काटने के बाद रिहा कर दिया। गुजरात सरकार का कहना है कि उसने अपनी सजा माफी नीति के अनुरूप 11 दोषियों को छूट दी है। इन दोषियों को इसी साल 15 अगस्त को जेल से रिहा किया गया। दोषियों को गोधरा उप-जेल में 15 साल से अधिक की सजा काटने के बाद छोड़ा गया है।

दोषियों की इसी रिहाई को चुनौती देते हुए समय से पहले रिहाई को चुनौती देते हुए बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी है। इसमें 13 मई के आदेश पर दोबारा विचार करने की मांग की गई है।

इसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि गैंगरेप के दोषियों की रिहाई में 1992 में बने नियम लागू होंगे। इसी आधार पर 11 दोषियों की रिहाई हुई थी। वहीं बिलकिस बानो के वकील ने लिस्टिंग के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष मामले का उल्लेख किया था।

13 मई के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा था :

बता दें कि 13 मई को सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि सजा 2008 में मिली, इसलिए रिहाई के लिए 2014 में गुजरात में बने कठोर नियम लागू नहीं होंगे। 1992 के नियम ही लागू होंगे जिसके तहत गुजरात सरकार ने 14 साल की सजा काट चुके लोगों को रिहा किया था। अब बिलकिस बानो 13 मई के आदेश पर पुनर्विचार की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि जब मुकदमा महाराष्ट्र में चला, तो नियम भी वहां के लागू होंगे गुजरात के नहीं।

अनिल देशमुख को चैन की सांस नहीं लेने देगी सीबीआई

बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली जमानत को चुनौती देने के लिए सीबीआई सुप्रीम कोर्ट पहुंची है।

सीबीआई ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को हाई कोर्ट से मिली जमानत को रद्द करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस मामले में 12 दिसंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल देशमुख को एक लाख के निजी मुचलके पर जमानत दे दी थी। साथ ही हाईकोर्ट ने सीबीआई को जमानत के आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए 10 दिन का समय दिया था। दरअसल नवंबर में मुंबई की विशेष अदालत में अनिल देशमुख की जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत के इस फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 2

जहां से उन्हें जमानत मिल गई और अब सीबीआई ने उनकी जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। 12 दिसंबर को दिए आदेश में बॉम्बे हाईकोर्ट ने देशमुख को जमानत देने के बाद 10 दिनों के लिए अपने आदेश के अमल पर रोक लगा दी थी। ताकि सीबीआई इस बीच इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सके।

अटल जी, अरुण जेटली और अमर्त्य सेन के नाम पर होंगे कॉलेज और सेंटर्स

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ कॉलेजों और केंद्रों के नामकरण की संभावना है। इन कॉलेजों और केंद्रों के नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, अरुण जेटली, अमर्त्य सेन और सावित्री बाई फुले पर रखने की संभावना जताई गई है और इनपर चर्चा भी की गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने पिछले साल एक प्रस्ताव पारित किया था कि आगामी कॉलेजों और केंद्रों का नाम स्वामी विवेकानंद, सुषमा स्वराज, वीडी सावरकर और सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर रखा जा सकता है।

शिक्षा मंत्रालय ने लोकसभा में दिया जवाब :

इस फैसले पर लोकसभा में एक सवाल के जवाब में सोमवार को शिक्षा मंत्रालय ने अन्य नामों का भी सुझाव दिया। परिषद ने अटल बिहारी बाजपेयी, सावित्री बाई फुले, अरुण जेटली, चौधरी ब्रह्म प्रकाश, सी.डी. देशमुख और अमर्त्य सेन के नाम का सुझाव दिया। वहीं कुलपति को नाम को अंतिम रूप देने के लिए अधिकृत किया जाएगा।

कांग्रेस सांसद ने पूछा था प्रश्न

केरल के कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश ने इस फैसले पर लोकसभा में एक सवाल उठाया था जिसमें पूछा गया था कि क्या सरकार प्रतिस्पर्धी विरासत वाले व्यक्तियों के नाम पर कॉलेजों के नामकरण की नीति पर फिर से विचार करने का प्रस्ताव रखती है। मंत्रालय ने सुरेश द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि डीयू अपने वैधानिक निकायों की मंजूरी के साथ सभी शैक्षणिक और प्रशासनिक निर्णय लेने में सक्षम है।

दिल्ली विश्वविद्यालय दो नए केंद्र स्थापित करेगा :

दिल्ली विश्वविद्यालय नए कॉलेज शुरू करने की दिशा में पहले कदम के रूप में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले छात्रों की जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दो सुविधा केंद्र स्थापित करने पर काम कर रहा है। नजफगढ़ और फतेहपुर बेरी में डीयू को आवंटित भूमि के भूखंडों पर दो केंद्र स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।

दहेज में बेटी को दिया बुलडोजर : पिता बोला-कार देते तो खड़ी रहती, लेकिन इससे कमाई होगी

हमीरपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बेटी को दहेज में मोटरसाइकिल और कार देने वाले बहुत से किस्से आपने सुने होंगे, लेकिन यूपी के हमीरपुर में पूर्व सैन्यकर्मी ने बेटी को दहेज में बुलडोजर दिया है। उनका कहना है, कार देते तो खड़ी ही रहती, लेकिन बुलडोजर से कमाई होगी। बेटी को भी दामाद से पैसे नहीं मांगने पड़ेंगे। दो-तीन लोगों को रोजगार भी मिल जाएगा। बुलडोजर की कीमत करीब 30 लाख रुपये है।

मामला सुमेरपुर थाना क्षेत्र के देव गांव का है। यहां रहने वाले विकास ऊर्फ योगेंद्र एयरफोर्स में है। उनके पिता स्वामीदीन चक्रवर्ती ने योगेंद्र की शादी पास के ही पूर्व सैन्यकर्मी परसराम प्रजापति की बेटी नेहा से तय की थी। नेहा सिविल सेवा की तैयारी कर रही हैं।

15 दिसंबर को नेहा-योगेंद्र की शादी शिव लॉन गार्डन गेस्ट हाउस में धूमधाम से हुई। सुबह जब विदाई हुई तब दुल्हन के पिता ने दहेज में बुलडोजर देकर सभी को चौंका दिया। दूल्हे के पिता स्वामीदीन ने बताया, हमें बहू के पिता ने बुलडोजर देने की बात बताई थी। हम भी उनकी बात से सहमत हो गए। गिफ्ट में बुलडोजर देखकर बाराती भी हैरान रह गए। कई लोग तो उसके साथ सेल्फी लेने लगे।

फार्मा यूनिट में घुसा तेंदुआ पकड़ा गया नेहरू जू-पार्क में स्थानांतरित

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के गड्डा पोताराम गांव में स्थित हेट्रो फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड इकाई में भटकते हुए घुसे एक तेंदुए को आखिरकार पकड़ लिया गया तथा इसे हैदराबाद स्थित नेहरू जू-पार्क में स्थानांतरित कर दिया गया। तेंदुआ हेट्रो फार्मा यूनिट के एच. ब्लॉक में भटक गया था और बाहर निकलने का रास्ता न खोज पाने के कारण इमारत के अंदर फंस गया था। यूनिट के सुरक्षा कर्मचारियों ने शनिवार सुबह एच-ब्लॉक में रिएक्टरों के बीच तेंदुए को घूमते हुए देखा।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद शक हुआ कि तेंदुआ शुक्रवार रात पास के वन क्षेत्र से यूनिट में घुसा होगा। इसके बाद यूनिट प्रबंधन ने वन और पुलिस अधिकारियों को मदद के लिए बुलाया। चूंकि एच-ब्लॉक कांच के विभाजन के साथ पूरी तरह से बंद था, इसलिए बचाव दल ने कांच की खिड़कियों के माध्यम से तेंदुए की हरकत को ट्रैक किया। जब वे तेंदुए को पकड़ने के लिए एक विशेषज्ञ टीम भेजने के लिए नेहरू प्राणी उद्यान की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिला वन अधिकारी श्रीधर बाबू, वन रेंज अधिकारी वीरेंद्रबाबू और एक टीम ने तेंदुए पर नजर रखी। इस बीच, ट्रैंक्विलाइज़र डार्ट्स के साथ नवीन के नेतृत्व में एक टीम पहुंची और कांच के विभाजन में कुछ छेद ड्रिल किए।

इनके माध्यम से वे सफलतापूर्वक तेंदुए को पकड़ने में कामयाब रहे और बाद में एक पिंजरे में उसे चिड़ियाघर में स्थानांतरित कर दिया गया। चूंकि उद्योग वन क्षेत्र के करीब स्थित है, इसलिए पहले भी उद्योग के आसपास तेंदुओं की आवाजाही की सूचना मिली थी। यूनिट के सुरक्षा कर्मचारियों ने अप्रैल के आखिरी सप्ताह में भी सीसीटीवी फुटेज में एक तेंदुए को देखा था।

वायनाड से राहुल गांधी के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के चुनाव को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज किया। बता दें कि 2019 में केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव को चुनौती देते हुए ये याचिका दाखिल की गई थी। जस्टिस ए एस बोपन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने सरिता एस नायर की याचिका को ठुकरा दिया, जिन्होंने केरल उच्च न्यायालय के 31 अक्टूबर 2019 के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। केरल हाई कोर्ट ने भी वायनाड और एर्नाकुलम में लोकसभा चुनावों को चुनौती देने वाली उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

पुनः सुनवाई का अनुरोध करते हुए डाली गई थी अर्जी

शीर्ष अदालत ने 2 नवंबर 2020 को अभियोजक की अनुपस्थिति के आधार पर राहुल के चुनाव को चुनौती देने वाली नायर की याचिका खारिज कर दी थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर पुनः सुनवाई का अनुरोध करते हुए एक अर्जी दायर की गई थी। जब शुक्रवार को मामला पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया तो उसने अर्जी पर पुनः सुनवाई की अनुमति दे दी।

पीठ ने कही ये बात

पीठ ने अपने आदेश में कहा, ''विशेष अनुमति याचिका को उसकी मूल संख्या पर बहाल किया जाता है। याचिका के गुण-दोष पर याचिकाकर्ता के वकील की दलीलें सुनने के बाद हमें पहले के आदेश में हस्तक्षेप करने की कोई वजह नहीं दिखाई देती। इसके परिणामस्वरूप विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है।''

कोई मामला छोटा या बड़ा नहीं होता

जजों की नियुक्ति में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने और क्या कहा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच इस समय मनमुटाव बढ़ता ही जा रहा है। पिछले दिनों कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने विभिन्न मंचों पर कई मुद्दों पर न्यायपालिका की आलोचना की है। इसके बाद न्यायपालिका ने भी केंद्र सरकार पर पलटवार किया है। न्यायपालिका ने कहा चाहे न्यायाधीशों की नियुक्ति में लंबा विलंब हो या यह रेखांकित करना कि सुप्रीम कोर्ट के लिए कोई भी मामला बहुत बड़ा या बहुत छोटा नहीं है क्योंकि उसे नागरिकों की स्वतंत्रता की पुकार का जवाब देना है। हाल ही में, रिजिजू ने संसद में कहा कि सुप्रीम कोर्ट को लंबित मामलों की बढ़ती संख्या के बीच जमानत याचिकाओं और तुच्छ जनहित याचिकाओं पर सुनवाई नहीं करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के लिए कोई मामला बहुत छोटा नहीं है

9 अलग-अलग मामलों में बिजली चोरी के लिए 18 साल की जेल की सजा पाए एक व्यक्ति को रिहा करते हुए, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा- सुप्रीम कोर्ट के लिए कोई मामला बहुत छोटा नहीं है और कोई भी मामला बहुत बड़ा नहीं है क्योंकि हमें अंतरात्मा की पुकार और अपने नागरिकों की स्वतंत्रता की पुकार का जवाब देना है, इसलिए हम यहां हैं..और ये कोई एक मामला नहीं है, जब आप यहां बैठते हैं और आधी रात का तेल जलाते हैं, तो आपको एहसास होता है कि हर दिन ऐसा ही एक और होता है।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता के उल्लंघन के मामलों में हस्तक्षेप करना शीर्ष अदालत का कर्तव्य

याचिकाकर्ता को रिहा करते हुए, अदालत ने अपने आदेश में कहा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार एक अविच्छेद्य अधिकार है। ऐसी शिकायतों को दूर करने में, सर्वोच्च न्यायालय अपने कर्तव्य का पालन करता है, न अधिक और न ही कम..।

क्या कहा था कानून मंत्री ने

राज्यसभा में बोलते हुए, कानून मंत्री ने शीर्ष अदालत से उन मामलों को लेने की अपील की जो प्रासंगिक और उचित हैं, और आगे कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट जमानत अर्जियों और सभी तुच्छ जनहित याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करता है, तो यह एक संवैधानिक अदालत के रूप में उस पर अतिरिक्त बोझ डालेगा।

लंबी अदालती छुट्टियां न्याय चाहने वालों के लिए बहुत सुविधाजनक नहीं हैं- कानून मंत्री

केंद्रीय कानून मंत्री ने राज्यसभा में यह भी कहा था कि लोगों में यह भावना है कि लंबी अदालती छुट्टियां न्याय चाहने वालों के लिए बहुत सुविधाजनक नहीं हैं। इसके जवाब में मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों से भरे अदालत कक्ष में शुक्रवार को कहा कि 'कल से एक जनवरी तक कोई बेंच उपलब्ध नहीं होगी'। बता दें कि शुक्रवार सुप्रीम कोर्ट के लिए अंतिम कार्य दिवस था। अब 2 जनवरी, 2023 को दो सप्ताह के शीतकालीन अवकाश के बाद कोर्ट फिर से खुलेगा।

मंत्री की आलोचना की अप्रत्यक्ष प्रतिक्रिया में, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के उल्लंघन के मामलों में हस्तक्षेप करना शीर्ष अदालत का कर्तव्य है, और न्यायाधीश इसके लिए रात भर काम करते हैं।

शिवालिक की पहाड़ियों में अतिक्रमण

जहां एक पेड़ नहीं कट सकता था, वहां बना डाले आलीशान अवैध फार्म हाउस

नयागांव (मोहाली), 17 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवालिक की पहाड़ियों के बीच जिस इलाके में वन विभाग के एक भी पेड़ को नहीं काटा जा सकता था वहां रसूखदारों ने जमीन को समतल कर अवैध रूप से आलीशान फार्म हाउस खड़े कर दिए। यही नहीं, कई फार्म हाउसों की होटलों की तरह ऑनलाइन बुकिंग की जाती है। इसके लिए बाकायदा वेबसाइट पर इनका विज्ञापन दिया जाता है। पंजाब की पुरानी सरकार में में इन्हें बाकायदा बिजली-पानी के कनेक्शन दिए गए लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार के गठन के बाद से इन पर कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है। शिवालिक की पहाड़ियों के अंदर करीब दो किलोमीटर तक दोनों तरफ कई अवैध फार्म हाउस बने हुए हैं। प्रकृति की खूबसूरती का नजारा लेने के लिए राजनेताओं और नौकरशाहों की मिलीभगत का यह एक जीता-जागता सबूत है।

शिवाजी पर कोश्यारी के बयान से हंगामा!

महाविकास अघाड़ी का मार्च, ठाकरे-पवार बोले, 'राज्यपाल को हटाने की जरूरत'

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस नीत महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के कथित विवादास्पद बयान को लेकर विरोध मार्च निकाला। पिछले दिनों कोश्यारी ने एक कार्यक्रम में कथित तौर पर मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज को पुराने जमाने का आदर्श करार दिया था. कोश्यारी की टिप्पणी को लेकर राज्य में विपक्षी दलों की ओर से लगातार रोष जाहिर किया जा रहा है. इसी कड़ी में शनिवार (17 दिसंबर) को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार की ओर से कोश्यारी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया आई.

उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने ये कहा

उद्धव ठाकरे ने कहा, "बहुत दिनों बाद महाविकास आघाड़ी का इतना बड़ा मोर्चा देखने को मिला है. महाराष्ट्र के स्वाभिमान का अपमान हम नहीं सहेंगे, चाहे इसके लिए हमें जो भी करना पड़े. हमें महाराष्ट्र के राज्यपाल को हटाने की जरूरत है." ठाकरे ने कहा, "छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने वाले लफंगे हैं और उन्हें यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है. ये महाराष्ट्र को बदनाम करने के लिए आए हैं." एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा, "महाराष्ट्र के सम्मान के लिए हम सब एक हैं. महाराष्ट्र का अपमान करने वाले लोगों को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे. छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान महाराष्ट्र के लोग बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे. महाराष्ट्र में रहने वाले जो लोग राज्य का और यहां के वीर पुरुषों का सम्मान नहीं कर सकते, उन्हें तुरंत यहां से हटाने की जरूरत है." समाचार एजेंसी एएनआई की ओर से ट्वीट किए गए एक वीडियो में एमवीए के मार्च में भारी भीड़ नजर आ रही है.

राज्यपाल कोश्यारी के इस बयान पर मचा है बवाल

19 नवंबर को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और एनसीपी नेता शरद पवार को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान करते हुए कथित विवादित टिप्पणी की थी. राज्यपाल कोश्यारी ने कहा था, "हम जब पढ़ते थे मिडिल में, हाईस्कूल में तो हमारे टीचर हमको टॉपिक देते थे कि 'हू इज अवर फेवरिट हीरो?' आपका फेवरिट लीडर कौन है? ..तो हम लोगों में उस समय किसी को सुभाष चंद्र बोस अच्छे लगे, किसी को नेहरू जी, किसी को गांधी जी. मुझे ऐसा लगता है अगर कोई आपसे कहे कि हू इज योर आइकन, हू इज योर फेवरिट हीरो, बाहर जाने की कोई जरूरत नहीं है, यहीं महाराष्ट्र में आपको मिल जाएंगे. शिवाजी तो पुराने युग की बात हैं, मैं नए युग की बात बोल रहा हूं. कहीं मिल जाएंगे. डॉक्टर अंबेडकर से लेकर के डॉक्टर गडकरी तक, नितिन गडकरी साब तो यहीं मिल जाएंगे."

नितिन गडकरी ने दिया था ये बयान

बता दें कि दो दिन बाद यानी 21 नवंबर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को कोश्यारी के बयान पर सफाई देनी पड़ी थी. गडकरी ने कहा था, "शिवाजी महाराज हमारे भगवान हैं, हम अपने माता-पिता से ज्यादा उन्हें आदर देते हैं." बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने भी एक डिबेट में शिवाजी महाराज का उल्लेख किया था, इसलिए वह भी बीजेपी विरोधी दलों के निशाने पर है।

पत्रकार और न्यायाधीश लड़खड़ाए तो होगा लोकतंत्र को नुकसान

बोले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बीएन श्रीकृष्ण ने शुक्रवार को स्वतंत्र पत्रकारिता की वकालत की। मुंबई प्रेसक्लब की ओर से आयोजित रेडइंक पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, लोकतंत्र के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए पत्रकारों की स्वतंत्रता को बनाए रखने की जरूरत है। पूर्व न्यायाधीश ने कहा, दो पेशों को अनिवार्य रूप से स्वतंत्र होना चाहिए, एक न्यायाधीश और एक पत्रकार। अगर वे लड़खड़ाते हैं, तो लोकतंत्र को नुकसान होता है। उन्होंने कहा, जो पत्रकार अपनी आजादी खो देता है, वह उतना ही बुरा है जितना एक जज जिसने अपनी आजादी खो दी है।पत्रकारिता के पेशे में ईमानदारी वास्तव में सबसे अच्छी नीति है।

टीजेएस जॉर्ज को मिला रेडइंक पुरस्कार

वरिष्ठ पत्रकार टीजेएस जॉर्ज को एक संपादक और स्तंभकार के रूप में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए रेडइंक पुरस्कार प्रदान किया गया। 1960 के दशक में, जॉर्ज पटना के एक समाचार पत्र के संपादक थे। उन्हें सत्ता-विरोधी रुख के लिए जाना जाता है। 2021 के लिए प्रेस क्लब का 'जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर' पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार ओम गौर को दिया गया।

चेन्नई हवाई अड्डे पर जब्त की गई छह करोड़ रुपए की हेरोइन

चेन्नई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सीमा शुल्क विभाग ने शुक्रवार को कहा कि 6.31 करोड़ रुपये मूल्य की 900 ग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई और केन्या की एक महिला को गिरफ्तार किया गया. 13 दिसंबर को शारजाह (यूएई) से आए यात्री को अधिकारियों ने चेन्नई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोका गया. इसके बाद यह कार्रवाई की गई. सीमा शुल्क के प्रधान आयुक्त ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक प्रारंभिक जांच में प्रतिबंधित दवा जब्त की गई है, जिसे उसके मलाशय में छिपाया गया था. सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत केन्याई नागरिक से कुल 6.31 करोड़ रुपये मूल्य की 902 ग्राम हेरोइन जब्त की गई. विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच की जा रही है. शुक्रवार को एक अन्य घटना में, विभाग के अधिकारियों ने यहां अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पर दुबई से आए एक यात्री से 86.27 लाख रुपये मूल्य का 1.77 किलोग्राम सोना बरामद किया.

मुंबई के घाटकोपर में भीषण आग

1 की मौत और 2 जख्मी, 22 अन्य भी अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के घाटकोपर इलाके में शनिवार को आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 2 घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस बीच, सांस लेने में तकलीफ होने की वजह से जिन 22 लोगों को पारेख अस्पताल में भर्ती कराया गया था, अब उन्हें दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कराया गया है. खबर है कि विश्वास नाम की इमारत के जूनो पिज्ञा होटल के मीटर रूम से यह आग फैली. फायर ब्रिगेड के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया है और कूलिंग का काम जारी है. उन्होंने बताया कि आग मीटर रूम में ही लगी है और बिल्डिंग में ही एक हॉस्पिटल है उस तक धुंआ पहुंच रहा है, जिसके बाद वहां के मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया. इससे पहले, मुंबई फायर ब्रिगेड ने बताया था कि मुंबई के घाटकोपर में पारेख अस्पताल के पास आग लगी है और दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं. आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है. मध्य मुंबई में 61 मंजिला इमारत में आग लगने के दो दिन बाद यह घटना सामने आई है. 15 दिसंबर को पूर्वाह्न पौने 11 बजे करी रोड इलाके में स्थित 'वन अविघ्न पार्क' इमारत के 22वें तल से लगनी शुरू हुई आग पर अपराह्न एक बजकर 50 मिनट पर काबू पा लिया गया. आग बुझाने के दौरान दो दमकलकर्मी मामूली रूप घायल हो गए थे. मुख्य दमकल अधिकारी संजय मांजरेकर ने बताया कि जिस फ्लैट में आग लगी, उसके अंदर कोई नहीं था. उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है.

भारतीय नौसेना में आज शामिल होगा विध्वंसक युद्धपोत मोरमुगाओ

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 18 दिसंबर को स्वदेश निर्मित पी15बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत 'मोरमुगाओ' को भारतीय नौसेना को समर्पित करेंगे। नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में इसे नौसेना में शामिल किया जाएगा। इससे भारतीय नौसेना की हिंद महासागर में पहुंच बढ़ेगी तथा देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और चाकचौबंद होगी। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इस विध्वंसक युद्धपोत को भारतीय नौसेना के 'वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो' ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा किया गया है। आईएनएस मोरमुगाओ का नाम पश्चिमी तट पर गोवा के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर के नाम पर रखा गया है। आईएनएम मोरमुगाओ ने पिछले साल 19 दिसंबर को पहली बार समुद्र में उतरा था, इसी दिन गोवा में पुर्तगाली शासन से मुक्ति पाने के 60 साल पूरे हुए थे। भारत में निर्मित शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक आईएनएस मोरमुगाओ की लंबाई 163 मीटर और चौड़ाई 17 मीटर है और इसका वजन 7,400 टन है। जहाज चार शक्तिशाली गैस टर्बाइन से लैस है और 30 समुद्री मील से अधिक की गति से चल सकती है।

आईएनएस मोरमुगाओ की खूबियां

आईएनएस मोरमुगाओ ब्रह्मोस और बराक-8 जैसी मिसाइलों से लैस है। इसमें इस्राइल का रडार एमएफ-स्टार लगा है, जो हवा में लंबी दूरी के लक्ष्य का पता लगा सकता है। 127 मिलीमीटर गन से लैस आईएनएस मोरमुगाओ 300 किलोमीटर दूर से लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। इस पर एके-630 एंटी मिसाइल गन सिस्टम लगा है। साथ ही यह एंटी सबमरीन रॉकेट लांचर से भी लैस है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत बनाया गया स्वदेशी युद्धपोत

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत इस स्वदेशी युद्धपोत को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया है। यह युद्धपोत परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध लड़ने में सक्षम है। चार 'विशाखापत्तनम' श्रेणी के विध्वंसकों में से दूसरे विध्वंसक को नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया जाएगा। इस युद्ध पोत को शक्तिशाली चार गैस टर्बाइन से गति मिलती है। पोत 30 समुद्री मील से अधिक की गति प्राप्त करने में सक्षम है। नौसेना ने कहा कि पोत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को देश में ही विकसित किया गया है औक पोत में रॉकेट लॉन्चर, तारपीडो लॉन्चर और एसएडब्लू हेलीकॉप्टर की व्यवस्था है। गौरतलब है कि भारत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दुस्साहस के मद्देनजर हिंद महासागर पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अपनी समुद्री क्षमता को बढ़ा रहा है।

ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट के लिए तैयार

नौसेना के कमांडर अंशुल शर्मा ने बताया, यह जहाज 'मोरमुगाओ' पी15 ब्रेवर क्लास का दूसरा जहाज है। यह जहाज सभी हथियारों और सेंसर के साथ पूरी तरह से तैयार है और किसी भी तरह की ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट के लिए तैयार है। उन्होंने बताया, यह जहाज अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों सुसज्जित है, जो लगभग हर युद्ध, एंटी-एयर और एंटी-सबमरीन में युद्ध के अंतिम स्पेक्ट्रम में लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।

जेपी नड्डा बोले: चीन और पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं राहुल गांधी

दिया सेना का मनोबल तोड़ने वाला बयान

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी चीन और पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। भाजपा प्रमुख ने कहा कि उनके बयान की जितनी आलोचना की जाए वो कम, उनका बयान सेना के मनोबल को तोड़ने वाला है। तवांग में ताजा घटनाक्रम के बाद कांग्रेस नेता ने बयान दिया था कि अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिक भारतीय सेना के जवानों की पिटाई कर कर रहे हैं। बयान को लेकर भाजपा प्रमुख ने कहा कि यह उनकी देशभक्ति को लेकर प्रश्च चिह्न खड़े करता है। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक पर भी सवाल उठाया था। यह उनके मानसिक दिवालियापन को दिखाता है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने अपनी आधिकारिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि अगर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे रिमोट से कंट्रोल नहीं हैं और अगर विपक्षी पार्टी देश के साथ खड़ी है, तो गांधी को उनकी टिप्पणियों के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए, क्योंकि वो भारत को कमजोर करते हैं और अपने सशस्त्र बलों का मनोबल तोड़ते हैं। भाटिया ने राहुल गांधी की तुलना कन्नौज के राजा जयचंद से की, जिन्हें भारतीय इतिहास में एक विश्वासघाती के रूप में पेश किया जाता है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि उन्होंने लगातार सशस्त्र बलों के मनोबल को तोड़ने की कोशिश की है, चाहे वह आतंक पर सर्जिकल स्ट्राइक हो या पाकिस्तान में आतंकी शिविर पर एयर स्ट्राइक हो या गलवान घाटी में झड़प हो।

भाजपा नेता ने कहा कि गांधी ने कथित तौर पर पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों पर सशस्त्र बलों के हमलों के सबूत मांगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को सरेंडर मोदी कहा। भाटिया ने कहा, कांग्रेस नेता को अपने बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि माफी से उनका पाप तो नहीं धुलेगा लेकिन कम से कम यह जरूर दिखाएगा कि उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया है।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान शुक्रवार को जयपुर में एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है। उन्होंने सरकार पर इसे अनदेखा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है और कहा कि सरकार सो रही है और इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।

10वीं की छात्रा से रेप

कोचिंग जा रही छात्रा को बहला-फुसला कर ले गया ऑटो चालक, तीन घंटे बाद घर छोड़ा

भोपाल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ऐशबाग इलाके में 10वीं की छात्रा के साथ ऑटो चालक ने रेप किया। आरोपी उसे सुभाष नगर रेलवे फाटक के पास से बहला-फुसलाकर आनंद लेकर गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसने छात्रा के साथ रेप की बात कबूल ली है। पुलिस के मुताबिक, अहमद कॉलोनी निवासी 16 साल की किशोरी 10वीं की स्टूडेंट है। 10 दिसंबर को शाम करीब पांच बजे हर रोज की तरह घर से कोचिंग के लिए निकली। छात्रा जब सुभाष नगर रेलवे फाटक के पास पहुंची तो उसे कॉलोनी में रहने वाला अल्तमस मिला। उसने छात्रा को घूमने चलने को कहा।

हमें भारतीय होने पर गर्व

भारत की तुलना पाक से न करो तो अच्छा; इंडियन मुसलमान की बात सुन बिलबिला उठेंगे बिलावल

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में बैठकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ किये गए व्यक्तिगत हमलों का विरोध अब मुस्लिम संगठन भी करने लगे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जहर उगलने वाले पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को एक भारतीय मुसलमान की तरफ से करारा जवाब मिला है. पीएम मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीन परिषद के अध्यक्ष हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने पाक और बिलावल भुट्टो को आड़े हाथों लिया है और कहा कि पाकिस्तान की तुलना भारत से न करो. हमें भारतीय होने पर गर्व है. सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने कहा कि वह पाकिस्तान के विदेश मंत्री द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ इस्तेमाल की गई जहरीली भाषा की कड़ी निंदा करते हैं. उन्होंने आगे कहा कि इस बयान से बिलावल भुट्टो ने न केवल अपने पद की गरिमा को कम किया है बल्कि अपने पूरे देश को भी निचा दिखाया है.

'भारतीय मुसलमान अधिक सुरक्षित'

हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने आगे कहा कि पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि भारतीय मुसलमान पाकिस्तानी मुसलमानों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और बेहतर स्थिति में हैं. चिश्ती ने बिलावल भुट्टो को याद दिलाया कि आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तानी सरकार की नाक के नीचे अमेरिकी सेना ने पाकिस्तान में मार गिराया था. उन्होंने साथ ही भुट्टो को सलाह दी कि भारत की तुलना पाकिस्तान से न करें क्योंकि भारतीय संविधान सभी को धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है. भुट्टो पर बरसे चिश्ती ने कहा कि हर मुसलमान को एक भारतीय होने पर गर्व महसूस होता है.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 18 दिसंबर, 2022 3

युविचार

अवगुण नांव की पेंद में छेद के समान हैं जो चाहे छोटा हो या बड़ा एक दिन उसे डूबो देगा।

एंटी-ड्रग कमेटी की नशे के कारोबार के खात्मे में अहम भूमिका : सीवी आनंद

नगर पुलिस ऑयुक्त ने 55 कॉलेजों में एंटी-ड्रग कमेटी का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने और निरंतर अभियान चलाने के लिए, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में पूर्वी क्षेत्र के 55 कॉलेजों में एंटी-ड्रग कमेटी (एडीसी) का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के लगभग 1000 छात्रों, एडीसी सदस्यों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में, सीपी आनंद ने कहा कि एडीसी अवैध नशीली दवाओं के दुरुपयोग और व्यापार के खिलाफ लड़ाई में तालमेल के लिए पुलिस और शैक्षणिक संस्थानों के बीच प्रभावी समन्वय के लिए पुल के रूप में काम करते हैं। "एंटी-ड्रग कमेटी, जो एंटी-रैगिंग कमेटी की तर्ज पर काम करती है, प्रत्येक कॉलेज में फैकल्टी, हॉस्टल वार्डन और छात्रों से कम से कम 5 सदस्यों को शामिल किया जाना चाहिए, जो युवाओं का मार्गदर्शन करने और उन्हें ड्रग्स से बचाने के लिए सलाह देते हैं।" नगर पुलिस प्रमुख ने एडीसी की जिम्मेदारियों के बारे में भी विस्तार से बताया। एडीसी की गतिविधियों में बैठकें आयोजित करना, कार्यशालाएं आयोजित करना और स्थानीय पुलिस आदि के साथ संपर्क करना शामिल है। उन्होंने प्रबंधन से परिसर के परिसर में बैनर, साइनेज लगाने का आग्रह किया। "अब शहर के सभी कॉलेजों में एडीसी स्थापित करना अनिवार्य है।" शहर पुलिस अधिनियम के तहत हाल ही में जारी अधिसूचना का जिक्र करते हुए श्री आनंद ने उपस्थित लोगों को बताया कि कैसे हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग ने स्थानीय पेडलर्स, अंतर-राज्यीय गिरोहों, डार्क वेब सौदों, अंतर्राष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं और उनके निर्वासन से शुरू होने वाले ड्रग कार्टेल को खत्म कर दिया। एक उस्मानिया के पूर्व छात्र होने के नाते उन्होंने छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में ज्वलंत यादें साझा कीं और दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों को साझा करके उन्हें संवेदनशील बनाया। उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्हें स्वास्थ्य, करियर और बड़े पैमाने पर समाज पर खतरनाक परिणामों के बारे में आगाह किया। उन्होंने घोषणा की कि दूसरे चरण में शहर की पुलिस इस अभियान को स्कूलों तक आगे बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार संबंधित प्रबंधनों की जिम्मेदारी तय कर यौन शोषण, रैगिंग और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मुद्दों को हल करने के लिए नए मानदंड बनाने पर विचार कर रही है। डॉ. संदीप ने बताया कि कैसे युवा पीढ़ी नशे के दुष्चक्र में गिर रही है। "अधिकांश युवा शुरुआत में इसे आनंद के लिए आजमाते हैं और बाद के चरणों में वे इसके आदी हो जाते हैं।" पी.लक्ष्मी नारायण, रजिस्ट्रार ओयू ने कहा कि वे ओयू से शुरू होने वाले शहर में एडीसी शुरू करने के लिए एचसीपी की सराहना करते हैं और शहर की पुलिस को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हैं। उस्मानिया विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेज बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों को आकर्षित करते हैं, ओयू इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर श्रीराम वेंकटेश ने कहा कि विदेशी छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए विशेष रूप से परामर्श सत्र आयोजित किए जाने चाहिए। विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ), सुनील दत्त डीसीपी ईट जोन, जी.चक्रवर्ती, डीसीपी एच-न्यू और शहर पुलिस के अन्य कर्मचारी अधिकारियों ने लॉन्च कार्यक्रम में भाग लिया।

हनी ट्रैप का जाल बिछाने वाली युवती पहुंची सलाखों के पीछे

इंस्टाग्राम पर विवाह का झांसा देकर 31 लाख ठगे

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हनी ट्रैप का जाल बिछाने वाली युवती को उसके साथी के साथ राचकोंडा की साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। दोनों साइबर जालसाजों को इंस्टाग्राम पर हनी ट्रैप के माध्यम से वैवाहिक गठबंधन के नाम पर लोगों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में एपी की रहने वाली परसा तनुश्री (27) और परसा रवि तेजा (32 वर्ष) शामिल है। राचकोंडा पुलिस से एक शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे एक युवती के इंस्टाग्राम अकाउंट आईडी से एक संदेश मिला। उसके बाद में सोशल मीडिया पर महिला के साथ घनिष्ठ मित्र बन गए। महिला ने शिकायतकर्ता के साथ शादी का झूठा प्रस्ताव रखा और फिर अपनी मां की खराब सेहत, घर की ईएमआई, कोविड आदि जैसे कई कारणों का हवाला देते हुए पैसे मांगने लगी। आठ माह के दौरान शिकायकर्ता ने युवती ने कुल 31,66,000 रुपये की राशि हस्तांतरित की। उसकी शिकायत के आधार पर जांच की गई और इस दौरान पता चला कि आरोपी युवती तनुश्री और रवि तेजा दोनों लिव इन रिलेशन में हैं और ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के शौकीन हैं। इसलिए उन्होंने हनी ट्रैप के जरिए भोले-भाले लोगों को धोखा देकर आसान पैसा बनाने की योजना बनाई। जांच के दौरान जांच अधिकारी ने सभी तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए, डेटा का विश्लेषण किया, आरोपियों गिरफ्तार किया।

जगतियाल में तेल मिल में भीषण आग

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल कस्बे की एक तेल मिल में शुक्रवार देर रात आग लग गयी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। नया बस स्टैंड के पास रामबाजार रोड स्थित श्री वेंकटेश्वर शंकर ट्रेडर्स ऑयल मिल में आधी रात के बाद आग ने भीषण रूप ले लिया. मिल में रखे गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद आग की लपटें आसपास के इलाकों में फैल गईं। इससे दहशत में आए मोहल्ले के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और पूरी रात सड़क पर गुजारी। पुलिस और दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग बुझाने के लिए जगतियाल, धर्मपुरी और मेतपल्ली से दमकल की तीन गाड़ियों को लगाया गया।

रोहित रेड्डी ने शैक्षणिक योग्यता के बारे में चुनाव आयोग को गलत जानकारी दी : रघुनंदन राव

भाजपा ने चुनाव आयोग में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राज्य इकाई ने आज प्रतिद्वंद्वी बीआरएस पार्टी के विधायक पायलट रोहित रेड्डी के खिलाफ भारत के चुनाव आयोग के पास उनकी भ्रामक शैक्षणिक योग्यता को लेकर शिकायत दर्ज कराई। पार्टी के विधायक एम. रघुनंदन राव ने चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा और आरोप लगाया कि रोहित रेड्डी ने अपनी शैक्षिक योग्यता के बारे में उसे गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी के विधायक ने 2018 में चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्तुत अपने चुनावी हलफनामे में कहा था कि उनकी उच्चतम शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट है और उसी नेता ने हाईकोर्ट में साल 2009 में दायर अपने हलफनामे में बताया कि उन्होंने स्वीडन स्थित बीटीएच यूनिवर्सिटी से अपनी बीटेक और एमएस की डिग्री प्राप्त की है। राव ने कहा कि विधायक ने अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में गलत जानकारी देकर आयोग को गुमराह किया और आयोग के मौजूदा नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने आयोग से जनप्रतिनिधि अधिनियम के तहत विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

बीआरएस विधायक रोहित रेड्डी ने बंडी संजय को चुनौती दी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय को चुनौती दी है कि वह बेंगलुरु ड्रग्स मामले से संबंधित ईडी के समन पर सबूत दिखाएं। तांडूर विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने शनिवार को शहर के चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर का दौरा किया और देवी भाग्य लक्ष्मी की विशेष पूजा की। इस अवसर पर बोलते हुए, बीआरएस विधायक ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भाजपा नेताओं के निर्देशन में काम कर रहा है। मैं देवी भाग्यलक्ष्मी की उपस्थिति में कह रहा हूं कि मुझे बैंगलोर ड्रग्स मामले के संबंध में कोई नोटिस नहीं मिला है। मैं भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय को ड्रग मामले में मेरी संलिप्तता के सबूत के साथ आने की चुनौती देता हूं। मैं 24 घंटे का समय दे रहा हूं। वह मंदिर आना चाहिए और सबूत दिखाना चाहिए। अन्यथा, उन्हें बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

डायलिसिस सेवाएं प्रदान करने में तेलंगाना शीर्ष पर : हरीश

स्वास्थ्य मंत्री ने निम्स में नए उन्नत चिकित्सा उपकरणों का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने शनिवार को निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के ट्रॉमा ब्लॉक में नए उन्नत चिकित्सा उपकरण, इंट्रा-ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड, इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोमोनिटरिंग और अल्ट्रासोनिक एस्पिरेट का उद्घाटन किया। ये उपकरण दो करोड़ रुपये के बजट से खरीदे गए हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना डायलिसिस सेवाएं प्रदान करने में शीर्ष पर है। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन से पहले केवल तीन डायलिसिस केंद्र थे जो बढ़कर 102 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित गरीब मरीजों के लिए डायलिसिस पर हर साल लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। हरीश राव ने निम्स के डॉक्टरों को उनकी सेवाओं के लिए बधाई दी और नेफ्रोलॉजी विंग के कामकाज की प्रशंसा की और बताया कि निम्स में सबसे ज्यादा किडनी प्रत्यारोपण हो रहे हैं।

फिजिकल इवेंट में क्वालिफाई करने वालों को मिले मौका : रेवंत

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को एक पत्र लिखकर पुलिस कांस्टेबल और एसआई पद को भरने के लिए चल रहे पुलिस भर्ती अभियान में तीन फिजिकल इवेंट पास करने वालों को अनुमति देने की मांग की।

अपने पत्र में, टीपीसीसी प्रमुख ने मुख्यमंत्री को बताया कि पुलिस पदों को भरने के लिए प्रारंभिक परीक्षा इस साल अगस्त में आयोजित की गई थी। परीक्षा के आयोजन ने प्रारंभिक परीक्षा को देखने के बाद उम्मीदवारों को पूरी तरह से निराश कर दिया था। प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गए सात प्रश्नों ने पुलिस कॉन्स्टेबल और एसआई पदों के उम्मीदवारों के बीच बहुत भ्रम पैदा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रमित करने वाले सात प्रश्नों के अंक कुछ अभ्यर्थियों को दिए गए न कि सभी को।

उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से सात प्रश्नों को हटाने और उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग लेने की अनुमति देने को कहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी इस मुद्दे पर राज्य सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने सीएम से कहा कि इस मुद्दे पर राज्य सरकार की चुप्पी से हजारों लोगों को काफी पीड़ा हो रही है।

कैलाश सत्यार्थी वारंगल में कार्यक्रमों में भाग लेंगे

वारंगल, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के 18 और 19 दिसंबर को जिले के दौरे के लिए अधिकारियों ने सभी इंतजाम कर लिए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, सत्यार्थी रविवार दोपहर एक न्यायपालिका कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अदालत परिसर का दौरा करेंगे, जबकि वह अगले दिन हनमकोंडा के सुबेदारी में यूनिवर्सिटी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में लगभग 50,000 छात्रों के साथ एक बैठक को संबोधित करेंगे।

आईसीएआर-क्रीडा द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया, जो 31 दिसंबर तक जारी रहेगा। कार्य योजना के अनुसार, स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों को 16 दिसंबर 2022 को मुख्य कार्यालय, हयातनगर रिसर्च फार्म और गंगा रिसर्च फार्म के प्रमुख स्थान पर बैनरों के प्रदर्शन के साथ लागू किया गया है। डॉ. वी. के. सिंह, निदेशक, आईसीएआर-क्रीडा ने संस्थान के लगभग 100 कर्मचारियों को मुख्य कार्यालय में स्वच्छता शपथ दिलाई और कर्मचारियों से स्वच्छता अभियान को अपनी नियमित गतिविधियों के हिस्से के रूप में अपनाने और संस्थान के परिसर को पूरे समय साफ रखने का आग्रह किया। डॉ. एसएस बलोली, प्रधान वैज्ञानिक ने कर्मचारियों को 16-31 दिसंबर 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान नियोजित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। आईसीएआर-क्रीडा के सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर किए और प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करने की सेल्फी को अपने व्हाट्सएप स्टेटस या अपने फेसबुक/ट्विटर अकाउंट पर अपलोड किया। हयातनगर और गंगा रिसर्च फार्म के प्रभारी वैज्ञानिकों ने कर्मचारियों को उनके संबंधित स्थानों पर स्वच्छता शपथ दिलाई।

तेरास सरकार के खिलाफ बेरोजगार युवाओं ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेरोजगार युवाओं ने आज तेलंगाना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा स्नातक उपाधिधारी बेरोजगार युवा मेट्रो यात्रियों से भीख मांगी। इस प्रदर्शन में सेरिलिंगमपल्ली के भाजपा प्रभारी गज्जल, मेडचल जिला भाजपा अध्यक्ष हरीश रेड्डी ने समर्थन दिया। इस मौके पर गज्जला योगानंद ने कहा कि सीएम केसीआर ने परिवार के सभी सदस्यों को नौकरी दी है और बेरोजगारों के साथ गलत व्यवहार किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री केसीआर के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों में से कोई एक तेलंगाना के लिए हुए संघर्ष में शहीद हुआ है। टीआरएस ने 2019 के चुनाव से पहले कहा था कि तेलंगाना में लगभग 30 लाख बेरोजगार हैं और उन्हें पिछले 4 वर्षों में 3,016 रुपये का बेरोजगारी लाभ दिया जाएगा, लेकिन किसी को भी बेरोजगारी लाभ नहीं मिला है। अब बेरोजगार 45 लाख से ज्यादा हो गए हैं। अब वे उन्हें कब तक इसे ढकने की कोशिश करेंगे। इस प्रदर्शन में विजित वर्मा, रामकृष्ण, वेंकट रेड्डी, विनोद, वीरू यादव, पृथ्वी, श्रीनाथ, जावेद, क्रांति और भाजपा व भाजयुमो के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अधिकारियों ने माय होम सीमेंट्स कंपनी के अवैध निर्माण पर रोक लगायी

सूर्यापेट, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को जिले के मेला चेरुवु में माय होम सीमेंट्स की नई यूनिट-4 के निर्माण कार्यों को आवश्यक अनुमति के बिना लेने के लिए रोक दिया और जब्त कर लिया।

अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की क्योंकि माई होम सीमेंट्स के प्रबंधन ने लेआउट और डीटीसीपी अनुमोदन के बिना काम नहीं करने के लिए प्रबंधन को दो बार नोटिस दिए जाने के बावजूद काम जारी रखा। पंचायत राज और राजस्व विभाग के करीब 20 अधिकारियों ने मौके पर छापेमारी की और निर्माण स्थल को जब्त कर लिया. उन्होंने अवैध रूप से किए गए निर्माण कार्यों की भी जांच की और उन्हें दर्ज किया। पुलिस ने छापेमारी के दौरान माई होम सीमेंट्स फैक्ट्री के स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। मीडिया से बात करते हुए, जिला पंचायत अधिकारी यादैया ने कहा कि उन्होंने माई होम सीमेंट्स के प्रबंधन से यूनिट -4 के कार्यों को फिर से शुरू नहीं करने का लिखित आश्वासन लिया है। कंपनी ने बिना आवश्यक अनुमति के विशाल संरचनाओं का निर्माण शुरू कर दिया था, जिसके बाद अधिकारियों को लोगों से शिकायतें मिलीं। उनके संज्ञान में यह भी आया कि जिस जमीन पर कंपनी ने काम लिया था, उस पर विवाद चल रहा था। यह कहते हुए कि कंपनी 400 एकड़ में निर्माण के लिए मैला चेरुवु की ग्राम पंचायत को संपत्ति कर का भुगतान नहीं कर रही है, उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी से कर वसूलने के उपाय किए जाएंगे।

नागोबा मंदिर को पर्यटन केंद्र बनाने के प्रयास जारी : इंद्रकरन

आदिलाबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि प्राचीन श्री नागोबा मंदिर को जिले के प्रमुख तीर्थ पर्यटन केंद्र में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने शनिवार को इंद्रवेली मंडल के केसलापुर गांव में पुनर्निर्मित श्री नागोबा मंदिर का दौरा किया।

यह कहते हुए कि सरकार ने कई मोर्चों पर नाग देवता के मंदिर के विकास के लिए 10.50 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, इंद्रकरन ने 5 करोड़ रुपये का योगदान देकर एक विशेष पत्थर का उपयोग करके मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए मेसराम कबीले के सदस्यों की सराहना की। उन्होंने यदाद्री के प्रसिद्ध श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी देवस्थानम के बाद पवित्र स्थान को सबसे पसंदीदा आध्यात्मिक गंतव्य बताया।

मंत्री ने आगे आश्वासन दिया कि आगामी वार्षिक नागोबा जतारा के सुचारू संचालन के लिए पीने के पानी, सड़क, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा, जो मेसरामों का एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक मामला है और द्विवार्षिक समक्का-सरलम्मा के बाद आदिवासियों की दूसरी सबसे बड़ी सभा है। मुलुगु जिले में जतारा।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद कई आदिवासी मंदिरों का विकास हुआ। इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि 2018 में चुनाव के समय वादा किए गए पात्र आदिवासियों को जल्द से जल्द वन भूमि पर स्वामित्व के दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार रैतु बंधु, रैतु भीमा, असरा पेंशन, कृषि को बिजली की निर्बाध आपूर्ति और कल्याण लक्ष्मी जैसी विभिन्न नवीन योजनाओं को लागू कर रही है। बाद में उन्हें मेसरामों द्वारा नागोबा के चित्र और मंदिर में जाने के लिए शॉल से सम्मानित किया गया।

मंडल बनने के बाद भी सरकारी कार्यालय बोर्ड पर डोंगली मंडल का नाम नहीं!

मदनूर, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस माह के तीन तारीख को प्रदेश के स्वास्थ मंत्री हरीश राव, जुक्कल विधायक हणमंत शिंदे, जाहीराबाद सांसद बीबी पाटील द्वारा मदनूर मंडल में से 14 गांव के साथ नूतन डोंगली मंडल का गठन किया गया। डोंगली मंडल निर्माण होकर एक पखवाड़ा बीत रहा है, किंतु भी तक स्थानीय कार्यालय के सरकारी अस्पताल के साथ-साथ ग्राम पंचायत, पाठशाला, आंगनवाड़ी, पशु अस्पताल सोसायटी कार्यालय के बोर्ड पर अधिकारी की लापरवाही के कारण मदनूर मंडल की जगह डोंगाली मंडल नहीं लखने से अधिकारियों की लापरवाही नजर आ रही है।

श्रीमती रामप्यारी देवी के निधन पर शोक की छाया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेयू राजपूत संघ, हैदराबाद के कार्यकर्ता रवींद्र सिंह की माता श्रीमती रामप्यारी देवी (85) के आकस्मिक निधन से स्थानीय क्षेत्र में शोक की छाया फैल गई है। आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस पर अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान आरके पुरम, साई किरण अपार्टमेंट से निकाली गई। राजपूत संघ के कार्यकर्ता एवं अन्य लोगों के उपस्थिति में अलवल के श्मशान घाट में दाह संस्कार किया गया। इसमें बीजेयू राजपूत संघ हैदराबाद के अध्यक्ष एचएस चौहान, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, महासचिव धनंजय सिंह, कोषाध्यक्ष एमबी सिंह, अन्य कार्यकर्ता डीके सिंह, पीके सिंह, ज्वाला सिंह, रामईश्वर सिंह, विष्णु शंकर, लव सिंह आदि समाज के भाई उपस्थित रहे।

कोर्ट में गवाही से पहले बीमार पड़ा जगजीत सिंह

कोर्ट ने दी तारीख, अब 2 जनवरी को दर्ज होंगे बयान

लखीमपुर खीरी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के लखीमपुर खीरी के चर्चित तिकुनिया कांड मामले में किसान पक्ष की तरफ से चल रहे मुकदमे में आज होने वाली पहली गवाही की कार्यवाही भी अगली तारीख के लिए टाल दी गई है। तिकोनिया हिंसा कांड में आशीष मिश्रा समेत 14 आरोपियों के खिलाफ चल रहे मुकदमे में शुक्रवार को सुनवाई हुई। मुकदमे में वादी मुकदमा जगजीत सिंह की गवाही होनी थी।

हालांकि जगजीत सिंह बीमार होने की वजह से कोर्ट नहीं आ सका। अभियोजन की पैरवी कर रहे जिला शासकीय अधिवक्ता अरविंद त्रिपाठी ने कोर्ट को गवाह के बीमार होने की सूचना देते हुए समय मांगा। इस पर एडीजे सुनील कुमार वर्मा ने मामले में 2 जनवरी की तारीख नियत कर दी। अब अभियोजन 2 जनवरीको वादी मुकदमा को पेश कर उसके बयान दर्ज कराएगा।

जिला शासकीय अधिवक्ता अरविंद त्रिपाठी ने बताया कि 3 अक्टूबर को हुए तिकुनिया हिंसा कांड में चार किसानों और एक पत्रकार की मौत के मामले में मंत्री पुत्र आशीष समेत चौदह आरोपियों के खिलाफ एसआईटी ने 3 जनवरी को ही सीजेएम कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। अब इस मुकदमें की सुनवाई प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार वर्मा कर रहे हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष समेत 14 आरोपियों की डिस्चार्ज अर्जियों को खारिज करते हुए एडीजे सुनील वर्मा 6 दिसंबर को आरोप तय कर दिए थे।

गवाह के बीमार होने की मिली सूचना

साथ ही मामले में अभियोजन को पेश करने के लिए 16 दिसंबर की तारीख नियत कर दी थी। अभियोजन मामले के गवाह वादी मुकदमा जगजीत सिंह को पेश करने की तैयारी में था, उसे सम्मन भी भेजा जा चुका था। हालांकि शुक्रवार को वादी मुकदमा जगजीत सिंह के बीमार होने की सूचना मिलने पर डीजीसी ने कोर्ट में गवाह पेश करने के लिए समय दिए जाने की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दिया। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 2 जनवरी की तारीख नियत कर दी।

पाक के विदेश मंत्री की पीएम मोदी पर टिप्पणी से भाजपाइयों में आक्रोश, पुलता जलाया

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी से आक्रोशित होकर लखनऊ के अटल चौराहे पर प्रदर्शन किया और पाक विदेश मंत्री का पुतला फूंका। हजरतगंज स्थित अटल चौराहे पर सुबह से ही भीड़ आने लगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने यहां पर बिलावल भुट्टो मुर्दाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों के साथ पाकिस्तानी विदेश मंत्री के पुतले पर जूते बरसाये और आग लगा दी। प्रदर्शन का नेतृत्व युवा भाजपा नेता सतीश वर्मा ने किया। उनके साथ कृपाशंकर मिश्र, राजीव मेहरोत्रा, दीपू रावत, आशीष गुप्ता, मयंक मिश्रा, सतीश यादव, दीपू रावत, राघव सिंह, सागर सक्सेना, कौशल पांडेय, सौरभ त्रिवेदी, प्रवीण मिश्र और देशदीपक सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शराब से हो रही मौतों के बीच मुखिया प्रत्याशी की गोली मारकर हत्या

छपरा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जहरीली शराब से छपरा में हो रही मौतों के बीच रिविलगंज में अपराधियों ने मुखिया प्रत्याशी व प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों ने मुखिया प्रत्याशी के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी है। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने सदर अस्पताल में जमकर बवाल किया है। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने कहा कि शनिवार की सुबह अपराधियों ने मुखिया प्रत्याशी के सिर में गोली मारकर फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर उनके परिजन आनन फानन में उन्हें लेकर छपरा सदर अस्पताल पहुंचे। लेकिन, अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि आज गोरख महतो देवरिया गांव स्थित घर के समीप अखबार पढ़ रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार अपराधियों ने उनके समीप पहुंचे और उनके सिर में गोली मारकर फरार हो गए।आनन-फानन में परिजन उन्हें उठाकर सदर अस्पताल पहुंचे,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पतालकर्मियों पर ही टूट पड़ा। आक्रोशित परिजनों ने सदर अस्पताल के कर्मचारियों की पिटाई शुरू कर दी। यहां तक की नर्सों तक को पीटा गया। अस्पताल प्रशासन ने इसकी तत्काल सूचना भगवान बाजार थाना को दी और भागकर अपनी जान बचाया।

बाइक सवार को बचाने में स्कूल बस पलटी

दो बच्चों की मौत की सूचना, शैक्षिक भ्रमण पर निकले थे बच्चे

प्रयागराज, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हंडिया कोतवाली के सैदाबाद में भेस्की गांव के पास स्कूल बस पलट जाने से दो की मौत की सूचना है। दर्जन भर घायल हो गए। बच्चों की चीख पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें वाहन से बाहर निकाला। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल बच्चों का प्राथमिक उपचार स्थानीय चिकित्सालय में कराया गया। सैदाबाद के भेस्की गांव के पास बच्चों से भरी स्कूल बस एक बाइक को बचाने के चक्कर में पलट गई। घटना सुबह साढ़े नौ बजे के करीब हुई। जौनपुर के श्रीमती कांति देवी जनता विद्यालय परमानपुर भर्तीपुर के बच्चों की बस शैक्षिक भ्रमण के लिए मनगढ़ प्रतापगढ़ जा रही थी। बस अभी सैदाबाद के भेस्की गांव के सामने पहुंची थी कि बाइक सवार को बचाने के चक्कर में असंतुलित हो गई। 35 लड़कियां 40 लड़के यानि कि 75 बच्चे सवार थे। बस पलटने से नौवीं के छात्र अंकित और दसवीं के छात्र अनुराग की मौत हो गई। बाइक सवार संतोष विश्वकर्मा निवासी तारा गांव सैदाबाद गंभीर रूप से घायल है। उसे एसआरएन रेफर किया गया है। सूचना पाकर अभिभावक मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि स्कूल बस ने 300 बच्चों को लेकर टूर का आयोजन किया था।

जौनपुर से प्रयागराज आ रही छात्रों से भरी बस सैदाबाद से लगे भिस्की गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई। जबकि, 30 से अधिक बच्चे घायल हो गए हैं। घायल बच्चों को पास के ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। हादसा सुबह करीब नौ बजे भिस्की गांव के पास हुआ। कहा जा रहा है कि मोटर साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर बच्चों से भरी बस पलट गई। इसमें कई बच्चे बस के नीचे दब गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े। इस हादसे में दो बच्चों की मौत होने की पुलिस ने पुष्टि की है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस पहुंच गई।

'मैं पूर्व सांसद का बेटा, मेरे भाई को नहीं मुझे वोट दें'

जमुई में बेहद रोचक मुकाबला

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बीते कई दशकों से जमुई जिला राजनीतिक रूप से काफी समृद्धशाली रहा है। राज्य व केंद्र की सरकारों में इसका प्रतिनिधित्व रहा है। जमुई की धरती राजनीतिक रूप से काफी उर्वर है। घर से राजनीति की पाठशाला शुरू होती है। इस बार के नगर परिषद चुनाव में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। पूर्व सांसद भोला मांझी के दोनों पुत्र अपने पिता की विरासत की साख पर नगर परिषद चुनाव में आमने-सामने उतर आये हैं। इतना ही नहीं भोला बाबू के नाम पर ही इस बार का चुनाव भी लड़ रहे हैं। एक पुत्र राजकुमार मांझी उनकी तस्वीर लेकर ही चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं। लोगों में इसे लेकर कौतूहल है। बताते चलें कि नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या एक खैरमा में इस बार का चुनाव हॉट सीट बना हुआ है। कारण है पूर्व सांसद भोला मांझी के दोनों पुत्र इस बार नगर परिषद चुनाव में आमने-सामने हैं। हालांकि वार्ड नंबर 1 से वार्ड पार्षद पद के लिए 4 दावेदार चुनाव मैदान में हैं, लेकिन मुख्य रूप से भोला मांझी के दोनों पुत्र राजकुमार मांझी तथा विनोद मांझी के बीच की टक्कर इस सीट को हॉट सीट बना रही है। गौरतलब है कि भोला मांझी पूर्व में सांसद रहे और उनकी पहचान कद्दावर नेता के रूप में की जाती थी। गरीब-गुरबा की आवाज बनकर भोला मांझी ने सड़क से सदन तक का सफर पूरा किया था। अब उनके दोनों पुत्र आपस में उनकी ही विरासत पर अपनी मुहर लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व सांसद भोला मांझी के छोटे पुत्र राजकुमार मांझी पूर्व में वार्ड पार्षद रह चुके हैं। जबकि उनके बड़े पुत्र विनोद मांझी इस बार पहली बार चुनाव मैदान में हैं। विनोद मांझी ने कहा कि मेरे भाई ने पूर्व में विकास के कार्य सही ढंग से नहीं किया, इस कारण मैं चुनाव मैदान में उतरा हूं। तो वहीं दूसरी तरफ छोटे पुत्र राजकुमार मांझी भोला बाबू की तस्वीर लेकर चुनाव मैदान में लोगों के बीच वोट मांग रहे हैं। नगर परिषद चुनाव में सामने आयी यह अजब गजब तस्वीर रोमांच पैदा कर रही है। खैरमा वार्ड नंबर 1 के लोगों ने भी कहा कि इस बार चुनावी टक्कर खास है।

30 रुपये की एक गिलास शराब जान पर भारी

छपरा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। श्मशान घाट, कब्रिस्तान, बरात वाले घर के आस-पास और कंस्ट्रक्शन साइट के नजदीक शराब के धंधेबाज शाम पांच बजे के बाद ही सक्रिय हो जाते हैं। कोड वर्ड '10 रुपया में निमकी 50 रुपया में चिमकी' के साथ तीन से चार मिनट में ही शराब की ग्लास दे दी जाती है। वहीं कई बार 20 से 30 रुपये का ग्लास भी दिया जाता है। विदित हो कि करीब 10 साल पहले गली मुहल्लों वह दियारा इलाकों में दो रुपया निमकी, पांच रुपया चिमकी के कोड वर्ड के साथ देशी शराब बेची जाती थी। आज उसी कोड वर्ड को शराबबंदी के बाद धंधेबाज इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं रोजाना शराब पीने वाले भली-भांति इस कोडवर्ड से परिचित होते हैं। शुक्रवार को सदर अस्पताल में बीमार होकर भर्ती हुए तरैया के मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि उसने 50 रुपये ग्लास शराब खरीदकर पी है।

200 एमएल प्लास्टिक के ग्लास में बेचते हैं शराब

हालांकि बीमार होने के बाद उसे कुछ भी ठीक से याद नहीं आ रहा था। लेकिन उसने इतना जरूर कहा कि मशरक चिमनी के पास श्मशान घाट के नजदीकी जाकर उसने शराब पी थी। जो 32 मौतें हुई हैं। उसमें से 15 से अधिक लोगों ने बीमार अवस्था में यह बात कही थी कि मशरक यदु मोड़ के चिमनी के पीछे ही जाकर 30 से 50 रुपये में शराब खरीदी थी। यह शराब उन्हें 200 एमएल के प्लास्टिक के ग्लास में दी गयी। कुछ लोग पॉलिथीन में भी शराब लेकर घर आये थे। जरूरत के हिसाब से शराब के धंधेबाज बिक्री का अड्डा भी बदलते रहते हैं। पहले धंधेबाजों द्वारा पता कर लिया जाता है कि गांव में कहां बारात आने वाली है।

बारात लगने की घंटे पहले वह गांव के किसी सुनसान इलाके में जाकर शराब की खेप रख देते हैं। वहीं अपने ही कुछ आदमियों को भेजकर शराब की डिमांड करने वाले बरातियों को सुनसान इलाके तक बुला लिया जाता है। सदर अस्पताल में बीमार लोगों के साथ पहुंचे परिजनों ने बताया कि शराब पीने से भले ही मजदूर वर्ग के लोगों की मौत अधिक होती है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में जहां गुपचुप रूप से शराब बेची जाती है। वहां पीने वाले सिर्फ मजदूर ही नहीं बल्कि संभ्रांत घर के लोग भी होते हैं। कई टीनेजर भी चार पहिया वाहनों से गांव के सुदूर इलाकों में शराब खोजते पहुंचते हैं। मशरक के यदु मोड़ के पास एक ही बस्ती के जिन पांच लोगों की मौत हुई है।

नक्सलियों ने चिपकाया पोस्टर

लिखा– सुधर जाओ, नहीं तो बेमौत मारे जाओगे

जमुई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जमुई में नक्सलियों के द्वारा पोस्टर चिपकाए जाने से लोगों में खौफ का माहौल है। बताया जा रहा है कि पूरा मामला जिले के चकाई प्रखंड अंतर्गत बामदह हटिया शेड परिसर के दीवार पर नक्सली पोस्टर चिपकाए जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। चिपकाए गए नक्सली पोस्टर के जरिए बैंक में दलाली कर रहे दलाल और बामदह और चौपला पंचायत के आवास सहायक के दलालों को सुधर जाने की चेतावनी दी गई है।

नक्सली पोस्टर में भाकपा माओवादी के हवाले से लिखा गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री कृषि योजना से गरीब के हाथों से निकासी करवा करके आधा पैसा लेने वाले दलाल को हलाल किया जाएगा। पोस्टर में मुखिया का दलाल रोहित पासवान का नाम लिखकर 25 हजार रुपया लेने का आरोप लगाते हुए लिखा गया है कि सुधर जाओ नहीं तो बेमौत मारे जाओगे। इसके अलावा एक दूसरे पोस्टर में बैंक का दलाल राजेश शाह चाइना चौक चौक चौक पंचायत के आवास सहायक शंभू शर्मा, बैजनाथ उप मुखिया, नूनू शाह,सुधीर मोदी, सुरेश पंडित का नाम लिखकर धमकी दिया गया है। नक्सली पोस्टर गाने की घटना की खबर मिलते ही पुलिस द्वारा पोस्टर को उखाड़ कर अपने साथ ले गया और पोस्टर को जब्त कर मामले की छानबीन कर रही है। बताते चलें कि जिस जगह नक्सली पर्चा चिपका मिला है उस जगह पर सप्ताहिक हटिया का आयोजन होता है और दूर-दूर के लोग सामान खरीदने के लिए हटिया में आते हैं, जिसकी वजह से वहां पर काफी भीड़ होता है। यह भी बता दें कि इससे पहले चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के बिराजपुर स्थित यूनियन बैंक परिसर में नक्सली के नाम पर कुछ अपराधियों ने पर्चा चिपकाया था। जिसके बाद 22 दिनों तक लगातार बैंक बंद रहा था।

वही 4 दिन पहले जिले के खैरा थाना क्षेत्र में भी नक्सली के द्वारा शिक्षक और उसके परिवार से लेवी मांगने की बात और परचा चिपकाने के बाद सामने आई है।

इरफान सोलंकी से जेल में मिलने जाएंगे अखिलेश

कानपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में माहौल इस समय गरमाया हुआ है। समाजवादी पार्टी अपनी स्थिति को मजबूत बनाने की कोशिश करती दिख रही है। इस क्रम में राजनीतिक मुलाकातों का दौर शुरू हुआ है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक दिन पहले पार्टी कार्यालय पहुंच कर पार्टी अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक की। निकाय चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। संगठन मजबूत बनाने की रणनीति बनी। अब वे पार्टी विधायक इरफान सोलंकी से मुलाकात करेंगे। मुलाकात की इन खबरों के साथ ही इरफान सोलंकी का मामला एक बार फिर गरमा गया है। दरअसल, यूपी की राजनीति में इस समय समाजवादी पार्टी एक नए तेवर के साथ उतर रही है। मैनपुरी और खतौली उप चुनाव में जीत के बाद समाजवादी पार्टी के तेवर बदले हैं। प्रदेश में अब उप चुनाव परिणाम के आधार पर माहौल बदलने की कोशिश शुरू कर दी गई है।

क्या नेता विपक्ष विजय सिन्हा के समधी के घर से बरामद हुई शराब की खेप?

क्या नेता विपक्ष विजय सिन्हा के समधी के घर से बरामद हुई शराब की खेप?

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराब मामले को लेकर फिर एकबार घमासान मचा है। सारण में 70 से अधिक लोगों की मौत जहरीली शराब के सेवन से हो गयी। इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने सरकार को घेरा। तो वहीं सत्ताधारी दलों के नेताओं ने भी विपक्ष पर हमला बोला। आरोप प्रत्यारोप के दौरान उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा के ऊपर गंभीर आरोप लगाये। जिससे विवाद छिड़ा तो अब उन आरोपों पर नेता प्रतिपक्ष ने पलटवार भी किया है।

शराब मामले की गूंज बिहार विधानसभा में सुनाई दी। नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने सरकार पर हमला बोला। इस बीच उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का एक बयान आया कि नेता प्रतिपक्ष के समधी के घर से लगभग 108 कार्टून शराब बरामद हुई है। इस खबर ने सबका ध्यान लखीसराय की ओर खींच लिया। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट का जिक्र करते हुए ये आरोप अन्य नेताओं ने लगाए।

इधर लखीसराय में इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। दरअसल, क्षेत्रीय विधायक व बिहार विधानसभा में नेता प्रति विजय कुमार सिन्हा के समधी के घर हलसी में शराब बरामदगी की झूठी खबर एक यूट्यूबर द्वारा चलाये जाने से वहां के ग्रामीण भड़क गये। ग्रामीणों ने कहा कि राजनीतिक साजिश के तहत उनके गांव एवं नेता प्रतिपक्ष को बदनाम किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष के समधी गांव में रहते भी नहीं है और शराब भी उनके घर से बरामद नहीं हुई है। बावजूद झूठी खबर चलाकर उनका बदनाम किया जा रहा है। बता दें कि बुधवार को उत्पाद विभाग ने हलसी थाना क्षेत्र में शराब माफियाओं के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया था। इस दौरान घोंघसा गांव के एक गोहाल से शराब बरामदगी हुई थी।

केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए 44 हजार करोड़ का फंड जारी

9 .5 लाख किसानों को होगा फायदा

बांदा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की सरकार में मंजूर हुई केन बेतवा लिंक परियोजना पिछले 17 सालों से फाइलों में दौड़ रही है। अब इस परियोजना के धरातल पर उतरने की संभावना तेज हो गई है। इसी माह भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस सिलसिले में केंद्र में मोदी सरकार ने 44 हजार करोड़ राशि की पहली किस्त जारी कर दी है। 17 साल पहले मंजूर हुई इस परियोजना में एमपी और यूपी के 21 गांव प्रभावित हो रहे हैं। दोनों राज्यों में लंबे अर्से तक इस पर सहमति नहीं बन पाई। केंद्र सरकार के दखल के बाद दोनों राज्यों में समझौता हुआ।

उधर इस परियोजना के खिलाफ आदिवासी बाशिंदे और कई संगठनों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। परियोजना के अंतर्गत आने वाले गांव खाली कराए जाएंगे। परियोजनाओं के मुख्य बांध ढोढन के निर्माण के लिए पन्ना टाइगर रिजर्व की 6017 हेक्टेयर वन भूमि जा रही है। इसमें 4141 हेक्टेयर भूमि कोर एरिया में शामिल है। वन विभाग को इस भूमि के बदले दूसरी राजस्व भूमि देकर भरपाई की जा रही है। इसी सिलसिले में एमपी सरकार ने इसी वर्ष 31 जनवरी को भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की थी और अब सरकार ने अधिसूचना का गजट भी जारी कर दिया है।

चौकी में घुसकर पुलिसवालों पर फायरिंग

इसमें एक पुलिस का फालोअर, 10 घंटे में दोनों को पुलिस मुठभेड़ में गोली लगी

बरेली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में बड़ी वारदात हो गई है। यहां बदमाशों ने पुलिस चौकी के अंदर घुसकर पुलिसवालों पर ही फायरिंग कर दी। हमले में एक सिपाही जख्मी हो गया, जबकि दो ने भागकर अपनी अपनी जान बचाई। चौकी के अंदर हुई इस वारदात के बाद बरेली से लेकर लखनऊ तक हड़कंप मच गया। एसटीएफ, एसओजी के साथ ही सीनियर पुलिस अफसरों की टीम को बदमाशों का पता करने के लिए लगा दिया। खुद एडीजी मौके पर पहुंच गए। पूरे शहर में नाकाबंदी करवा दी गई।

हालांकि, 10 घंटे बाद ही दोनों बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। एक सिपाही आमिर भी इस मुठभेड़ में घायल हुआ है। मुठभेड़ ठिरिया इलाके में हुई है। बदमाशों की पहचान यशपाल और विकास के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि यशपाल पुलिस डिपार्टमेंट में फालोअर हैं। वो पुलिस लाइन में ही अटैच था।

पूरी वारदात बरेली की नकटिया पुलिस चौकी की है। शुक्रवार रात 8 बजे बाइक से यशपाल और विकास पहुंचे। बाइक को गेट के बाहर खड़ा कर दिया और विकास बाइक पर ही बैठा रहा। यशपाल उतर कर चौकी के अंदर गया। वो नशे में धुत था। अंदर पहुंचा तो वहां पर 3 सिपाही बैठे थे। यशपाल ने एक सिपाही से पूछा कि दरोगा जी कहां हैं? लड़खड़ाती आवाज में बदमाश ने पूछा तो सिपाही विशाल कुमार ने कहा कि नशे में हो क्या? क्या काम है दरोगा जी से? इतनी पीकर कहां से आया है?

सिपाही के यह कहने पर यशपाल चौकी के बाहर आ गया। बमुश्किल 40-50 सेकंड बाद वह फिर चौकी के कमरे में पहुंच गया। उसने कमर से तमंचा निकाला। सिपाही विशाल, यशपाल को गोली मत चलाओ ही कहता रहा। इतने में ही बदमाश ने विशाल पर फायरिंग कर दी। बुलेट कमरे में रखी लोहे की अलमारी से टकराई और फिर विशाल की कमर के हिस्से को रगड़ती हुई निकल गई। जख्म से विशाल चिल्लाने लगा। तब तक बदमाश बाहर आया और बाइक में बैठकर अपने साथी के साथ फरार हो गया। चौकी पर हमले की खबर मिलते ही बरेली से लेकर लखनऊ तक फोन घनघना गए।

बिहार की शराब नीति और राजनीति

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में जहरीली शराब पीने से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 84 पहुंच गया है। सारण में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की आधिकारिक संख्या 38 हो गई है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में बिहार सरकार को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है। वहीं विपक्षी पार्टियां सदन के भीतर और बाहर सरकार पर लगातार हमला कर रही हैं। वहीं, जानकारों का कहना है कि शराब नीति पर मुख्यमंत्री के दो अलग-अलग रुख रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अपने राज्य में शराब नीति को उदार बनाया लेकिन व्यापक राजनीतिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान पाठ्यक्रम बदल दिया और यू-टर्न ले लिया।

बंद कमरे में गैस सिलिंडर रखने से दम घुटकर दंपती की मौत, मासूम गंभीर

पैट्रोमेक्स गैस सिलिंडर जानलेवा साबित हुआ

चंदौसी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। क्षेत्र के गांव अकरौली में रात के समय कमरे को गर्म करने के लिए रखा हुआ पैट्रोमेक्स गैस सिलिंडर जानलेवा साबित हुआ। बंद कमरे में आक्सीजन का स्तर कम होने पर दम घुटने से मेडिकल संचालक व उसकी पत्नी की मौत हो गई तथा दूधमुंहे बच्चे की हालत गंभीर हैं। उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। दम घुटने से मौत के बाद उनके घर लोगों की भीड़ लगी है। थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव अकरौली निवासी सलमान (28) मेडिकल स्टोर संचालक है। शुक्रवार की रात सलमान, उनकी पत्नी महराज जहां (24), चार माह के बेटे के साथ मकान की दूसरी मंजिल पर कमरे में सोए हुए थे। कमरे के बाहर शीशे का सीलबंद केबिन है। रात के समय केबिन और कमरा दोनों बंद थे। ठंड से बचाव के लिए कमरे के अंदर पैट्रोमेक्स गैस सिलिंडर जला रखा था। शनिवार की सुबह दस बजे तक सलमान व उनकी पत्नी कमरे के बाहर नहीं आए, तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने ऊपर जाकर केबिन का दरवाजा खटखटाया, पर अंदर से कोई आवाज नहीं आई। आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। केबिन के एक शीशे को हटाकर अंदर प्रवेश किया और कमरे की कुंडी खोली। बेड पर सलमान, उनकी पत्नी व बच्चा अचेत पड़े थे। आनन फानन में परिजन उन्हें चंदौसी के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे।

अमित शाह के सामने ममता की बीएसएफ से बहस

कहा- फोर्स के पास ज्यादा ताकत, इससे राज्य के लोग परेशान हो रहे

कोलकाता, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता में शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बीएसएफ अधिकारियों के बीच बहस हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। यह वाकया हावड़ा में ईस्टर्न जोनल काउंसलिंग की बैठक के दौरान हुआ। ममता बीएसएफ को बॉर्डर के 50 किलोमीटर अंदर तक कार्रवाई के अधिकार देने से नाराज हैं। ममता का कहना है कि इससे आम लोगों को परेशानी हो रही है। केंद्र सरकार ने नए कानून के तहत बीएसएफ को इंटरनेशनल बॉर्डर से 50 किलोमीटर तक के इलाके में कार्रवाई करने का अधिकार दिया है। इसके लिए मजिस्ट्रेट के आदेश या वारंट की जरूरत नहीं होगी। इससे पहले बीएसएफ 15 किमी अंदर तक ही कार्रवाई कर सकती थी। ममता इसी बदलाव से नाराज हैं। उनका कहना है कि इससे आम लोग परेशान हो रहे हैं। बीएसएफ के पास ज्यादा पॉवर है, जो लोगों और अफसरों के बीच तालमेल नहीं बनने देता।

ममता ने बीएसएफ पर लगाया था गांववालों की हत्या का आरोप

ममता ने मई 2022 में कहा था कि बीएसएफ वाले गांवों में घुसकर लोगों को मार रहे हैं और दूसरी तरफ बांग्लादेश में फेंक रहे हैं। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार के तहत आने वाली बीएसएफ इंटरनेशनल बॉर्डर के उस पार गायों की तस्करी कराती है और लोगों की हत्या करके उनके शव बांग्लादेश में फेंक देती है, लेकिन उसका इल्जाम बंगाल पुलिस पर आता है। इसलिए मैंने राज्य पुलिस को कहा है कि वे बीएसएफ को रोकें। दिसंबर में पश्चिम बंगाल विधानसभा ने बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र का दायरा बढ़ाए जाने के खिलाफ प्रस्ताव भी पास किया था।

अक्टूबर 2021 में केंद्र ने बढ़ा दिया था बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र

पिछले साल अक्टूबर में बीएसएफ एक्ट में बदलाव करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र बढ़ा दिया था। इसके बाद बीएसएफ अधिकारियों को पश्चिम बंगाल, पंजाब और असम में देश की सीमा से लगे 50 किलोमीटर तक के इलाके में तलाशी, गिरफ्तारी और जब्ती की अनुमति मिल गई।

पंजाब और पश्चिम बंगाल ने किया था फैसले का विरोध

इस फैसले से पंजाब में राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। पंजाब में पहले किसी भी कार्रवाई में बीएसएफ स्थानीय पुलिस की मदद से काम करती थी। नए संशोधन के बाद कांग्रेस और अकाली दल ने इसका जोरदार विरोध किया। पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने इसे राज्य के अधिकारों पर हमला बताया था। पंजाब की तरह बंगाल ने भी इस फैसले का विरोध किया था।

देश के 12 राज्यों पर केंद्र सरकार के फैसले का असर

बीएसएफ एक्ट 1968 की धारा 139 (1) के तहत प्रावधानों के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के फैसले का असर देश के 12 राज्यों पर पड़ा। इनमें गुजरात, पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय, केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।

नए कानून से असम, बंगाल और पंजाब ज्यादा प्रभावित

इन 12 राज्यों में से राज्य असम, पश्चिम बंगाल और पंजाब में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गया है। इन राज्यों में पहले बीएसएफ बॉर्डर से 15 किलोमीटर अंदर तक कार्रवाई कर सकती थी। अब वह 50 किलोमीटर तक बिना मजिस्ट्रेट के आदेश या वारंट के कार्रवाई कर सकेगी। केंद्र ने आतंकवाद और सीमा पार से अपराधों पर लगाम लगाने के मकसद से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र बढ़ा दिया है। बीएसएफ अब पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय क्षेत्र के अंदर 50 किमी तक तलाशी अभियान चला सकेगी। साथ ही संदिग्धों को गिरफ्तार करने और संदिग्ध सामग्री को जब्त करने का भी अधिकार होगा। इसके लिए उसे किसी प्रशासनिक अधिकारी से परमिशन लेने की जरूरत नहीं होगी।

पैसों की तंगी के चलते महिला ने की खुदकुशी की कोशिश

लोगों ने बचाया तो अस्पताल ने थमा दिया 4 लाख का बिल

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में सुसाइड की कोशिश में नाकाम होने पर एक महिला के भारी भरकम मेडिकल बिल भरने का एक अनोखा मामला सामने आया है. महिला ने परिवार की आर्थिक हालात से तंग आकर आत्महत्या करने का खौफनाक उठाया था. महिला के परिवार से अब एक प्राइवेट अस्पताल ने उसके इलाज के लिए लगभग 4 लाख रुपये का मेडिकल बिल जमा करने को कहा है. महिला के पिता ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी को 10 दिसंबर को छत के पंखे से लटका पाया. उसके बिस्तर पर एक नोट था, जिसमें लिखा था कि वह अपने परिवार की खराब आर्थिक स्थिति से परेशान है. परिवार ने कुछ पड़ोसियों की मदद से पहले उसे एक सरकारी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज में देरी के कारण वे उसे दक्षिण दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. महिला के पिता ने कहा कि प्राइवेट अस्पताल में भर्ती के समय उन्हें 75,000 रुपये जमा करने के लिए कहा गया , फिर अस्पताल ने 10,000 रुपये और मांगे. पिता ने कहा कि उन्होंने किसी तरह उनके रिश्तेदारों और पड़ोसियों से पैसे उधार लेकर यह रकम चुकाई. अब मेडिकल बिल करीब 4 लाख रुपये आ गया है. वह नहीं जानते कि इसका भुगतान कैसे करेंगे. फिलहाल, महिला अस्पतला में आईसीयू में भर्ती है और उसकी सेहत में सुधार हो रहा है. परिवार ने कहा कि वह होश में है, लेकिन बेहद परेशान है. परिवार ने कहा कि जब वो उसे अस्पताल लेकर आए थे, तो डॉक्टरों ने उनसे कहा था कि अगर वो पांच मिनट भी देर कर देते तो वह बच नहीं पाती. परिवार ने कहा कि वो लोग महिला की जान बचाने और उसका इलाज कराने के लिए बेताब थे और अब परिवार इसका खामियाजा भुगत रहा है. सभी डॉक्टर हमारी बात सुन रहे हैं और उनका कहना है कि वे समझ रहे हैं कि हम क्या कर रहे हैं, लेकिन कोई भी हमें कोई समाधान नहीं दे रहा है. परिवार के पड़ोसी ने कहा कि वह उठती है और डिस्चार्ज होने के लिए रोती है. अस्पताल में हर दिन बिल बढ़ रहा है.

कोई अस्पताल, स्कूल-कॉलेज अलग नहीं चाहते

देश की पहली ट्रांसजेंडर जज जोयिता मंडल ने कहा

इंदौर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पहली ट्रांसजेंडर जज जोयिता मंडल ने शुक्रवार को अपने इंदौर दौरे के दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और विकास पर बात की. जोयिता ने कहा, ट्रांसजेंडर्स को समाज में कानूनी अधिकार दिए गए हैं, लेकिन अभी भी उन्हें वह जगह नहीं मिल पाई है जहां वे कुछ कर सकें. सरकार को और अधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि हमें समानता मिले. यह हमारे प्रति संवेदनशीलता लाएगा. समाज के अन्य लोगों के बीच. "उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ट्रांसजेंडरों को समान अधिकार मिलेंगे,

लेकिन इसके लिए एक बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए. हमारे मानवाधिकार भी आवश्यक हैं. पिछले आठ वर्षों में ट्रांसजेंडरों के लिए कुछ भी नहीं किया गया है. कोई अस्पताल

नहीं, कोई स्कूल या कॉलेज नहीं है. हम इसे अलग से नहीं चाहते हैं, क्योंकि हम फिर से अलग हो जाएंगे, बल्कि जो अस्पताल, स्कूल और कॉलेज बने हैं, उनमें हमारे लिए व्यक्तिगत रूप से व्यवस्था की जानी चाहिए. एक ट्रांसजेंडर और उनके उत्तराधिकारी की शादी पर प्रतिक्रिया देते हुए जज जोयिता ने कहा, उम्र बढ़ने के साथ-साथ एक ट्रांसजेंडर के लिए किसी का सहारा होना आवश्यक है, इसके लिए शादी और साथ ही अपने उत्तराधिकारी के लिए बच्चों को गोद लेना आवश्यक है. ताकि जब मन तनाव में हो और बच्चा आपके साथ हो तो सारा तनाव दूर हो जाए.₹ ट्रांसजेंडरों में साक्षरता की बात करते हुए जज ने कहा, इसके लिए शिक्षा क्षेत्र में फैकल्टी को प्रशिक्षित करना जरूरी है.

अगर ट्रांसजेंडर्स को अच्छा माहौल मिलेगा तो समुदाय आगे बढ़ेगा. मौजूदा हालात में जब ट्रांसजेंडर्स के बाल झड़ने लगेंगे आठवीं कक्षा के बाद बड़े होने पर स्कूल की फैकल्टी उन्हें स्कूल आने से मना करती है. इस डर से वे अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं. कोई भी अपनी मर्जी से पढ़ाई नहीं छोड़ता है. मंडल ने कहा, चाहे चुनाव हो या नौकरी, हर चीज में ट्रांसजेंडरों के लिए आरक्षण होना जरूरी है.

पानीपत में बस से टकराई कारःहादसे में एक युवक की मौत, एक घायल

पानीपत, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा कस्बे में एक निजी बस ड्राइवर की गलती से एक कार का ड्राइवर अपना संतुलन खो बैठा और कार बस में जा टकराई। हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बस का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसे की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात बस ड्राइवर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। समालखा थाना पुलिस को दी शिकायत में सुमित ने बताया कि वह नूरवाला का रहने वाला है। वह ड्राइवरी करता है। बीती रात 2 बजे अपने साथी राजू निवासी नूरवाला के साथ कार में दिल्ली से पानीपत के लिए चले थे।

शिवराज बोले राजीव गांधी के समय पिद्दी देश हमें डराते थे

नाथ ने कहा यह सेना का अपमान, सीएम माफी मांगें

भोपाल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी के चीन को लेकर दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी को 1962 की याद दिलाते हुए कहा कि राजीव गांधी के समय पीद्दी पद्दी देश हमें डराते थे। इस पर पूर्व सीएम और कांग्रेस चीफ कमलनाथ ने पलटवार कर कहा कि सीएम ने भारतीय सेना का अपमान किया। वह सेना से माफी मांगे। राहुल गांधी के चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है और भारत सरकार गहरी नींद में सोई हुई है। इसको लेकर मीडिया के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूछे सवाल पर कहा कि मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि 1962 को भी याद कर लो। तब देश की हालात क्या थी। चीन ने कितने भू-भाग पर कब्जा किया था। सीएम ने कहा कि जब राजीव जी प्रधानमंत्री थे, तब पीद्दी पीद्दी देश हमें डराते थे। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी है। उनके नेतृत्व में एक वैभवशाली, गौरवशाली, संपन्न और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। यदि किसी ने आंख उठाकर हमारे देश की तरफ देखा तो उसे मुंह तोड़ जवाब दिया जाता है। चीन ने देखा था तो उसके सैनिकों की गर्दन तोड़कर वापस उनकी सीमा में फेंक दी थी। उन्होंने राहुल गांधी से कहा कि हमारी सेना का अपमान न करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिर्फ कहा नहीं बल्कि करके भी दिखाया है। हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन कोई छेड़ेगा तो उसे छोड़ेंगे भी नहीं और घर में घुस कर मारेंगे।

कमलनाथ बोले सीएम ने सेना का अपमान किया

पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सीएम शिवराज पर पलटवार किया है। कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के संबंध में जिस अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया है, वह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता है। भारत माता की आन बान शान के लिए अना सर्वस्व निछावर करने वाले राजीव गांधी हमेशा इस देश के आदर्श करेंगे। बेहतर होगा मुख्यमंत्री थोड़ा बहुत इतिहास पढ़ लें। राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में हमारी सेना ने कितने पराक्रम दिखाए यह जगजाहिर है। राजनैतिक विद्वेष के लिए मुख्यमंत्री ना सिर्फ पूर्व प्रधानमंत्री का अपमान कर रहे हैं बल्कि भारतीय सेना का भी अपमान कर रहे हैं। सीएम को भारतीय सेना से माफी मांगनी चाहिए।

इंवेस्टमेंट का झांसा देकर निवेशकों से 27 करोड़ का फ्रॉड, आरोपी बिल्डर पंजाब से गिरफ्तार

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने एक बिल्डर को अपने निवेशकों से 27 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. आरोप है कि बिल्डर ने शहर में उसकी आवासीय परियोजना में निवेश करने की एवज में आकर्षक लाभ का वादा किया था. एक अधिकारी ने शनिवार (17 दिसंबर) को बताया कि आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) ने आरोपी बिल्डर को पंजाब से गिरफ्तार किया है. अधिकारी ने कहा, "वह झूठे वादे कर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के लिए ईओडब्ल्यू में दर्ज तीन मामलों में वांछित था. इन मामलों में उसका बेटा भी आरोपी है जो फिलहाल फरार है." अधिकारी के मुताबिक, 57 वर्षीय एक निवेशक और अन्य ने आरोपी की परियोजना में कुल 19.30 करोड़ रुपये का निवेश किए थे. उन्होंने कहा, "शुरुआत में, शिकायतकर्ता को अपने निवेश किए गए पैसों पर रिटर्न मिला, लेकिन बाद में पिता-पुत्र ने उनसे कहा कि उन्हें नकद रिटर्न के बजाय आवासीय परियोजना में फ्लैट दिए जाएंगे. शहर के सायन चूनाभट्टी इलाके में आवासीय परियोजना का काम किया जा रहा है." कुछ महीने बाद जब बिल्डर ने अपना वादा पूरा नहीं किया तो निवेशकों को शक हुआ कि उन्हें और अन्य को ठग लिया गया है. इसके बाद सांताक्रुज थाने में शिकायत दर्ज कराई गई. अधिकारी ने बताया कि इसके बाद संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया और मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंप दी गई. अधिकारी ने कहा, "जांच के दौरान यह पता चला कि आवास योजना के कुछ और निवेशकों ने पिता-पुत्र के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. इसमें शामिल कुल राशि 27.57 करोड़ रुपये थी." अधिकारी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराए गए थे, जो मुंबई की अलग-अलग अदालतों में लंबित हैं. यह मामले चेक बाउंस से संबंधित हैं.

श्रद्धा मर्डर केस में आफताब को कोर्ट से झटका, 22 को होगी बेल पर सुनवाई

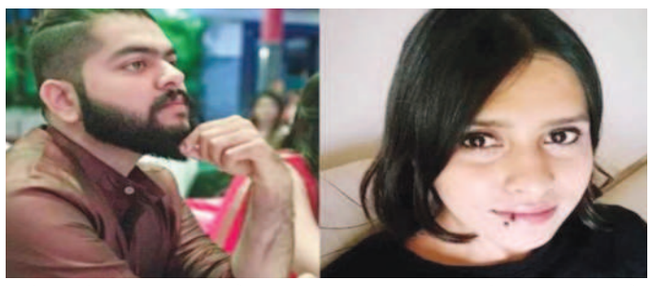

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वालकर की गला घोंटकर हत्या करने और उसके शव के टुकड़े करने के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने शनिवार को दिल्ली की अदालत को बताया कि उसने 'वकालतनामा' पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन उसे यह जानकारी नहीं थी कि उसकी ओर से जमानत याचिका दायर की जाएगी. आफताब अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वृंदा कुमारी की अदालत के सामने वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुआ था. न्यायाधीश द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या वह जमानत याचिका वापस लेना चाहता है, पूनावाला ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि वकील मुझसे बात करें और फिर उसने जमानत याचिका वापस ले ली.' न्यायाधीश ने कहा कि जमानत याचिका लंबित रहेगी और जब आरोपी वकील से मिल लेगा, तभी यह फैसला होगा कि जमानत याचिका पेश की जाएगी या नहीं. अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 दिसंबर की तारीख तय की है.

पंजाब में पूर्व सीएम चन्नी की इस योजना को पूरा करेगी मान सरकार, दिए निर्देश

चंडीगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में हर व्यक्ति को अपने घर का अधिकार देने और घर नाम करने के लिए पंजाब सरकार एक योजना चला रही है जिसके तहत लाल डोरा के तहत आने वाली जमीनों पर बने घरों का अधिकार दिया जा रहा है. पंजाब के पूर्व सीएम चन्नी के कार्यकाल में शुरू की गई इस योजना को लेकर अब भगवंत मान सरकार में मुख्य सचिव विजय कुमार जंजुआ ने अधिकारियों को मेरा घर मेरे नाम योजना के अंतर्गत चल रहे कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं. इस दौरान जानकारी देते हुए कहा गया कि राज्य के 4200 से अधिक गांवों में ड्रोन मैपिंग का काम मुकम्मल हो चुका है और बाकी गांवों में भी काम चल रहा है. जबकि इस योजना में कुल 127000 गांवों में मौजूद लाल डोरा की जमीनों पर बने मकानों या संपत्ति का अधिकार देने का काम किया जाएगा.

बहुचर्चित अंकिता भंडारी मर्डर केस

100 गवाहों के बयान और 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल करेगी एसआईटी

देहरादून, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड के मामले में जांच टीम (एसआईटी) चार्जशीट दाखिल करने जा रही है. एसआईटी ने मामले की चार्जशीट को पीओ ऑफिस भेजा, जो सम्भवतः सोमवार को दाखिल की जाएगी. एडीजी लॉ एंड ऑर्डर भी मुर्गेशन ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 500 पन्नों की चार्जशीट में 100 गवाहों के बयानों को दर्ज किया गया है. उन्होंने बताया कि पूरे मामले में एसआईटी को तीन मोबाइल मिले थे, जिनमें से एक मोबाइल आरोपी अंकित और एक सौरभ और एक मोबाइल अंकिता था. मोबाइलों भी परीक्षण के लिए चंडीगढ़ लैब भेजा गया था, जिसकी जांच रिपोर्ट भी चार्जशीट में शामिल है. हालांकि, आजतक जांच टीम को अंकिता और आरोपी पुलकित का दूसरा मोबाइल नहीं मिल पाया है. एडीजी ने बताया कि पूरे मामले की जांच हो चुकी है. हालांकि, बाकी जांची जारी रहेगी और एसआईटी अपना काम करती रहेगी.

कुछ सुराग जुटाना बाकी

डीआईजी लॉ एंड ऑर्डर पी. रेणुका देवी की निगरानी में एसआईटी जांच कर रही है. उनका कहना है कि सभी साक्ष्यों को कलेक्ट कर लिया गया है, फिलहाल अभी इस पूरे मामले में कुछ साक्ष्य बाकी है, जिनकी जांच की जा रही हैं और कोर्ट से नार्को की परमिशन मिलने के बाद उसकी रिपोर्ट बनाकर एडिशनल चार्जशीट दाखिल की जाएगी. आरोपियों के खिलाफ 302, 201, 120 बी, 354 के साथ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल होगा.

गुजरात में शराबबंदी को केन्द्रीय मंत्री ने दिखाया आईना, फग्गन सिंह बोले

गुजरात में शराब पर प्रतिबंध फिर भी सबसे ज्यादा दारू पी रहे लोग

भोपाल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र में शराबबंदी की मांग को लेकर पूर्व सीएम उमा भारती सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। 17 जनवरी के बाद उमा ने सरकार को आर-पार की लड़ाई की चेतावनी दी है। उमा और शिवराज सरकार के बीच शराबबंदी को लेकर बढ़ती खींचतान के बीच केन्द्रीय मंत्री और मंडला से भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने बड़ा बयान दिया है। कुलस्ते ने भोपाल के वाल्मी परिसर में नेहरू युवा केन्द्र द्वारा आयोजित 14 वें जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम कार्यक्रम में कहा- अमरकंटक में नर्मदा के किनारे मप्र सरकार ने शराब पर प्रतिबंध लगा दिया। एक आदमी ने मुझसे कहा कि गुजरात में शराब पर प्रतिबंध है, लेकिन सबसे ज्यादा दारू पीने वाले लोग गुजरात में हैं। कौन रहता है वहां? उद्योग, धंधे मेहनत करने वाले लोग, मजदूर क्या करें। अब कहां से आता-जाता है ये बाद का विषय है। एक आदमी ने कहा कि ये लोग चोरी से बहुत करते हैं। सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया। ऐसा ही हमारे शिवराज जी ने बहुत अच्छा काम किया है। इसके लिए

हमको वातावरण बनाने के लिए हमारे समाज में इसके लिए बहुत कमी है। मैं ये दुराग्रह से नहीं बल्कि मन से बोलता हूं । काम उनके पास है नहीं। खेती बाड़ी करने के बाद शाम को घर में थोड़ा बहुत मौज-मस्ती की या उत्साह से कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं। कुछ अपनी संस्कृति मिलना-जुलना जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करते हैं। मैं नौजवान बच्चों से कहूंगा कि गांव में जो थोड़ी बहुत बुराईयां हैं , उनको छोड़कर हम एक अच्छे माहौल में अपनी परंपरा को आगे बढ़ाएंगे तो 21वीं सदी में भारत के विश्व गुरु बनने वाली स्थिति में हम पहुंच जाएंगे।

पीएम मोदी आज के विवेकानंद

कुलस्ते ने कहा कि जैसे स्वामी विवेकानंद का नाम नरेन्द्र था वैसे ही आज लोग नरेन्द्र मोदी को विवेक कहते हैं। वास्तव में मोदी आज का विवेकानंद है। कई बार लोग भाषा, बोली, माहौल का उपयोग जरूर करते हैं। गरीब आदमी से एक बडे. आदमी की शिक्षा, आवास, रहन-सहन, आवागमन की चिंता नरेन्द्र मोदी ने की है। आज दुनिया के लोग भारत की तरफ देख रहे हैं।

जिससे नागालैंड की जनता और सरकार परेशान उनके चीफ ने मेरे पैर छुए

केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यक्रम में कहा- मेरे पास कल नागालैंड के रोमू आए थे। नागा पीपुल्स फ्रंट एक पार्टी है। उनसे सरकार और उस राज्य के लोग परेशान हैं। नागा पीपुल्स फ्रंट के चीफ मेरे पास आए थे। मुझे बड़ा अजीब लगा कि मेरे एक आदमी ने मेरे पैर छुए तो उसने भी मेरे पैर छू लिए। कभी ये सोच नहीं सकते। वो भी ट्रायबल था। जो लोग मुख्यधारा से बाहर हैं उनसे सरकार भी परेशान है। उनके साथ कई प्रकार के समझौते हुए लेकिन वो मूलधारा से जुडे. नहीं। लेकिन जब कल वो मुझसे मिलने के लिए आए तो उन्होंने कई सुझाव दिए मैंने उन्हें भी समझाया। मेरे कहने का मतलब ये है कि इस प्रकार के लोग पूरे देश में जुड रहे हैं।

नक्सल प्रभावित 5 राज्यों के 200 आदिवासी युवा पहुंचे भोपाल

कार्यक्रम में देश भर से 5 राज्यों के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से 250 से अधिक चयनित युवा भाग ले रहे हैं। यह दूसरा मौका है कि जब भोपाल में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शुभम चौहान ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र संगठन प्रतिवर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से युवाओं का चयन कर गृह मंत्रालय के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा राज्य के 250 जनजातीय युवा भागीदारी कर रहें है।

जनजातीय समाज का इतिहास गौरवशाली- कुलस्ते

मुख्य अतिथि केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी जानते हैं कि जनजातीय समाज लोक परंपराओं व अपनी विशेषताओं के लिए जाना जाता है, मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर जनजातीय क्षेत्रों के युवा इस आदान-प्रदान कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। यह एक सार्थक पहल है। इस कार्यक्रम से युवाओं को नये आयाम मिलेंगे । मध्यप्रदेश में विविध, समृद्ध व गौरवशाली जनजातीय विरासत है, जिसका न केवल संरक्षण व संवर्द्धन किया जा रहा है बल्कि जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास और जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिये लगातार काम किए जा रहे हैं। भारत को अपनी भव्य और विराट जनजातीय विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है, उन्होंने कहा कि जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम इसके लिए एक अवसर और माध्यम बनेगा।

जनजातीय समुदाय की संस्कृति व लोक कलाओं को उच्च शिखर पर संस्थापित करने व उनके संवर्द्धन हेतु इस तरह के प्रयास सराहनीय हैं। देश की आजादी में जनजातीय नायको का योगदान अविस्मरणीय है, मध्य प्रदेश के अनेक क्रांतिकारियों ने भारत को आजाद कराने में सर्वस्व निछावर किया है, ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को अपने गुमनाम नायकों को याद करना चाहिए । जनजातीय समाज हमेशा से ही प्रकृति पूजक रहा है, यही कारण है कि वे जल, जंगल जमीन के रक्षक हैं। नई शिक्षा नीति के माध्यम से जनजातीय भाषाओं को भी प्राथमिकता दी गई है।

हाकी के महानायक : मेजर ध्यान चंद

अतुल कुमार

विश्व कप फुटबाल में कई दिलचस्प क्षण और उतार चढाव देखने मिले । पहाड जैसे विशाल खिलाडी को धराशायी हो नम आंखों से मैदान छोडते हुए । उनकी अकड भी एक्स्पोस हुई । ज़िंदगी में कितने भी बडे हों यदि अच्छे संस्कार ,सरलता और सादगी नहीं हैं तो सब फिज़ूल हैं इसे देख फिर साबित हुआ कि घमंडी बर्ताव कैसे एक महान खिलाडी को अर्श से फर्श पर ले आता है । दुनिया के सबसे पसंदीदा खेलों में फुट्बाल पहले नंबर पर है जिसे 200 देशों द्वारा खेला जाता है फिर भी इसे ले जो उदासीनता हमारे यहां है वह हैरानी भरी चिंता पैदा करता है । यह खेल उम्मीद माफिक नहीं पनपा । ऐसा क्यों ? स्कूल कालेज को खेलों की नर्सरी कहा जाता है । लेकिन इस नर्सरी की आज क्या हालत है किसी से छिपी नहीं है । यह तब है जब स्कूल कालेजों की भरमार है । फिर भी ? शिक्षा और खेल को अविभाज्य माना गया ।इनमें खेल को नदारद सा कर दिया गया । केवल फार्मालिटी भर ! सोचिये ! इनमें से विश्व खिलाडी बनते तो उस शिक्षण संस्थान की कितनी ख्याति ,नाम और प्रतिष्ठा होती ! क्या कभी शिक्षण संस्थानों के संचालकों ने इस ओर सोचा ? वास्तव में शिक्षा को केवल जाब ओरीयंटेड बनाने के चक्कर में बहुत कुछ छूट गया ।

उक्त परिदृश्य में देश के महान हाकी खिलाडी ध्यान चंद की याद हो आयी उन्हें गोल करने का एक्स्पर्ट माना जाता । टूर्नामेंट खत्म होने के बाद विपक्षी टीमें उनकी हाकी की स्टिक को तोड देखतीं कि उसमें ऐसा कौन सा चुंबक लगा है कि गोलों की झडी लगा वह अपोनेंट टीमों को सकते में डालते ! यह वह दौर था जब खेलों को ले आज की तरह कोई कोच ,स्पांसर, लाजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रकचर नहीं थे सिर्फ डेडीकेशन डेटरमिनेशन और सेल्फ मोटिवेशन से खेल के धुरंधर पैदा होते । हाकी के महान खिलाडी ध्यान चंद इसकी बेहतरीन मिसाल थे ।उनकी ग्रेटनेस को इसी से समझा जा सकता है कि ।ओलंपिक में लगातार तीन बार स्वर्ण पदक दिलवाया ।(1928 ,1932 और 1936) यह वह समय था जब हाकी की टीमों में भारत की टीम प्रमुख मानी जाती ।

उनको ले एक वीरोचित प्रसंग है बर्लिन ओलंपिक में उनके शानदार खेल प्रदर्शन को देख दुनिया के सबसे बडे तानाशाहों में शुमार रुडोल्फ हिटलर ने अगले दिन उनको अपने घर डिनर पर बुलाया और कहा जर्मनी की हार को बर्दाश्त करना मेरे लिये मुश्किल हो रहा है इस हार में तुम्हारी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी। तुम ऐसा करो आगे से हाकी जर्मनी की ओर से खेलो हम तुम्हें सेना में ऊंचा पद देने की पेशकश करते हैं । उस वक्त हिटलर के असर और रुतबे से लोगों में खौफ छाया होता ।उसे ना करने की हिम्मत कोई नहीं दिखा सकता था, हिटलर ने आगे कहा हम तुम्हारे खेल से बहुत प्रभावित हैं कल मैदान पर तुम्हारे प्रदर्शन ने हमें इंप्रेस किया लेकिन मैं जर्मनी को हारता नहीं देख सकता था इसलिये दर्शक दीर्घा से उठ चला आया ध्यान चंद ने हिटलर की बातों और प्रलोभनों को सुन कुछ देर सोच कहा "जो हो महाशय ! मैं अपने वतन की ओर सी ही खेलूंगा जिस पर मुझे गर्व है " हिटलर ध्यान चंद का जवाब सुन सन्न हो एकटक देखता रहा गया ।।।

प्रसंग बताता है कि ध्यान चंद कितने बडे देश प्रेमी और खिलाडी थे ।खेलों के इतिहास में ध्यान चंद का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। अपने खेल और समर्पण से जिस ऐयिहासिक गाथा को लिखा वह अफसाना बना । ध्यान चंद को फुट्बाल में पेले और क्रिकेट में डान ब्रैडमैन के समकक्ष माना जाता है ।मैदान में जब भी उनकी हाकी उठती तो विपक्षी टीमें बिखर जातीं ।गोल करने की अद्भुत कला के धनी थे ।प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पृथ्वी राज कपूर ध्यान चंद के बडे फैन थे ।एक बार मुंबई में हो रहे मैच को देखने अपने दोस्त नामी गायक कुंदन लाल सहगल को साथ ले गये ।

जब हाफ टाइम तक कोई गोल

नहीं हुआ तो सहगल ने ध्यान चंद से कहा ताज्जुब है कि आधे समय तक एक भी गोल नहीं हुआ तब उन्होंने सहगल से पूछा कि क्या हम जितने गोल मारें उतने गाने सुनाएंगे ? झट से उन्होंने हामी भरी , तब दूसरे हाफ में 12 गोल दाग धूम मचा दी ।मैच खत्म हुआ और बात आयी गयी समझ ध्यान चंद ने कुछ नहीं कहा ।

अगले दिन टीम जहां ठहरी थी वहां सहगल पहुंचे और उनको बारह नहीं चौदह गाने सुनाए और सभी खिलाडियों को घडी भेंट की ।उस दौर में घडी का होना बडी बात मानी जाती। रिकार्डों के अनुसार ध्यान चंद ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1926 से 1949 तक 185 मैचों में 570 गोल किये ।घरेलू मैचों में 1000 से ऊपर गोल उनके नाम दर्ज हैं ।

बी बी सी ने अमेरिकी बाक्सर मुहम्मद अली की तुलना ध्यान चंद से की थी ।उनका असली नाम ध्यान सिंह था लेकिन हाकी के लिये उनका जुनून इस कदर था कि रात में चांद की रौशनी में हाकी का अभ्यास करते जिस कारण उनके नाम के पीछे दोस्तों ने चंद जोड दिया ।

तब से इसी नाम से विश्व विख्यात हुए । लंदन में एक हाकी पिच का नाम ध्यान चंद रखा गया ।खेल में उनकी इतनी महारत थी कि दुनिया में जब भी हाकी का ज़िक्र होता तो बडे आदर से उनका नाम लिया जाता ।यह रिवाज़ अब भी है ।खेल जो हो ,खिलाडी आज भी उनको अपना आदर्श मानते है ।

ध्यान चंद ने अपने ड्रिबलिंग कौशल और गेंद पर नियंत्रण के लिये शोहरत हासिल की यही वजह है कि उन्हें खेल का जादूगर कहा गया यूरोपीय लोगों ने ड्रिबलिंग की कला भारतीय हाकी खिलाडियों से सीखी उनका जन्म 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद में हुआ उनके पिता समेश्वर सिंह ब्रिटिश सेना में थे और उसकी ओर से हाकी खेलते थे ।तब ध्यान चंद की हाकी में कोई दिलचस्पी नहीं थी और वह पहलवानी को पसंद करते ।पहलवान बनना चाहते पिता की सलाह मान हाकी की स्टिक को थामा ।एक दिन पेड पर चड मज़बूत लकडी तोडी और उसे स्टिक बनाया और फटे पुराने कपडों से गेंद बना खेलने लगे ।

उनके साथ खेले खिलाडियों के अनुसार वह उनकी मज़बूत कलाइयों और ड्रिबलिंग के कायल थे। उनकी असली प्रतिभा उनके दिमाग में थी उस ढंग से हाकी के मैदान को देख सकते थे जैसे शतरंज का खिलाडी चेस बोर्ड को देखता है। बिना देखे ही उनको पता होता कि मैदान के किस हिस्से में उनकी टीम के खिलाडी तथा प्रतिद्वंदी मूव कर रहे हैं किसी खिलाडी की संपूर्णता का अंदाज़ा इसी बात से होता है कि वो आंखों पर पट्टी बांध कर भी मैदान की ज्योमेट्री को समझे इसमें माहिर थे ।जब हर कोई सोचता कि वह शाट लेने जा रहे हैं वो गेंद को पास कर देते।

उनके इस मूव से सभी भौंचक्के रह जाते जब इस तरह का पास देते तो ज़ाहिर है आप उसे हर हाल में गोल में डालना चाहते ! खेल को अपने हिसाब से मोड देते और उनके इशारों पर खेल होता ।उनकी नेतृत्व क्षमता का कोई जवाब नहीं था । हर खिलाडी का मनोबल बडा उसे आगे करते ।

सन 1936 में बर्लिन ओलंपिक फाइनल में जर्मनी के खिलाफ भारत हाफ टाइम तक सिर्फ एक गोल से आगे था इसके बाद ध्यान चंद ने अपने स्पाइक वाले जूते , पैताबे उतारे और नंगे पांव खेलने लगे इसके बाद गोलों की झडी लग गयी ।छह गोल खाने के बाद जर्मन रफ हाकी खेलने लगे उनके गोल कीपर की हाकी ध्यान चंद के मुंह पर इतनी ज़ोर से लगी कि उनका दांत टूट गया उपचार के तुरंत बाद ठीक हो कहा खेल में ऐसा होता है । इतने बडे दिल वाले थे कि गोल कीपर से जा हाथ मिलाया और आगे का खेल खेला ।भारत ने जर्मनी को 8- 1 से हराया । कई बार अकेले ही विपक्षी टीमों को हरा देते ।उनकी बनी प्रतिमाओं में उनके चार हाथ तथा सभी हाथों में स्टिक बनाई गयी जिसका मतलब होता है बहुत फुर्तीले और कई लोगों का काम अकेले करने वाले।

हाकी के प्रति उनकी दीवानगी ने उन्हें लीजेंड्री बनाया ।मैदान के किसी भी कोने से गोल करने में उनका कोई सानी नहीं था । शिक्षा झांसी में हुई ।सिर्फ 16 वर्ष की आयु में उन्हें भारतीय सेना में शामिल कर लिया गया ।22 साल के हाकी कैरीयर में अपने खेल से दुनिया को हैरान किया लोग उन्हें हाकी के अजूबे के रूप में देखते ।जो वह थे । किस हद तक अपने खेल का लोहा मनवाया होगा इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी मूर्ती लगायी गयी ।अपनी आत्मकथा का शीर्षक भी " गोल " रखा ।उनकी जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है ।3 दिसंबर 1979 को इस करिश्माई खिलाडी ने दुनिया को अलविदा कहा ।

अपने खेल कौशल से सिद्ध किया कि इतिहास कैसे लिखा जाता है और उसे सुनहरे अक्षरों में लिख गये जो अमिट और अमर है । हाकी के वह महानायक थे हैं और रहेंगे ।

काव्य कुंज

वक्त

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जिंदगी तेरा कोई पता नहीं
रास्ते में कब शाम हो जाए
अंधेरा इस कदर बढेकि, रास्ते में रात तमाम हो जाए
जाने वक्त कब तुझसे, बेईमान हो जाए
जिंदगी तेरा कोई पता नहीं
जाने कितने बर्बर बादशाह आए
जो दौलत और शोहरत को, जुर्म एआम करते थे
खुद को खुदा का भेजा हुआ, आदम करार करते थे
जाने वक्त नकब उनको, यहां दफन कर दिया
जाने वक्त कब तुझसे, बेईमान हो जाए
सोने की बग्गी में बैठा आदमी,अपना पैर जमीन पर नहीं
सर आसमान में रखना चाहता है
जिस गुरबत में गरीबों के साथ
जिया था सब भूल जाता है, अपने गुणगान के इतिहास की
नई इबारत लिखना चाहता है,कौन जाने वक्त तुझसे
कब बेईमान हो जाए,तेरा कमाया हुआ धन दौलत
यहां पड़ा रह जाए, जाने कब वक्त तुझसे
बेईमान हो जाए ।।

अंतर्मन को संवारते जा।

-डॉ. माधवी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

जाने वाले को बार-बार रोका नहीं करते,
अकेले जीने से डरा नहीं करते,
टूट गया जो बर्तन टूटना था,
टूटे हुए बर्तन को भरा नहीं करते।
जाने दो जो आपका है नहीं,
वक्त पर मिलेगा जो आपके लिए है सही,
माना बहुत वक्त निकल चुका है,
पर विश्वास बाकी अभी हे कहीं।
क्यों किसी की राह को रोके हम,
क्यों समझे खुद को कम, हर चीज बस में होती नहीं,
क्यों रखना किसी बात का वहम।
खुद को समझने में वक्त तो लगता है,
अपनों से जुदा होने का दर्द
कोई अपना समझता है,
धैर्य के साथ स्वयं का धीरज बांधों
किसी भी दर्द को जाने में थोड़ा वक्त तो लगता है।
तू निडर बन, तू लहर बन,आगे बढ़ और गदर बन,
अपनी लड़ाई कभी-कभी होती है खुद से,
अपनी कमजोरियों को हटाकर
एक नया सफर बन।
जीवन में आना जाना लगा रहता है,
हर वक्त तुमसे बस यही कहता है,
आगे बढ़ तू चलता जा,अपनी कमजोरियों को हटाकर
सवरता जा,अपनी कमजोरियों को हटाकर सवरता जा।

दो पाटों के बीच

जिंदगी से आँख मिलाकर
आँख चुराना कितना मुश्किल होता है ?
भीड़ में भीड़ का हिस्सा बनकर अकेले होना
या अकेले होते हुए भीड़ में शामिल होना
कितना मुश्किल होता है?
कितना मुश्किल होता है,
यूँ सिर्फ़ साँसों के सहारे जीवन बिताना
दिल को थामना
यूँ यादों के सहारे जीना
पल पल मरना कितना मुश्किल होता है ?
कितना मुश्किल होता है,
यूँ मजबूरन जिंदगी से
अश्कों को पीना। दूर होकर
यूँ तुम्हारी आँखों में बस कर
तुम्हारे पास न होना,
यूँ अपनी आँखों से
नम होकर भी आँसू न बहाना।
कितना मुश्किल होता है?
सचमुच आँखों में झिलमिला रहे,
ख़्वाब को हक़ीक़त में बदलना
कितना मुश्किल होता है ?

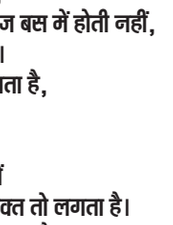

डॉ सुलभा कोरे,
मुंबई

कहें किसे हालात

प्रियंका सौरभ

आओ कर ले साथियो,ऐसा भी कुछ काम।
ढले वतन की राह में,इस जीवन की शाम।।
प्यार जमाने से करे,कर ले अच्छे काम।
बांटे सबको रौशनी,इस जीवन की शाम।।
छुपी हार में जीत है,समझे ये पैगाम।
देकर नई आस ढले,इस जीवन की शाम।।
कोयल कूके डाल पर,भूले पीर तमाम।
हर पतझर मधुमास हो ,इस जीवन की शाम।।
बारिश के संग है खिला,धूप भरा आकाश
देख जमाना हो गया,मौसम भी बदमाश।
चातक मन ने है किया,साथी यूँ उपवास ।
बिन तेरे बुझती नही,अब सौरभ की प्यास।।
व्याकुल बैठा सोचता,मेरे मन का मोर ।
उमड़ी मुझ पर थी घटा,गई कौन-सी ओर ।।
छुट्टी पर चंदा गया,तड़प रही है रात ।
बढ़ती जाये वेदना,कहे किसे हालात ।।

कतरा

डॉ. डी. डी. देसाई

लिखना हैं तुझे....
तो मेरा आसमान दे दूँ।
काट के मेरी
ऊँगली इसे कलम बना दूँ ।
अधूरा न रहे कहीं...
तेरा कोई सपना..
लिखो.. मेरे लहू का एक एक कतरा तुझे दे दूँ।
मुस्कुराहट के पीछे का दर्द लिखना ,
पालकों मे छिपे आँसूओं का कर्ज लिखना।
भटक रही हैं ख्वाहिशें मेरी.. दर बदर,
कहीं तुम इनका पुख्ता इंतजाम लिखना।
सुख न जाए कहीं ऊँगली की कलम,
करदे ताज़ा जख्म...तुझे मैं खंजर दे दूँ।
लिख लेना अपना भाग्य.... मनमुताबिक,
मेरे लहू का एक एक कतरा तुझे दे दूँ।
सदियों से दफ़न सीने मे.. सुकून लिखना,
टूटते रिश्तों की तुम वजह जरुर लिखना।
यादों की लपेटों मे सुलगती नींद लिखना,
दरमियाँ हम दोनों के तुम दूरियाँ कम लिखना।
तेरे आँसूओं के पीछे का दर्द दे दे मुझे,
अपनी खुशियों से भरी जिंदगी नोछावर कर दूँ।
जी लेना मेरे हिस्से की भी सांसे तुम आज,
मेरी धड़कन का एक एक कतरा तुझे दे दूँ।

मंगल संदेश

कुमुद बाला,
हैदराबाद

खिली रहे सबके अधरों पे मुस्कान
, बस इसकी मुझे तलाश है।
रहे रागिनी अमर पपीहे की ,
कहता हमसे लाल पलाश है।
रहें आपस में मिलजुल कर ,
जैसे बढ़ती है अमरबेल
जीवन की आँखमिचौली का ,
लेकिन है बस इतना खेल
दुःख - दर्द सभी के एक हैं जब ,
क्यों दूरी अपनों में बढ़े
समझ नहीं आता जग में , क्यों पक रही वैमनस्य की भेल
यह दुनिया इतनी सुंदर, जहाँ सूर्य-चंद्रमा-तारों का प्रकाश है
खिली रहे सबके अधरों पे मुस्कान, बस इसकी मुझे तलाश है।
रहे रागिनी अमर पपीहे की, कहता हमसे लाल पलाश है।
जब दीपक सच्चाई का जलता है , नहीं रहता अंधकार
प्रकृति-धरती-वृक्ष और नदियों के प्रति, बदलें हम व्यवहार
दें हम अगर सम्मान तो मिटेगा, अज्ञानता का अनुस्वार
करेंहर जीव-जंतुओं से प्यार, यही मानवता की मनुहार
यह संदेश अक्षरशः सत्य , सर्वत्र गुंजित हो रहा धरती - आकाश है
खिली रहे सबके अधरों पे मुस्कान , बस इसकी मुझे तलाश है।
रहे रागिनी अमर पपीहे की , कहता हमसे लाल पलाश है।
अपने पूर्वजों से सीखें हम , संस्कार - सभ्यता औ संस्कृति
हर धर्म हमारा परमो धर्मः , सजा ज्योति गायें आरती
उड़ान भरेंगे पंछी औ बढ़ेगी , शिक्षा घर को सँवारती
तब होगी प्रदूषण मुक्त धरा , सब कहेंगे जय-जय भारती
सीखें प्रस्तर कला की बारीकियाँ , मन में आयेगी तराश है
खिली रहे सबके अधरों पे मुस्कान , बस इसकी मुझे तलाश है।
रहे रागिनी अमर पपीहे की , कहता सबसे लाल पलाश है।

कलम का भाव

संजय कुमार श्रीवास्तव
लखीमपुर खीरी

कलम दुख-दर्द लिखती है ,
कलम सुख गम भी लिखती है
कलम ही प्रेम की गाथा ,
बिना रुक रुक के लिखती है ।
लिखावट आपकी जैसा ,
उसे प्रयोग करते हो
कलम उतना ही लिखती है ,
जितना तुम लेख लिखते हो
कलम श्रृंगार लिखती है, कलम अंगार लिखती है
मिटे जो देश के खातिर, नमन सौ बार लिखती है
कलम का भाव तो देखो , यह सब का भाव लिखती है
बिना रुस्वत किये लोगों का ,अक्सर प्यार लिखती है
कलम कवियों को, ऐसा प्यार देती है
लिखे जिस भाव से, उसे वह भाव देती है
कलम की बदौलत से, मिला है प्यार कवियों को
कलम की बदौलत से मिला, सम्मान कवियों को।

छोड़ो टकराहटें..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

थक गए हैं, बस और नहीं, मिल बैठते हैं आज
चार दिन की जिंदगी,सलामती से जीते हैं आज
84 लाख यातनाएं झेली,आए मातलोक में
छोड़ो टकराहटें,ले हाथ में हाथ टहलते हैं आज
कुर्सी का खेल है इतना निराला मान्यवर
आड़ी तिरछी लकीरों से फंदे बुनते हैं आज
आधी तज सारी को धावे,आधी रहे न सारी..
अनजान अगर, स्वयं के गड्ढों में धसते हैं आज
अव्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के..बंदे
छोड़ो आदर्श...न जीते न जीने देते हैं आज
इक डूबती धड़कन की सदा लोग न सुन ले
बजने दो शहनाई ज़रा.., बावरे रहते हैं आज
मुंगेरी लाल के सपने हसीन तो लगते हैं बंधु
संभले तो ठीक,किनारे के लिए तरसते हैं आज
किसी को दुःख देना तो इतना सोचकर देना
किसी की आह लगी तो झुलसते हैं आज
जिधर से गुजरों, साँप सीढ़ी विद्यालय...
सभ्यता..मुल्यों को जीवित कुचलते हैं आज
एक ही आलमारी में पड़ी हैं गीता कुरान..
सोचें,क्योंकर एक छत तले सुलगते हैं आज।

राष्ट्र भक्ति की परिभाषा

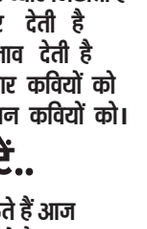

श्री कमलेश झा,
दिल्ली

राष्ट्र भक्ति की परिभाषा साहब
मैं कैसे बतला सकता हूँ।
मैं तो बस अदना सा
आदमी परिभाषित कैसे कर सकता हूँ।।
अगर जानना राष्ट्रभक्ति
तो पूछो उन माता से आप।
जिनके बच्चे हिम शिखर पर
डटे खड़े हैं सीना ताने आप।।
उस पत्नी से जाकर पूछो जिनके पति हुए शहीद।
दिल पर उनके क्या है गुजरी देखकर तिरंगे में लिपटे शरीर।।
जाकर पूछो उस किसान से जो तपा रहे अपने को आप।
जठराग्नि की ज्वाला में जल रहे बच्चो के साथ ।।
राष्ट्र भक्ति जानना हो तो कभी पूछना सड़क किनारे सोए बच्चे से आप।
क्या उसने भी डाला दाना अपने जलती क्षुधा में आज।।
एक बार जरूर हीं पूछना खद्दर बाले ठेकेदार से आप।
राष्ट्रभक्ति का थोथा वादा जो जनता से करता है आज ।।
उससे उसके बलिदान को पूछना और पूछना उनके भूख।
मक्कारी और लूट को पूछना क्या राष्ट्रभक्ति का यही है रूप ??
हम तो बस आम जन है देश भक्ति को क्या जाने ।
नियम और निष्ठा का पालन करना हीं तो हम जानें।
परिभाषा बेसक अलग अलग हो पर राष्ट्र हित की हो केवल बात ।
राष्ट्र विरोधी हर गतिविधि पर अपनी हो बस नजर हीं खास।।

लोकतंत्र का नाक होना

डॉ. संतोष पटेल
नई दिल्ली

वे लगे हैं अपनी नाक बचाने में
नाक को एवरेस्ट बना रखा है उन्होंने
नाक कट गई यदि तो महाप्रलय आ जाएगा
इसलिए नाक को बचाने में लग गए हैं वे
बताते हैं अपने को महान और उत्कृष्ट
मानो शेष भारत हो तुच्छ और निकृष्ट
बस नाक बची रहे,जनता जाए भाड़ में।
उन्होंने भी नाक बचाने में जान लगा दी
बना दिया है नाक को सामाजिक न्याय का स्तम्भ
झोंक दी है पूरी ताकत इस स्तंभ को बचाने में
ताकि अपने से बाहर ना जाए कुछ भी कहीं
सामाजिक न्याय की यही पुकार
घुमाफिरा कर बस अपना परिवार वारे न्यारे
मानो दूसरे लोग हो केवल और केवल नक्कारे
बस नाक बची रहे, जनता जाए भाड़ में।
उन्होंने भी लगा दी है पूरी ताक़त नाक बचाने में
बना रखा है नाक को विज्ञापन का होर्डिंग
जिसका एकमात्र मकसद अपने को ईमानदार बताना
कहना है कि उनकी नाक बचेगी तब
कूड़े का पहाड़ हटेगा जब
बेशक बन जाएं समाज के सारे कूड़े जन प्रतिनिधि
और दूसरे लोग तो हैं ही बेकार उनके लिए
बस नाक बची रहे,जनता जाए भाड़ में।
सिमट कर लोकतंत्र हो रहा है नाक
लोक से दूर होता हुआ व्यक्ति पर केंद्रित
चुनाव अब नाक की लड़ाई है मुट्ठी भर लोगों की
और इस नाक को बचाने में
लगा दी जाता है समस्त तंत्र को
क्योंकि अब लोकतंत्र टिक गया है त्रिकोण पर
जिसका परिणाम है केवल बस
व्यक्तिवाद, परिवारवाद और उपराष्ट्रवाद ।

सुख दुःख

टी तारासिंह
हैदराबाद

दुःख दर्द ही जिंदगी है तो
खुशी कब ओर कैसे मिलती
ठोकर लगीं तो दुःख दर्द से रोता
दर्द से तिलमिलाता आंसू पोछता
किस्मत को बार बार कोसता
जिंदगी एक पेड़ जो धूप छाँव झेलती
सुख में पत्तियाँ टहनियाँ हरी भरी रहती
दुःख में पेड जरजर सूखा सूखा रहता
पत्तियाँ पिली होती सूखकर गिर जाती
सबके नसीब में बराबर आते सुख दुःख
इंसान अपनी चाहते पूरी हुए तो हसता
उपर वाला बिन मांगे दिया तो भी हसता
जिंदगी उलझी है तो उसे सुलझा लेता
दुःख आये तो हसकर उसका सामना करता
वक़्त के साथ चलकर कामयाब होता
हसता रहता ओरो को भी हसता रहता ।।

तुम्हारे रज को अपने सर का हम ताज़ कर देंगे

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

कभी आकर बैठ हमारे भी इयोढ़ी पर
हर मुद्दे पर चर्चे
हम भी सर-ए-आम करेंगे.
जो कभी हो जाये
तुम्हे हमसे कोई शिकायत
एक करके जमीं-आसमां
हम पूरी हर आरजू करेंगे.
जो होगी चाहत
तुम्हे बहार-ए-गुलिस्तां की
हम कदमो में लाकर तुम्हारी ये जहां रख देंगे.
न पर सके ग़म की कोई छाया भी तुम पर
तुम्हारे लिए हम खुद की खुशियाँ कुर्बान कर देंगे.
जो करोगे ख्वाहिश चाँद उतरे तुम्हारे आंगन में
हम आसमा का महताब तुम्हारी हथेली पर रख देंगे.
कभी फुरसत हो तो थोड़ा मुस्का देना तुम
तुम्हारी एक अदा पर खुद को निसार कर देंगे.

स्वीकार कर लो बस एक बार मेरी मोहब्बत को
तुम्हारे रज को अपने सर का हम ताज़ कर देंगे.

सृष्टि में

के.एल. प्रभाकर प्राण

सृष्टि में प्रकृति से बढ़कर है नहीं कोई सुंदरता
आत्मीयता से बढ़कर है नहीं कोई बंधन
दया, उपकार से बढ़कर है नहीं कोई धन
मानवता से बढ़कर है नहीं कोई सुगंध
हित से बढ़कर है नहीं कोई धर्म
दौलत से बढ़कर है नहीं कोई भूख
भलाई से बढ़कर है नहीं कोई रंग उजाला
ईर्ष्या से बढ़कर है नहीं कोई रंग काला
अहं से बढ़कर है नहीं कोई अज्ञान
सृष्टि से बढ़कर है नहीं कोई ज्ञान
गमन से बढ़कर है नहीं कोई लक्ष्य
आत्मा से बढ़कर है नहीं कोई साक्षी।

देश के रक्षक

गजानन पाण्डेय

मेरे देश के रक्षक तुम्हें शत - शत नमन है ।
बर्फीली चोटियों पर
तुम अडिग, अचल खडे हो
हर तूफान को सहते हो
शत्रुओं पर हर वार करते हो ।
तुम्हें फर्ज याद रहता है
देश सर्वोपरि होता है ।
हमें एहसानमंद रहना है
उन पर विश्वास रखना है
सैनिकों के शौर्य पर सबको नाज करना है ।
देश को एक रखना है मिलकर साथ चलना है ।

ज़रूरत नहीं

रेणुका अग्रवाल

किसी से कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है।
और कुछ भी सहने की ज़रूरत नहीं है।
ख़त्म हुई जिम्मेदारियाँ अपनी अपनी
वक़्त के साथ बहने की ज़रूरत नहीं है।
बार बार कई बार मर-मर कर जिये हम
रिश्तों के लिए मरने की ज़रूरत नहीं है।
समाज क्या कहेगा ऐसा मत सोचिये अब
आज किसी से भी डरने की ज़रूरत नहीं है।
तेरी फ़ितरत ही तेरा सिंगार है ये सब जानते हैं
तुझे किसी गहने की ज़रूरत नहीं है।
अपना हक मांगने में लिहाज मत करना कभी
बेकार लड़ने करने की ज़रूरत नहीं है।
लेन देन है यहाँ सब पूरा होने वाला
इस क़दर बिखरने की ज़रूरत नहीं है।
ख़ामोशी की दुआ में बड़ा ज़ोर है रेणु
किसी पर बरसने की जरुरत नहीं है।
नज़रों से बात करना सीख लो अब रेणु
जुबाँ से बोलने की ज़रूरत नहीं है।

कोरे काग़ज़ पे हस्ताक्षर

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

कोरे काग़ज़ पे हस्ताक्षर
मौत का फरमान न बन जाए।
कोरे काग़ज़ पे हस्ताक्षर,
जिंदगी की शाम न बन जाए।।
स्वार्थी,मतलबी दुनिया स्वयं स्वार्थवश लिखवाना चाहे।
कोरे काग़ज़ हस्ताक्षर कर, घर फूंक तमाशा न बन जाए।।
दशरथ ने कैकयी को दिया वर स्वरूप कोरा काग़ज़।
परिणाम स्वरूप 14 वर्ष राम सीते सहित वनवास पाए।।
जिंदगी बने पहेली,गर कर दिए,कोरे काग़ज़ पे हस्ताक्षर।
निर्णय नहीं स्वयं के हस्ताक्षर से जिंदगी भर पछताए ।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

कानून के डर से चली गई 77 जानें?

जहरीली शराब से 77 मौत..। क्या इसका कोई इलाज नहीं था? इन्हें क्यों नहीं बचाया जा सका? क्या शराब के नाम पर ये जहर पी गए थे? इन सबके जवाब के पहले जान लेते हैं अस्पताल में पहुंचने वाले पहले मरीज कृणाल सिंह की मौत की कहानी।

कृणाल सिंह की उम्र 38 साल। 12 दिसंबर की शाम 5 बजे काम से लौटते समय शराब पी। घर पहुंचते ही बेचैनी बढ़ी साथ ही पेट में जलन भी। पत्नी को जैसे ही पता चला कि शराब पी है, उल्टी कराने के लिए नमक का घोल दिया। पर उल्टी नहीं हुई। घर में रखी कुछ दवाएं भी दी, पर कोई फायदा नहीं हुआ। 13 दिसंबर का पूरा दिन और 14 दिसंबर की शाम तक घरेलू इलाज करते रहे। कृणाल जब बेहोश होने लगा तो पत्नी की चिंता बढ़ी। शाम 5 बजे वह मशरख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। डॉक्टरों ने कहा- ऑक्सीजन सेचुरेशन कम हो गया है। बीपी बहुत ज्यादा है। उसे सलाइन चढ़ाया गया। आधे घंटे बाद ही कृणाल की सांसें उखड़ गईं। मरने वालों ने 12 दिसंबर की रात शराब पी थी। 48 घंटे बाद पहली मौत होती है। जिन 77 की मौत हुई, यदि उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाते तो ज्यादातर जिंदा होते। शुरुआत के सबसे जरूरी 12 घंटे घरवालों ने बर्बाद कर दिए। कारण- पुलिस का डर 2 हजार से 5 हजार रुपए जुर्माना देना पड़ेगा। एफआईआर भी दर्ज हो सकती थी अलग से।

बस इसी जुर्माने और एफआईआर के डर से किसी का पिता तो किसी की पत्नी या बेटा घरेलू इलाज करते रहे। नमक का घोल पिलाकर उल्टी कराई तो किसी को साबुन का घोल दिया गया। तबीयत और बिगड़ी, तो गांव के आसपास झोलाछाप डॉक्टर के पास पहुंचे। ऐसा करते-करते 24 घंटे बीत गए। आंखों से दिखना बंद होने लगा और सांसें फूलने लगीं तो घबराए। जिंदगी पर बन आई तो जुर्माना और सजा की परवाह किए बगैर मरीज को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरख पहुंचे तब तक 24 से 48 घंटे बीत चुके थे। अधिकतर की हालत गंभीर थी। डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए और कहा कि छपरा सदर अस्पताल ले जाओ। छपरा 35 किमी दूर है। मरीजों की सांसें उखड़ने लगीं। इस 35 किमी के सफर में ज्यादातर मौत हो गई।

बिहार सरकार ने इस साल मार्च में शराबबंदी कानून में संशोधन किया। शराब पीने वालों के लिए थोड़ी राहत के प्रावधान किए। पहली बार शराब पीने वालों पर 2000 से 5000 रुपए तक का जुर्माना लगाया। दूसरी बार शराब पीते पकड़े जाने पर जेल भेजा जाएगा, इसमें एक साल तक की सजा हो सकती है। शराब के मामलों में पुलिस एफआईआर करती है। अफसरों का भी कहना है कि ऐसे मरीजों से जानकारी ली जाती है कि शराब का सेवन कहां किया और इसका नेटवर्क कैसे चलता है। पुलिस की जांच भी शराब पीने वालों से ही शुरू होती है। इस कारण लोग डरते हैं। जिनकी मौत हुई है, उनमें ज्यादातर दिहाड़ी मजदूरी करने वाले हैं। इनके लिए 2 या 5

हजार रुपए का जुर्माना दे पाना आसान नहीं रहा होगा। रहा होता तो शायद ब्रांडेड शराब पीते। शराब कांड के दौरान पुलिस किस तरह अमानवीय बर्ताव करती है, यह भी लोग देख चुके हैं, इसलिए भी इनमें खौफ था।

बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद कहते हैं- शराबबंदी कानून का लोगों में डर है। पुलिसिया कार्रवाई के डर से ही लोग अस्पताल नहीं गए। अगर पुलिस आगे आती और कानूनी कार्रवाई के साथ इलाज कराती तो इतनी मौत नहीं होती।

शरीर को ऐसे खराब करती है जहरीली शराब

जहरीली शराब से गैस बहुत अधिक बनती है। मरीजों को पेट दर्द के साथ सांस लेने में भी समस्या होने लगती है। शुगर लेवल भी तेजी से बढ़ता है। शुगर और बीपी कंट्रोल करने की दवाएं दी जाती हैं। ऑक्सीजन लेवल पर टॉक्सिन का बड़ा असर होता है। सांस लेने में परेशानी होने पर ऑक्सीजन दी जाती है।

पहले मरीजों को उल्टी कराने का प्रयास किया जाता है। ब्लड प्रेशर और गैस की दवाएं देकर टॉक्सिन का प्रभाव कम किया जाता है। कितनी मात्रा में शरीर में टॉक्सिन है, उस हिसाब से दवाओं की डोज बढ़ती है। सलाइन चढ़ाते हैं ताकि शरीर में पानी की कमी नहीं होने पाए। ऑक्सीजन और शुगर के साथ ब्लड प्रेशर की मॉनिटरिंग करते हैं। जरूरत होने पर ऑक्सीजन दी जाती है।

अगर हार्ट और लिवर के साथ किडनी तक इफेक्ट है तो इसके लिए तय दवाएं दी जाती है। सिम्टेमैटिक ट्रीटमेंट को आगे बढ़ाते है। शरीर के जिस ऑर्गन में समस्या वहां का उपचार किया जाता है। छपरा के मशरख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर गोपाल कृष्ण बताते हैं- मात्रा अधिक है तो मरीजों के लिए शुरुआती 4 घंटे काफी अहम होते हैं। शरीर में जहरीली शराब का टॉक्सिन फैलने में 10 से 12 घंटे लगते हैं। मरीज को वॉमिटिंग कराई जाती है, जिससे खून में फैलने से पहले टॉक्सिन को बाहर निकाला जा सकें।

पहले लिवर फिर हार्ट डैमेज होता है

जहरीली शराब के मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टर्स के अनुसार शराब वाले टॉक्सिन का असर पहले लिवर और दिमाग पर होता है। मिथनॉल की वजह से मेटाबॉलिज्म (पाचन तंत्र) बिगड़ जाता है। इससे शुगर तेजी से बढ़ जाता है। मरीजों का शुगर 300-400 पार हो जाता है। बीपी में तेजी से उतार-चढ़ाव होता है। ऑक्सीजन सेचुरेशन गिरने लगता है। फार्मेल्डिहाइड होने से फॉर्मिक एसिड बनता है। इससे ऑप्टिक न्यूराइटिस से आंखों की रोशनी चली जाती है। दूसरा, खून भी गाढ़ा हो जाता है, इसकी वजह से हार्ट चोक हो जाता है। किडनी भी काम करना बंद कर देती है। कार्डियक अरेस्ट होता है। ऐसी कंडीशन में मरीज को बचाना मुश्किल होता है।

छपरा में हुए पोस्टमार्टम में टॉक्सिन से मौतों के मामले सामने आए हैं। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर संतोष कुमार का कहना है- मरीजों ने इलाज में देरी नहीं की होती तो इतनी मौत नहीं होती। अधिकतर के फॉर्मिक एसिड बढ़े थे। इसकी वजह से मल्टी ऑर्गन फेल हुए हैं। लंग्स और हॉर्ट फेल हो गए।

लिवर की साइज बढ़ी हुई थी और वो सफेद पड़ गया था।

फीजिशियन के अनुसार नशा बढ़ाने के लिए स्पिरिट (मेथनॉल) की मात्रा बढ़ा दी जाती है। साथ ही नशे की गोलियां भी डालते हैं। स्पिरिट ज्यादा होने से शराब जहरीली हो जाती है। सारण के मामले में भी यही हुआ है। शराब में मेथनॉल की मात्रा 15 एमएल से ज्यादा रही होगी। शराब की फैक्ट्रियों में हर स्तर पर तय मानक के अनुसार ही काम्बिनेशन किया जाता है। लैब में जांच होती है, सो अलग।

बाजार में आसानी से मिलता है मेथनॉलः इसका उपयोग पेंट, प्लास्टिक के सामान बनाने में ज्यादातर होता है। पॉलिश में भी इसका यूज होता है। अस्पतालों और बाजार में सप्लाई होने वाले स्पिरिट का रंग नीला रखा जाता है, ताकि मिलावट न हो सके।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ बॉडी बिल्डर भी

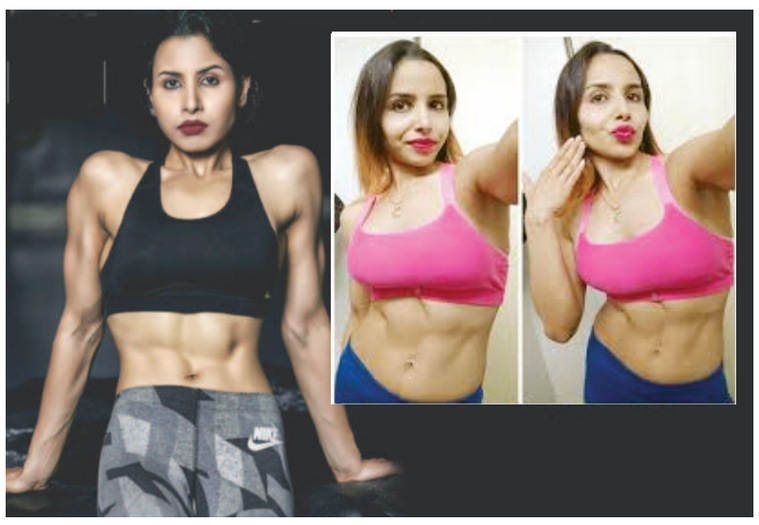

मिस इंडिया बिकनी मॉडल रही, यूपी के रेणुकूट से निकल इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर बनी

मैं अंकिता सिंह। सोशल मीडिया में अंकिता एक्सट्रीम के नाम से जानी जाती हूं। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हूं पर जिम से प्यार है। बॉडी बिल्डिंग करती हूं। लोग पूछते हैं कि नाम में एक्सट्रीम क्यों है। मैं कहती हूं अपनी नेचर की वजह से। कंसिस्टेंसी और हार्ड वर्क से एक्स्ट्रीम लेवल को छुआ जा सकता है और मुझे लगता है कि मैंने ऐसा किया है। मेरा सपना था कि किसी खेल में देश को रिप्रेजेंट करूं और उसमें नंबर वन आऊं, मैं इसमें सफल रही हूं। मेरा जन्म उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के रेणुकूट में हुआ। कंजर्वेटिव फैमिली से रही हूं। उस परिवार से हूं जहां मां बड़े पापा के सामने भी घूंघट डाल कर ही निकलती थीं। सोसाइटी ऐसी थी कि कोई भी ऐसी चीज नहीं की जा सकती थी जिसमें लड़की की वजह से नाक कट जाए। जैसे उत्तर भारत के समाज में बंदिशें रही हैं वहीं हमारे यहां भी थीं।

बनारस में स्पोर्ट्स से हुआ लगाव

रेणुकूट में 10वीं तक पढ़ाई हुई। पढ़ाई को लेकर मेरे यहां काफी सख्ती थी। स्कूल में परफॉर्मेंस कैसा रहा, पढ़ाई कैसी चल रही है इस पर पेरेंट्स का काफी फोकस था। पढ़ाई के अलावा कुछ भी सोच नहीं सकती थी। मैं भी शुरू से पढ़ाई में आगे रही थी। ईमानदारी से कहूं तो जब मैं छोटी थी तब स्पोर्ट्स के प्रति इतना एक्सपोजर नहीं था। 10वीं के बाद जब बनारस गई तो स्पोर्ट्स की ओर मुड़ी। यहां मैंने 12वीं तक पढ़ाई की। वहां मैंने बास्केटबॉल खेलना शुरू किया। फिर मार्शल आर्ट्स भी सीखा। इस तरह पढ़ाई के साथ-साथ स्पोर्ट्स की ओर झुकाव हुआ। अंकिता ने 2008 से जिम करना शुरू किया। तब इसे प्रोफेशनल तरीके से करने के बारे में नहीं सोचा था। लेकिन वो अब वो इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर हैं।

बंदिशों से बाहर आना चाहती थी

मैं किसी भी तरह की बंदिश वाली जगह से बाहर आना चाहती थी। इसलिए मैं यूपी से दूर बेंगलुरु के एक कॉलेज पहुंची। मैंने COMEDK दिया और बेंगलुरु के बेस्ट कॉलेज एमएस रमैया इंस्टीट्यूट के इंफॉर्मेशन साइंस में दाखिला हो गया। वहां मैं पढ़ाई में अच्छी थी।

दोस्त को देख मैंने भी जिम ज्वाइन किया

कॉलेज के हॉस्टल में रहती थी। वहां का खाना मुझे सूट नहीं कर रहा था। मेरा स्वास्थ्य खराब रहने लगा। मैं बीमार पड़ी और मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। जब ठीक हुई तो मेरी दोस्त ने जिम जॉइन करने की सलाह दी। उसने वजन घटाने के लिए जिम जॉइन किया था। तो मैंने भी उसके साथ-साथ सिंपली जिम जॉइन कर लिया। लेकिन धीरे-धीरे मुझे जिम से प्यार हो गया। मैंने सितंबर 2008 में यह शुरू किया और यह अब तक चल रहा है। पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा।

कॉलेज में पढ़ाई में अच्छी थी। यहां मैंने डिस्टिंक्शन के साथ कोर्स पूरा किया। फिर मैंने सॉफ्टवेयर कंपनी जॉइन की। मेरे ऑफिस में जिम था। मैं जिम तो कर ही रही थी। ऑफिस के जिम में लंच टाइम में वर्कआउट करना शुरू किया। ऑफिस का काम चलता रहता था। लेकिन लंच कुछ ही मिनट में निपटा कर फौरन जिम में होती थी। वहां 45 मिनट तक पसीना बहाती थी। ऑफिस के लोगों को भी पता नहीं चलता था। तब तक भी मुझे बॉडी बिल्डिंग के बारे में पता नहीं था। इसी दौरान ऑफिस के जिम में ही एक व्यक्ति से मुलाकात हुई। उन्होंने कहा कि किसी लड़की को उन्होंने इतना वेट उठाते नहीं देखा। उन्होंने मुझे बॉडी बिल्डिंग करने के लिए मोटिवेट किया। और इस तरह 2014 में मेरा नाम कर्नाटक टीम के लिए भेजा गया और मैं सेलेक्ट हो गई। मुझे इंडिया लेवल के कॉम्पीटिशन के लिए भेजा गया।

मैं बॉडी बिल्डिंग कर रही हूं, इस बारे में घरवालों को भनक तक नहीं थी। 2014 में मुंबई में वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक स्पोर्ट्स फेडेरेशन (WBPF) चैंपियनशिप हुई। इसके फिटनेस और एथलेटिक फिजिक केटेगरी में भाग लिया और पांचवें स्थान पर रही। यह खबर मेरे घर तक भी पहुंची और फिर उन्हें पता लगा कि मैं बॉडी बिल्डिंग कर रही हूं। मुझे बिकनी में पोज देता देख काफी नाराज हुए।

पापा ने सालभर तक बात नहीं की

मेरे लिए तब चैंपियनशिप से बड़ी बात यह थी कि बिकनी में मुझे देखकर फैमिली कैसे रिएक्ट करेगी। खैर, पापा बहुत नाराज हुए। एक साल तक मुझसे बात नहीं की। मेरे पापा बहुत शर्मिंदा थे। उन्हें लगा कि बेटी बिकनी में चैंपियनशिप खेल रही है। समाज में उनका नाम खराब हो रहा है। हमारे परिवार का बैकग्राउंड पॉलिटिकल है। पिता मिर्जापुर-सोनभद्र क्षेत्र से एमएलसी रहे। दादा भी एमएलसी रहे। इसलिए भी सोसाइटी में कई तरह की बातें थीं। लेकिन समय के साथ परिवार ने भी बॉडी बिल्डिंग के प्रति मेरे पैशन को समझा। आज जब फिटनेस और बॉडी बिल्डिंग के शोज करती हूं, टीवी और रेडियो पर आती हूं तो पूरी फैमिली मुझ पर गर्व महसूस करती है।

महिलाओं के लिए आजादी

कॉलेज से ग्रेजुएट होने के बाद मुझे परिवार की ओर से किसी तरह का सपोर्ट नहीं मिला। मैं खुद अपने पैरों पर खड़ी थी। इसलिए फायनेंशियली मुझे दिक्कत नहीं थी। मुझे प्रूफ करना था कि मैं इंडिपेंडेंट होकर रह सकती हूं। मैंने यह करके दिखाया।

अंकिता खुद को अंकिता एक्सट्रीम कहलाना पसंद करती हैं। सोशल मीडिया पर वो इसी नाम से हैं। अपने काम के प्रति डेडिकेशन उन्हें पंसद है।

मिस इंडिया बिकनी मॉडल बनी

मुझे 2017-19 तीन साल तक लगातार ब्रांज मेडल मिले। लेकिन मैं खुद से संतुष्ट नहीं थी। मैं यह दिखाना चाहती थी कि एक नेचुरल एथलीट किस तरह लगातार कठिन मेहनत करके कोई भी मंजिल पा सकती है। इसका फल मिला, 2021 में मैंने गोल्ड हासिल किया। ओवरऑल मिस इंडिया टाइटिल बिकनी (मॉडल) केटेगरी में जीती। कई लोगों को मेरे बिकनी पहनने को लेकर परेशानी थी। यह देखकर मैंने बिकनी ब्रांड ही बनाना शुरू किया। आज देश-विदेश में चैंपियनशिप में भाग लेने वाली एथलीट मेरी कंपनी की बनी बिकनी पहनती हैं।

घरों में लड़कियों को कहा जाता है कि भारी सामान न उठाओ। ज्यादा एक्सरसाइज न करो, इससे यूट्रस पर असर पड़ेगा, मां बनने में दिक्कत होगी। शरीर पुरुषों जैसा हो जाएगा। मैंने भी घर में यह सुना है। लेकिन हकीकत यह है कि आप नेचुरल तरीकों से जिम करते हैं या बॉडी बिल्डिंग करते हैं तो कोई असर नहीं पड़ता। फर्क तब पड़ता है जब आप मसल्स बनाने के लिए स्टेरॉयड्स लेते हैं। कई बार प्रोटीन सप्लीमेंट्स को स्टेरॉयड्स समझ लिया जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। सप्लीमेंट्स सप्लीमेंट्स होते हैं। जब शरीर में इसकी जरूरत हो लिए जा सकते हैं। हालांकि यह भी सॉलिड फूड यानी हमारी जो डाइट है उसका स्थान नहीं ले सकते।

अपने बनाए रास्ते पर चलें

मैं आज की लड़कियों को यही कहना चाहती हूं कि इंडिपेंडेंट होना सीखें। खुद का कमाना है, किसी पर निर्भर नहीं रहना है। इसके लिए एजुकेशन बहुत जरूरी है। जो कुछ आप कर रहीं, आपको लगता है वह गलत नहीं है तो अपने बनाए रास्ते पर चलें। बॉडी बिल्डिंग करना चाहती हैं तो बैकअप प्लान भी जरूर रखें। बॉडी बिल्डिंग से पैसे नहीं कमाए जा सकते। इसलिए इसमें आने से पहले आपके पास आय का साधन होना चाहिए। यह हो सकता है कि आपके करीबी ही आपको सपोर्ट न करें। लेकिन आप इससे निराश नहीं हों। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ें, क्योंकि आपके पास एक ही लाइफ है। आप जो भी करो बेस्ट करो। कभी मुड़कर ये न लगे कि टाइम वेस्ट कर दिया।

एक नागरिक संहिता जरूरी क्यों ?

जैसे ही राजस्थान के भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने राज्यसभा में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को प्रस्तुत किया, अल्पसंख्यकवादी सेकुलर-लॉबी सक्रिय हो गई। उनका मकसद स्पष्ट था। वे इस विधेयक और उसके प्रस्तोता दोनों को अमान्य करना चाहते थे।

राष्ट्रीय दैनिकों और पोर्टलों में इस आशय के शीर्षक दिखाई देने लगे कि 'यूसीसी पर राज्यसभा में अराजकता!' या 'भाजपा के राज्यसभा सांसद के कारण विपक्षी बेंचों पर कोलाहल हुआ!' विधेयक में व्यवधान डालने की कोशिशों के बावजूद उसे सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया और 63 सदस्यों ने उसके पक्ष और 23 ने विपक्ष में वोट डाले। कोई भी सजग नागरिक पूछ सकता है कि आखिर इस पर कोलाहल क्यों हुआ? गौर करने वाली बात यह है कि अलग-अलग पर्सनल लॉ ब्रिटिश राज की विरासत हैं। यह उनकी बांटो और राज करो की प्रशासनिक नीति के अनुरूप था। मजे की बात है कि आज गोवा ही इकलौता ऐसा राज्य है, जहां यूसीसी है, जबकि वह पुर्तगाली उपनिवेश था।

स्वतंत्र भारत में यूसीसी लाने की कोशिश की गई थी और इसे प्रधानमंत्री नेहरू और कानून मंत्री आम्बेडकर का समर्थन प्राप्त था। लेकिन इसके बजाय हिंदू कोड बिल लाया गया। संविधान ने सिखों, बौद्धों और जैनों को भी हिंदू की श्रेणी में रखा था। मुस्लिम, ईसाई और पारसी इससे बाहर रखे गए। इसका खामियाजा इन समुदायों की स्त्रियों ने ही सबसे ज्यादा भुगता, जैसा कि बाद में शाहबानो मामले में देखा गया। तीन तलाक का उन्मूलन इसी कड़ी में देरी से किया गया भूलसुधार था। इस साल कई राज्यों में यूसीसी पर फिर से बहस गर्म है। इनमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात और केरल शामिल हैं।

यूसीसी का सबसे कड़ा विरोध ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन या एआईएमआईएम द्वारा किया जा रहा है, जो इसे असंवैधानिक और अल्पसंख्यक-विरोधी बता रहे हैं। तथाकथित सेकुलर आलोचक भी इससे सहमत हैं। जैसी कि उम्मीद की जाती है, विदेशी मीडिया ने भी इस पर अपना रुख जाहिर कर दिया है और इसे देश पर हिंदुत्व थोपने की एक और कोशिश बताया है।

जहां तक विधेयक को प्रस्तुत करने का सवाल है तो हमें याद रखना चाहिए कि यह एक निजी सदस्य बिल था, जिसे किसी राजनीतिक दल का अधिकृत समर्थन नहीं था। वैसे भी प्राइवेट मेम्बर्स बिल आसानी से कानून नहीं बनता है। वह अमूमन लम्बित विधेयकों के ठंडे बस्ते में चला जाता है। विधेयक का विरोध करने वाले पूछ रहे हैं कि किरोड़ी लाल मीणा कौन हैं।

उन्हें बताया जाना चाहिए कि 70 वर्षीय वयोवृद्ध राजनेता न केवल एमबीबीएस हैं, बल्कि अपने राज्य और समुदाय में वे बहुत सम्मानित भी हैं। उन्होंने दूसरी बार यह विधेयक रखने का प्रयास किया है। मार्च 2020 में भी वे एक बार इसकी कोशिश कर चुके थे। राज्यसभा में विधेयक का विरोध करते हुए द्रमुक के तिरुचि शिवा ने कहा कि यह सेकुलरिज्म के विरुद्ध है।

क्या उन्हें नहीं पता कि यूसीसी एक नीति निर्देशक सिद्धांत के रूप में हमारे संविधान का अनुच्छेद 44 है। उसमें कहा गया है कि राज्यसत्ता पूरे भारतीय परिक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुनिश्चित करेगी। यानी संविधान के अनुसार यूसीसी को प्रस्तुत और लागू करना भारतीय गणराज्य का दायित्व है। तो क्या हमारा संविधान ही सेकुलरिज्म के विरुद्ध है?

विधेयक को रोकने के लिए यह भी कहा गया कि इससे देश बंटेगा और उसकी संस्कृति-बहुलता को ठेस पहुंचेगी। तो क्या देश की एकता तभी कायम रहेगी, जब अल्पसंख्यकों के लिए पृथक से नियम होंगे? और क्या भारतीय विविधता का यह अर्थ है कि कानून की नजर में अलग-अलग समुदायों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया जाए?

आखिर विवाह, तलाक, उत्तराधिकार आदि से जुड़े मामलों में सभी धर्मों-समुदायों के लोगों के लिए एक समान कानून में क्या बुराई है? इसका यह मतलब नहीं है कि परम्परागत रीतियां समाप्त हो जाएंगी। इससे इतना ही होगा कि अगर किसी नागरिक को लगता है कि उसके साथ जुल्म हो रहा है तो वह अपने लिए न्याय की तलाश कर सकता है।

नगालैंड, मेघालय, मिजोरम जैसे विशिष्ट क्षेत्रों के स्थानीय नियम-कायदों की तो संविधान खुद ही रक्षा करता है। यह बात अब धीरे धीरे स्पष्ट हो रही है कि यूसीसी का समय आ चुका है।

क्या विविधता का यह अर्थ है कि कानून की नजर में अलग समुदायों के साथ अलग व्यवहार किया जाए? विवाह, तलाक, उत्तराधिकार आदि से जुड़े मामलों में सभी के लिए एक समान कानून में क्या बुराई है?

स्कूली बस्तों में क्या?

हाल ही में आई एक खबर ने सबको चौंकाया। बेंगलुरु के एक स्कूल में प्रिंसिपल को शिकायत मिली कि बच्चे बैग में मोबाइल फोन छिपाकर ला रहे हैं। बैग चेक करवाए तो सबकी आंखें फटी रह गईं। 8वीं, 9वीं और 10वीं क्लास के स्टूडेंट्स के बैग में कंडोम, गर्भ निरोधक गोलियां, लाइटर, सिगरेट, व्हाइटनर जैसी चीजें निकलीं। पानी की बोतलों में शराब थी। कुछ स्कूलों ने पेरंट्स को स्कूल बुलाया और उनसे बात की। ज्यादातर ने कहा कि बच्चों के साथ बैठकर बात करेंगे। इससे ज्यादा वे बोल भी नहीं सकते थे। आखिर उनसे किसी ने पूछा भी नहीं होगा कि अब तक वे बात नहीं कर रहे थे क्या !

आपको हैरानी हो सकती है कि मुझे इस खबर पर कोई हैरानी नहीं हुई। इसलिए कि ये नई बात नहीं है। 2004 में दिल्ली के एक स्कूल में हुआ एमएमएस कांड सबको याद होगा। मोबाइल फोन में कैमरा और ब्लूटूथ आने लगे थे। स्कूली बच्चों के बीच क्या चल रहा था, यह कैमरे में आ गया था। आप कहेंगे कि मोबाइल फोन आने से बच्चों पर खराब असर पड़ने लगा। ऐसा भी नहीं हैं। उससे पीछे चलते हैं। मैं अपनी आठवीं क्लास की बात करता हूं। 1995-96 के आसपास वीसीआर का चलन था। हम छोटे शहरों के बच्चे दो तीन महीने में एक बार केवल तभी वीसीआर पर फिल्म देख पाते थे, जब कोई किराए पर इसे लाता था। लेकिन दिल्ली में तब घर में वीसीआर/वीसीपी रखे जाने लगे थे। मैं कभी छुट्टियों में आता था तो मेरी उम्र के ही बच्चों के पास ऐसा कुछ देख लेता था कि झुरझुरी छूट जाती थी। जैसे एक बार मुझे पता चला कि यहां तो 8वीं 9वीं क्लास के बच्चे अडल्ट या पोर्न फिल्मों की विडियो कैसेट तक अपने बैग में लेकर स्कूल चले जाते हैं। ये कैसेट साइज में एक किताब जितनी बड़ी होती हैं, उसके बावजूद उनको इसे बैग में रखते घबराहट नहीं होती थी। स्कूल में ये एक्स्चेंज की जाती थीं।

यह बताने का मकसद केवल इतना है कि इस उम्र में बच्चों की जिज्ञासाएं क्या होती हैं। हो सकता है अब वे और कम उम्र में आने लगी हों। लेकिन आप सोचिए कि समस्या का पता होने के बाद भी हमारी शिक्षा प्रणाली और पेरंट्स के बच्चों के साथ व्यवहार में क्या बदलाव आया है।

क्या इन दोनों में से किसी ने इस समस्या पर कोई खास कदम उठाया? सेक्स एजुकेशन पर कोई बात होती है तो विरोध के स्वर पहले सुनाई देने लगते हैं। बच्चों के मनोविज्ञान से जुड़ी समस्याओं पर कोई खुलकर बात नहीं करता। आप कितने स्कूलों में ऐसे काउंसलर देखते हैं जिनके पास जाकर बच्चे बिना डर और झिझक के अपनी समस्या शेयर कर सकें। और तो और, पेरंट्स खुद कितना बच्चों से इन मामलों पर बात करते हैं? बिल्ली को देखकर कबूतर आंख बंद कर लेगा तो खतरा टल जाएगा क्या?

नये वर्ष के पहले दिन करें इन मंदिरों के दर्शन, साल भर रहेगी सुख-समृद्धि

सिद्धि विनायक मंदिर, मुंबई

मुंबई का सिद्धिविनायक मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। यहां भी भक्तों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन साल के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। बहुतों का अनुभव है कि बप्पा के द्वार पर आने वाले कभी खाली हाथ नहीं जाते। सिद्धिविनायक भगवान गणेश का सबसे लोकप्रिय रूप माना जाता है। माना जाता है कि सिद्धिविनायक मंदिर के दर्शन करने से विपत्तियां दूर होती हैं।

बांके बिहारी मंदिर, मथुरा

श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में ठाकुर श्री बांके बिहारी का मंदिर है। नववर्ष सुख-समृद्धि से भरा रहे, यही कामना करते हुए कृष्ण रूपी श्री बांके बिहारीजी के दर्शन करने के लिए भक्त बड़ी संख्या में यहां एकत्रित होते हैं। कहा जाता है कि बांके बिहारी की पवित्र भूमि पर आने वाला हर व्यक्ति पाप से मुक्त हो जाता है। वृंदावन का बांके बिहारी मंदिर रहस्य से भरा हुआ है। माना जाता है कि बांके बिहारीजी की मूर्ति में इतना आकर्षण होता है कि लोग उन्हें देखते ही उनकी ओर आकर्षित हो जाते हैं। भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन होकर भक्त अपनी चेतना खो देता है।

महाकाल मंदिर उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर को महाकाल नगरी के नाम से जाना जाता है। यह देवाधिदेव महादेव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जिसे महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। नए साल का स्वागत करने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां महाकाल के दर्शन करने आते हैं। प्रतिदिन की भस्म आरती आकर्षण का केंद्र होती है। मान्यता है कि बाबा महाकाल के दर्शन से सुख-समृद्धि आती है।

सालासर बालाजी हनुमान मंदिर, राजस्थान

सालासर बालाजी मंदिर राजस्थान के चूरू जिले के सालासर गांव के हजारों लोगों के लिए पूजा का स्थान है। दाढ़ी और मूंछ वाले भगवान हनुमान की एक मूर्ति है। बालाजी मंदिर में आने वाले भक्तों की हर समस्या का समाधान होता है। संकटमोचन हनुमान अपने भक्तों के सारे संकट दूर करते हैं।

श्री पार्श्वनाथ जयंती आज

भगवान पार्श्वनाथ से जुड़ी कुछ विशेष बातें

निर्मला बैद

जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए, जिनमें 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान का जन्म 22वें तीर्थंकर अरिष्टनेमि के करीब 1000 सालों के बाद 872 ईसा पूर्व में पौष कृष्ण दशमी को विशाखा नक्षत्र में काशी में इक्ष्वाकु वंश मे हुआ था। इनकी माता का नाम वामदेवी तथा पिता का नाम अश्वसेन था। माता जी ने अपने गर्भकाल में स्वप्न में एक बार फणधारी सर्प देखा था, इस कारण बालक का नाम पार्श्व रखा। महावीर स्वामी के जन्म के करीब 250 वर्ष पूर्व श्री पार्श्वनाथ का आविर्भाव एक युगान्तकारी घटना है। जैन आगम ग्रन्थों में तीर्थंकर पार्श्वनाथ के नौ जन्मों का स्पष्ट उल्लेख है। पहले जन्म में मरुभूमि नामक ब्राह्मण, दूसरे मे वज्रघोष नामक हाथी, तीसरे में स्वर्ग के देवता, चौथे में रश्मिवेग नामक राजा, पांचवें में देव, छठे में वज्रनाभि नामक चक्रवर्ती सम्राट, सातवें में देवता आठवें में आनन्द नामक राजा और नौवें जन्म में इंद्र बनने के बाद दसवें जन्म में पूर्व जन्मों के संचित पुण्य फल के उपरात इन्हें तीर्थंकर बनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ।

श्री पार्श्वनाथ का वर्ण नीला, जबकि चिह्न सर्प है। इनके यक्ष का नाम पार्श्व व यक्षिणी को पद्मावती के नाम से जाना जाता है। श्री पार्श्व ने पौष माह की कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि को वाराणसी में जैनेश्वरी दीक्षा प्राप्त की और उसके दो दिन बाद पायस का प्रथम पारणा किया। मात्र 30 वर्ष की अवस्था में सांसारिक मोहमाया का त्याग कर संन्यासी हो गए और फिर 83 दिन की कठोर तपस्या के बाद 84वें दिन कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया।

करीब 100 वर्ष की अवस्था में सम्मेद शिखर के ऊंचे शिखर खंड पर आप 772 ईसा पूर्व में श्रावण कृष्ण अष्टमी के दिन निर्वाण को प्राप्त हुए, जहां पूर्व काल में कुल 19 तीर्थंकरों को निर्वाण लाभ की प्राप्ति हुई थी। इनके निर्वाण तीर्थ स्मारक को यहां 'टोंक' कहा जाता है ।

भगवान पार्श्वनाथ के गणधरों की संख्या 10 थी। इनमें आर्यदत्त स्वामी प्रथम गणधर हुए। श्री पार्श्वनाथ ने ही जैन धर्म के पंच मुख्य व्रत की शिक्षा दी, जिनमें सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य आते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि उनके समय में अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य का समावेश एक ही व्रत में होता था।

श्री पार्श्वनाथ ने ही चतुर्विध संघ की स्थापना की, जिनमें मुनि, आर्यिका, श्रावक व श्राविका होते हैं। आज भी जैन समाज में यही परम्परा कायम है। उनके चातुर्याम धर्म का उल्लेख बौद्ध साहित्य 'त्रिपिटक' में है। भगवान पार्श्वनाथ जैन धर्म को जन-जन के बीच लोकप्रिय बनाकर ऐसा महती कार्य कर गए, जिसकी आभा आज भी जीवंत है।

इस दिन भगवान विष्णु और लक्ष्मीजी के साथ तुलसी पूजा से मिलता है व्रत का पूरा फल

पौष मास की पहली एकादशी कल

19 दिसंबर, सोमवार को पौष महीने की पहली एकादशी है। इसे सफला एकादशी कहा जाता है। कृष्ण पक्ष में आने वाली इस एकादशी का जिक्र महाभारत, पद्म, विष्णु और स्कंद पुराण में हुआ है। इस व्रत में भगवान विष्णु के साथ लक्ष्मी जी की पूजा करनी चाहिए। साथ ही तुलसी पूजा करने का भी विधान बताया है। ऐसा करने से व्रत का पूरा फल मिलता है।

पौष मास की एकादशी होने से इस दिन उगते हुए सूरज की पूजा करने का विधान है। पौष महीने के स्वामी नारायण हैं। ये भगवान विष्णु का ही एक नाम है। इसलिए इस व्रत में नारायण रूप में भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए।

पुरी के ज्योतिषाचार्य और धर्म ग्रंथों के जानकार डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि एकादशी पर व्रत-उपवास के साथ भगवान विष्णु की विशेष पूजा करने की परंपरा है। इस दिन विष्णु जी की पूजा किसी भी रूप में कर सकते हैं। इनमें शालग्राम पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। दस अवतारों की भी पूजा कर सकते हैं। एकादशी पर तुलसी पूजा करने से मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी की पूजा

इस एकादशी पर सुबह और शाम, दोनों समय भगवान विष्णु-लक्ष्मी जी की पूजा करनी चाहिए। पूजा में पहले देवी लक्ष्मी फिर विष्णु जी का अभिषेक करना चाहिए। शंख में पानी और दूध भरकर अभिषेक करें। इसके बाद पंचामृत और शुद्ध जल से नहलाएं। फिर चंदन, अक्षत और फल-फूल सहित पूजन सामग्री अर्पित करें। धूप-दीप जलाएं। पूजा के बाद विष्णु जी को तुलसी पत्र जरूर चढ़ाएं।

तुलसी-शालग्राम पूजन

तुलसी-शालग्राम को शुद्ध जल चढ़ाएं। फिर चंदन, अक्षत, मौली, वस्त्र, हार-फूल सहित अन्य पूजन सामग्री चढ़ाएं। धूप-दीप दर्शन करवाएं। मौसमी फल और मिठाई का नैवेद्य लगाएं। इसके बाद प्रणाम करें।

सूर्योदय के बाद और सूर्यास्त के पहले तुलसी के पौधे में जल चढ़ाकर प्रणाम करना चाहिए। इसके बाद गमले के पास घी का दीपक लगाएं। फिर परिक्रमा करें। इस बात का खास ध्यान रखें कि सूर्यास्त होने के बाद तुलसी को न छूएं करें। गमले में तुलसी के पास भगवान शालग्राम की मूर्ति भी रखनी चाहिए।

गया में पितरों को मोक्ष दिलाने पहुंचे पिंडदानी, खरमास में श्राद्ध करने का महत्व

आज से बिहार के गया में मिनी पितृपक्ष मेला की शुरुआत हो रही है। आपको बता दें कि इस समय खरमास चल रहा है। जी दरअसल खरमास 14 दिसंबर से शुरू हुआ है और यह 14 जनवरी तक रहेगा, यानि धनु संक्रांति से मकर संक्रांति तक। वहीं इस दौर को मिनी पितृपक्ष भी कहा जाता है। आपको बता दें कि खरमास में पिंडदान करने का विशेष महत्व है। इस वजह से गयाधाम में पिंडदानियों की संख्या काफी बढ़ गयी है। आपको बता दें कि अपने पितरों को मोक्ष दिलाने के लिए दूसरे राज्यों से लोग गया में श्राद्ध करने पहुंचे है।

आज यानी 17 दिसंबर के दिन विष्णुपद इलाका तीर्थयात्रियों की भीड़ से गुलजार हो गया है। गया में जम्मू-कश्मीर, हिमालय, यूपी, एमपी, राजस्थान और महाराष्ट्र से पिंडदानी पहुंचे हुए है। आपको बता दें कि पौष माह शुरू हो गया है। इस मास में गयाजी में पिंडदान का अलग महत्व है। आपको यह भी जानकारी दे दें कि पौष मास में मिनी पितृपक्ष मेला के दौरान गयाजी लाखों लोग श्राद्ध करने पहुंचते है। इस बार इस मिनी पितृपक्ष मेले में करीब ढाई लाख से अधिक पिंडदानियों के आने की उम्मीद है।

श्री विष्णु के इन मन्त्रों के जाप से दूर होगा हर कष्ट जी हाँ और मिनी पितृपक्ष मेले में एक और तीन दिन का पिंडदान का कर्मकांड करने को अधिकांश पिंडदानी आते हैं। आपको यह भी जानकारी दे दें कि गया में वर्तमान में पिंडदान के लिए 53 वेदियां मौजूद हैं, जो कि गयाजी के पंचकोशी क्षेत्र में स्थित हैं। इसमें प्रमुख वेदियों में विष्णुपद, देवघाट, प्रेतशिला, अक्षयवट, रामशिला, सीता कुंड समेत अन्य वेदियां हैं। गया में पिंडदान करने से मृतक की आत्मा को स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

शास्त्रानुसार गया में भगवान विष्णु हमेशा ही निवास करते हैं। फल्गु नदी के जल में भगवान विष्णु का वास होता है। ऐसा माना जाता है कि फल्गु नदी के जल और बालू से बने पिंड का दान करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

'बेशर्म रंग' के विवाद के बीच दीपिका पादुकोण कतर पहुंची

'बेशर्म रंग' को लेकर महाराष्ट्र में नेता जहां क्रोधित है वहीं इंदौर में जमकर फिल्म के खिलाफ पुतले जलाए जा रहे हैं. पूरे देश में बॉलीवुड जगत से दीपिका के पक्ष में कई लोग खड़े हुए और पठान को लेकर जारी कॉन्ट्रोवर्सी का खंडन भी किया. ऐसे में लग रहा है कि दीपिका अब देश में रहने के मूड में नहीं है.

दीपिका चलीं कतर

सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो से दीपिका पादुकोण के कतर जाने का पता लगा. बता दें कि कतर में हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप ऑर्गेनाइज किया जा रहा है. फीफा का फाइनल 18 दिसंबर 2022 को फ्रांस और अर्जेंटिना के बीच होने जा रहा है.बता दें कि इस दौरे में दीपिका पादुकोण अकेली नहीं होंगी. उनका साथ देने के लिए बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान भी होंगे. दोनों मिलकर फीफा में अपनी अपकमिंग फिल्म पठान की प्रमोशन करने वाले हैं. वीडियो में मीडिया पर्सन दीपिका से मैसी का ऑटोग्राफ लाने के लिए भी कहते हैं और दीपिका मुस्कुरा कर वहां से चल देती हैं. 'पठान' के कई पोस्टर रिलीज करने के बाद पहला गाना बेशर्म रंग रिलीज किया गया. इस एरोटिक, बोल्ड गाने में दीपिका ने भांति भांति की बिकनी पहनी थी ऐसे में उनके ऑरेंज कलर की बिकनी को लेकर विवाद जारी है. भगवा रंग की इस बिकनी ने कई लोगों की रातों की नींद उड़ा रखी है.

पठान मूवी के हक में उतरी दिव्या दत्ता

एक्ट्रेस बोलीं- लोग बॉलीवुड को सपोर्ट करें, लेकिन हर चीज का मुद्दा बनाना सही बात नहीं

विवादों में चल रही बॉलीवुड मूवी पठान को लेकर हिमाचल पहुंची एक्ट्रेस दिव्या दत्ता ने बड़ा बयान दिया है। एक समाचार पत्र से बातचीत में बॉलीवुड स्टार ने कहा कि हर मूवी को मुद्दा बनाना सही बात नहीं है। जनता को पहले फिल्म देखनी चाहिए, उसके बाद अपनी राय देना उचित है।

एक्ट्रेस ने कहा कि जिस हिसाब से बॉलीवुड फिल्मों का बायकॉट किया जा रहा है, उससे इंडस्ट्री को घाटा हो रहा है। अगर इसी तरह ऑडियंस फिल्मों का बहिष्कार करेगी तो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री कैसे चलेगी। फिल्मों के बायकॉट का अब ट्रेंड-सा बन गया है। एक फिल्म को बनाने के लिए कई महीनों की मेहनत लगती है। जनता को इस बारे में भी सोचना चाहिए।

फिल्म की दुनिया अलग है

दिव्या दत्ता ने दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान का पक्ष लेते हुए कहा कि फिल्म को मुद्दा बनाने की जगह एंजॉय करना ज्यादा बेहतर है, क्योंकि फिल्म की दुनिया अलग है। फिल्म को फिल्म की तरह ही देखना चाहिए। ऑडियंस को अच्छी कहानी और मूवी की परख है। वह खुद फैसला लेगी कि मूवी देखनी चाहिए या उसका बायकॉट करना सही कदम है।

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान को लेकर चल रहे विवाद में एक्ट्रेस स्वरा ने ट्वीट के जरिए सत्ताधारी नेताओं पर निशाना साधा है।

हिमाचल के कलाकारों को लेकर कही बड़ी बात

दिव्या दत्ता ने हिमाचल से बॉलीवुड में जा रहे कलाकारों को लेकर कहा कि टैलेंट को किसी के सामने झुकने की जरूरत नहीं होती, बल्कि वह अपनी मंजिल और रास्ता खुद बनाते हैं। पिछले कुछ सालों से हिमाचल के कलाकार बॉलीवुड में आ रहे हैं, जिन्हें इंडस्ट्री सपोर्ट कर रही है और भरपूर स्नेह दे रही है।

अपने वेब शो के लिए शिमला आई एक्ट्रेस

बॉलीवुड स्टार दिव्या दत्ता वेब शो की शूटिंग के लिए 4 दिन से राजधानी में हैं। शूटिंग से वक्त निकालकर गेयटी थियेटर में मुशायरा प्रोग्राम में भाग लिया और अमृता प्रीतम की कविता 'मैं तेनु फिर मिलांगी' को पढ़ा। बता दें कि दिव्या दत्ता इससे पहले भी एक बार करण जौहर की मूवी की शूटिंग के लिए शिमला आई थीं।

सोनू सूद एक बार फिर बने गरीबों के मसीहा

ऑस्टियोआर्थराइटिस बीमारी से जूझ रहे लोगों का कराएंगे इलाज

एक्टर सोनू सूद ने एक बार फिर जरूरतमंदों की मदद करने का फैसला लिया है। दरअसल उनके चैरिटी संस्थान 'सूद चैरिटी फाउंडेशन ने घुटने की बीमारी से पीड़ित रोगियों की मदद करने के लिए 'कदम बढ़ाए जा' अभियान शुरू किया है, जिसके तहत वो ऑस्टियोआर्थराइटिस बीमारी से जूझ रहे मरीजों का इलाज कराने में उनकी मदद करेंगे।

अभियान के लॉन्च के मौके पर सोनू ने मीडिया से कहा- 50 साल की उम्र के बाद से ऑस्टियोआर्थराइटिस बीमारी लोगों के बीच बेहद कॉमन हो जाती है। गंभीर मामलों में रोगी को दर्द से राहत देने के लिए टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत होती है। जिसे सभी लोग अफोर्ड नहीं कर सकते हैं, इसलिए सूद चैरिटी फाउंडेशन की मुहिम के जरिए हम ऐसे जरूरतमंद मरीजों को मदद पहुंचाने की कोशिश करेंगे, जिससे उनकी जिंदगी पहले जैसी हो सके। सोनू आगे कहते हैं कहते हैं जब मैं अपने बच्चों को चलना सिखाने वाले वरिष्ठ नागरिकों को खुद चलने में असमर्थ देखता हूं तो मुझे बहुत तकलीफ होती है। मुझे यह समझ नहीं आता कि लोग अपने माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता क्यों नहीं करते हैं। हमारा समाज बुजुर्गों के लिए क्यों कुछ भी नहीं करता है। मैं इस अभियान के साथ इस अंतर को खत्म करना चाहता हूं। मैं नहीं चाहता कि कोई बुजुर्ग इलाज करवाने में अक्षम हो।'

सूद चैरिटी फाउंडेशन का दावा है कि उनकी इस मुहीम के तहत टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता वाले रोगियों की मुफ्त सर्जरी कराई जाएगी, सभी ऑपरेशन मुंबई में होंगे।

कजिन की सगाई में जमकर नाचीं शनाया कपूर

ट्रेडिशनल आउटफिट में दिखीं गॉर्जियस

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही धर्मा प्रोडक्शन के तहत बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। इस बीच शनाया के एक वीडियो सामने आया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। शनाया की मां और एक्ट्रेस महीप कपूर ने हालही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इंगेजमेंट फंक्शन की झलक शेयर की थी। संजय कपूर ढोल पर डांस करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान शनाया ने भी जमकर डांस किया और अपने डैडी को कड़ी टक्कर देती हुई नजर आईं। लुक की बात करें तो अपने कजिन भाई की इंगेजमेंट पार्टी में उन्होंने ऑफ शोल्डर ब्लाउज के साथ सीक्वेंस साड़ी पहनी थी। जिसमें वो काफी खूबसूरत लग रही हैं। अब इस वीडियो को सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

कृति सेनन ने फिर बिखेरे हुस्न के जलवे, इतनी छोटी सी टाइट ड्रेस में कराया फोटोशूट

कृति सेनन अपने नए लुक से एक बार फिर से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने की कोशिश करती हैं. कृति सेनन ने अपनी हर फिल्म में साबित किया है कि वह किसी भी किरदार को बखूबी पर्दे पर उतार सकती हैं. दर्शकों से भी उन्हें खूब प्यार मिला है. कम ही ऐसा हुआ है जब कृति को पर्दे पर पसंद न किया गया हो. वैसे, अपनी फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस लुक्स की वजह से भी काफी चर्चा में रहती हैं. कृति अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर भी जुड़ी रहती हैं. ऐसे में उनके इंस्टाग्राम पेज पर उनके लुक्स की झलक भी देखने को मिलती रहती हैं. अब फिर से कृति ने फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं. लेटेस्ट फोटोशूट में एक्ट्रेस शॉर्ट और टाइट बन पीस पहने हुए नजर आ रही हैं. कृति ने अपने इस लुक को न्यूड मेकअप और ओपन हेयर स्टाइल से कंप्लीट किया है. इसके साथ उन्होंने ड्रेस की मैचिंग के स्पोर्ट्स शूज कैरी किए हैं.

एक्ट्रेस ने काउच पर बैठ अपने इस लुक को फ्लॉन्ट किया है. कृति यहां हमेशा की तरह काफी हॉट दिख रही हैं. फैंस के बीच उनके इस अवतार को खूब पसंद किया जा रहा है. गौरतलब है कि कृति सेनन के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स कतार में हैं. जल्द ही उन्हें फिल्म 'गणपथ' में देखा जाने वाला है. इस फिल्म के एक बार फिर से एक्ट्रेस टाइगर श्रॉफ के साथ दिखेंगी. इसके बाद वह 'शहजादा' और साउथ सुपरस्टार प्रभास संग 'आदिपुरुष' में भी नजर आएंगी.

बॉस की एक सलाह ने बदल दी जॉन अब्राहम की जिंदगी

बॉलीवुड के सक्सेसफुल मॉडल और सुपरस्टार एक्टर जॉन अब्राहम की एक्टिंग और बॉडी के लाखों दीवाने हैं. हर साल 17 दिसंबर को जॉन अपना जन्मदिन मनाते हैं, और आज वो अपना 50वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं. जॉन अब्राहम के लिए उम्र सिर्फ एक नंबर है, अपनी फिटनेस और डाइट से उन्होंने 50 की उम्र में भी शानदार बॉडी मेंटेन की हुई है. आज हम आपको जॉन अब्राहम से जुड़ी कई ऐसी दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में आपने पहले कभी नहीं सुना होगा. क्या आप जानते हैं कि एक्टिंग से पहले जॉन क्या करते थे? आइए जानते हैं.

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम का जन्म 17 दिसंबर, 1972 को मुंबई में हुई था, उन्होंने नारसी मोनजी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए डिग्री ली हुई है. पढ़ाई पूरी करने के बाज जॉन एक नौकरी की तलाश में लग गए और मीडिया प्लैनर के तौर पर काम करने लगे. इस बीच जॉन की हाइट और लुक्स को देख उनके बॉस ने उन्हें मॉडलिंग में हाथ आजमाने को कहा और एक कॉन्टेस्ट के बारे में भी बताया. इसके बाद जॉन ने भी खुद पर मेहनत की और उस कॉन्टेस्ट में हिस्सा ले लिया. इसके बाद उन्होंने कई मॉडलिंग इवेंट्स में भाग लिया.

ऐसे मिला फिल्मों में मौका

मॉडलिंग में पॉपुलर होने के बाद जॉन को पंजाबी सिंगर जैजी-बी के म्यूजिक वीडियो 'सूरमा' में फीचर होने का मौका मिला. धीरे-धीरे वो कई म्यूजिक एल्बम में नजर आने लगे और उन्हें इंडस्ट्री में लोग पहचानने लगे. उन्हें महेश भट्ट की फिल्म 'जिस्म' (2003) से बॉलीवुड में डेब्यू करने का मौका मिला. फिल्म के लिए महेश भट्ट को ऐसे नए चेहरे की तलाश थी जिसकी पर्सनालिटी में संजय दत्त जैसी हो. उनकी तलाश जॉन अब्राहम पर जाकर खत्म हुई. अपनी पहली ही फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड मिला.

अपने चेहरे से हो गई थी नफरत

अब तक के अपने करियर में जॉन ने 40 फिल्मों में काम किया, जिसमें 'धूम' जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं. जॉन अब्राहम को बॉलीवुड में सबसे हैंडसम हंक में से एक माना जाता है, लेकिन एक समय था जब उन्हें अपने चेहरे से नफरत थी. एक बार एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'ईमानदारी से कहूं तो इससे पहले कि मेरा चेहरा साफ होता, मुझे पिंपल्स हो गए. उनमें से बहुत सारे थे और मैं आपको बता रहा हूं, जब आप अपने चेहरे पर उन छोटी-छोटी चीजों को देखते हैं तो आप वह आत्मविश्वास खो देते हैं. मेरे फेस पर वो छोटे साइज में नहीं बल्कि बड़े-बड़े दाने थे.

'लोग खुलेआम देते हैं रेप की धमकी', सोशल मीडिया पर छलका उर्फी जावेद का दर्द, फैंस ने जताई हमदर्दी

उर्फी जावेद, सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का एक जाना-पहचाना नाम हैं. अपने फैंशन और ड्रेसिंग सेंस को लेकर उर्फी जावेद अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. अपने बोल्ड कपड़ों के साथ-साथ उर्फी जावेद अपने बेबाक बयानबाजी के लिए भी चर्चा में रहती हैं. लेकिन हाल ही में उर्फी जावेद ने फिर कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद फैंस उनके साथ हमदर्दी जता रहे हैं. बिग बॉस ओटीटी फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर नेगेटिव लोगों को खिलाफ अपने स्ट्रगल को बयां किया है, जिसमें उन्होंने लोगों से कई तरह की शिकायत की. आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा?

'अपने फैसले खुद लेती हूं'

उर्फी जावेद ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया है, लेकिन उन्हें पहचान 'बिग बॉस ओटीटी' से मिली. अब उर्फी जावेद अपने कपड़े को लेकर चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली उर्फी जावेद ने अपना स्ट्रगल शेयर किया है. एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, 'मैं और मेरी बहनें सचमुच हमारे पूरे परिवार की पहली महिलाएं हैं जो अकेले अपने शहर से बाहर रह रही हैं, काम कर रही हैं, कमा रही हैं. हम पीढ़ीगत अभिशाप को तोड़ने वाली पहली महिलाएं हैं, हम हैं पहली महिलाएं जो अपने फैसले खुद लेती हैं. हम अपने परिवार की पहली महिलाएं हैं जो अपने लिए यह तय करती हैं कि हम अपनी लाइफ के साथ क्या करना है.'

'खुलेआम देते हैं रेप की धमकी'

इससे पहले उर्फी जावेद के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज हुई थी, जिस पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मेरे खिलाफ

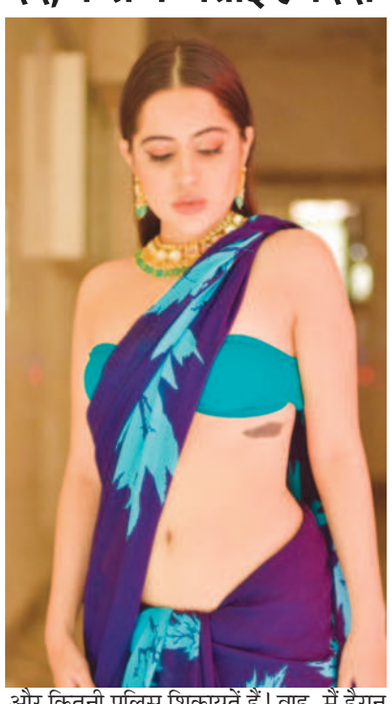

और कितनी पुलिस शिकायतें हैं! वाह, मैं हैरान हूं कि लोगों को कोई प्रॉब्लम नहीं है, जब कोई खुलेआम मुझे रेप या जान से मारने की धमकी देता है. तुम्हें मेरे कपड़ों से दिक्कत है, लेकिन बलात्कार और हत्या करने वाले पुरुषों से नहीं?' उर्फी ने स्ट्राइप्ड डिजाइन वाली ऑरेंज स्ट्रेप्ड ड्रेस पहने हुए अपना एक वीडियो भी शेयर किया और लिखा, 'ये मैं एक रेस्टोरेंट में हूं, प्लीज इस वीडियो को कोर्ट में सबूत के तौर पर इस्तेमाल करें.' उर्फी के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस इन दिनों एमटीवी के शो स्प्लिटविला सीजन 14 में नजर आ रही हैं.

विदेशी गिरोह के पास मिला ऐश्वर्या राय का जाली पासपोर्ट

पुलिस ने 3 सदस्यों को किया गिरफ्तार, दवा कंपनी के नाम पर की लाखों की ठगी

नोएडा पुलिस और साइबर सेल ने एक नाइजीरियन गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय का नकली पासपोर्ट जब्त हुआ है। जांच के दौरान पुलिस को इस गिरोह के सदस्यों के पास से 13 लाख के नकली अमेरिकी डॉलर और 10,500 पाउंड बरामद किए हैं। पुलिस इनसे से पूछताछ कर रही हैं कि वो ऐश्वर्या राय के जाली पासपोर्ट को आखिर किस काम में लाते थे।

गिरोह ने दवा के नाम पर लोगों से की लाखों की ठगी

पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर महंगे दामों पर जड़ी-बूटियां देने का झांसा देते थे। ये नाइजीरियन गिरोह लंबे से मेट्रोमोनियल साइट और डेटिंग एप्स के जरिए लोगों को लगातार निशाना बना रहा था। इसके अलावा अपराधियों ने सेना से रिटायर्ड कर्नल के साथ भी करीब 1.81 करोड़ रुपए की ठगी की थी। जिसके बाद कर्नल ने पुलिस में कंप्लेंट दर्ज कराई थी, तभी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर गिरोह का पर्दाफाश कर दिया।

ग्रेटर नोएडा में गिरफ्तार हुए आरोपी

पुलिस अधिकारी अभिषेक वर्मा ने मीडिया को बताया कि नाइजीरियन अपराधियों ने अपनी पहचान ईक उफेरेमुकेवे, एडविन कॉलिंस और ओकोलोई डेमियन बताई है। तीनों को ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि गिरोह एबॉट फार्मास्युटिकल्स कंपनी समेत अन्य कंपनियों के मालिक बनकर लोगों से लाखों रुपए लूट रहे थे।

डेटिंग ऐप और मेट्रोमिलनियल साइट के जरिए बनाते थे निशाना

पुलिस ने आगे बताया कि तीनों गिरफ्तार अपराधियों के पास वीजा और पासपोर्ट भी नहीं थे। ऐश्वर्या के पास्टपोर्ट के अलावा तीनों सदस्यों के पास से छह फोन, ग्यारा सिम और लैपटॉप पेन ड्राइव और 3 कार बरामद हुई हैं। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि एक्ट्रेस के पासपोर्ट के जरिए इन शातिर ठगों ने कौन-कौन से अपराध को अंजाम दिया है।

उर्वशी ने मेरा दिल ये पुकारे आजा पर बनाया वीडियो यूजर्स ने किया ट्रोल, कहा- पंत अभी बांग्लादेश में हैं

सोशल मीडिया पर भारतीय स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत और एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के बीते कुछ समय से खूब चर्चे हैं। अब हालही में उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। दरअसल इस वीडियो में उर्वशी ट्रेंडिंग गाने 'मेरा दिल ये पुकारे आजा' पर अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। इस दौरान उर्वशी ने यलो सूट पहना हुआ है जिसमें वो कमाल की लग रही हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में 'भीगा भीगा है समां, ऐसे में है तू कहां' गाना चल रहा है। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने वीडियो को शेयर करते हुए यही कैप्शन भी डाला है, जिसे देखने के बाद यूजर्स ने इस पर मजेदार कमेंट्स करने शुरू कर दिए है। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट कर लिखा है, 'बांग्लादेश में है अभी'। तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'वो बांग्लादेश के साथ टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है। सॉरी अभी नहीं आ पाएगा'। ऐसे ही कई मजेदार कमेंट्स देखने को मिल रहे हैं।

आपको बता दें कि ऋषभ पंत और उर्वशी रौतेला के बीच इस विवाद की शुरुआत इस साल अगस्त में हुई थी जब उर्वशी ने एक एंटरटेनमेंट पोर्टल को इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने मिस्टर आरपी का नाम लिया था। उर्वशी ने कहा था कि ₹मिस्टर आरपी₹ उससे मिलने के लिए होटल की लॉबी में लगभग 10 घंटे तक उसका इंतजार कर रहे थे, लेकिन वो उस वक्त सो रही थीं और उन्हें इतना लंबा इंतजार करना पड़ा था। इसके बाद सोशल मीडिया पर जो जंग शुरू हुई वो देखने लायक थी। इन दोनों ने एक दूसरे का नाम लिए बिना ही एक दूसरे पर निशाना साधना शुरू कर दिया।

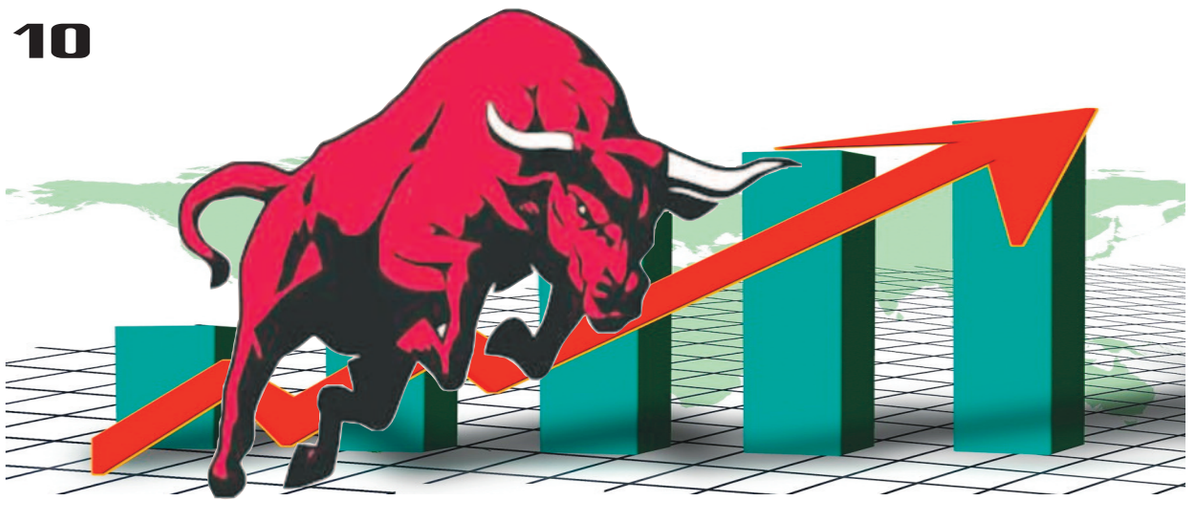

अगले हफ्ते आईपीओ बाजार में रहेगी रौनक, आने जा रहे हैं 2000 करोड़ रुपये के पब्लिक इशू

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। नया साल शुरू होने में कुछ दिन का समय शेष रह गया है, लेकिन इससे पहले शेयर बाजार में आईपीओ निवेशकों को निवेश का एक और मौका मिलने वाला है। ऐसा इसलिए, एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स और केफिन टेक्नोलॉजीज दो आईपीओ खुलने वाले हैं। दोनों कंपनियों की योजना कैपिटल मार्केट से 1975 करोड़ रुपये जुटाने की है। केफिन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 19 दिसंबर को और एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का आईपीओ 20 दिसंबर को खुलने जा रहा है। केफिनटेक आईपीओ का सब्सक्रिप्शन 19 दिसंबर, 2022 से आम लोगों के लिए खुलने जा रहा है। कंपनी को आईपीओ से 1500 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 347-366 रुपये प्रतिशेयर रखा गया है। ये पूरा आईपीओ ओएफएस होगा, इसका मतलब यह है कि आईपीओ से मिलने वाला सारा पैसा प्रमोटर और निवेशकों के पास जाएगा। 26 दिसंबर, 2022 तक इसका अलॉटमेंट मिलने की उम्मीद है और 29 दिसंबर,2022 तक शेयर लिस्ट हो सकता है। एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स का पब्लिक इशू 20 दिसंबर, 2022 को खुलने जा रहा है। 20 दिसंबर को ये आईपीओ आम निवेशकों के लिए खुल जाएगा। इस आईपीओ से कंपनी को 475 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। इसमें 175 करोड़ रुपये का फ्रेश इशू और 300 करोड़ का ओएफएस शामिल है।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	सील्वर (1केजी)
हैदराबाद	49,700 रुपये	54,220 रुपये	72,500 रुपये
बैंगलोर	49,700 रुपये	55,220 रुपये	72,500 रुपये
केरल	49,700 रुपये	54,220 रुपये	72,500 रुपये
विशाखापत्तनम	49,700 रुपये	54,220 रुपये	72,500 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

जीएसटी परिषद की बैठक समाप्त

जीएसटी कानूनों से जुड़े कई मामलों को अपराध की श्रेणी से हटाया गया

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिल्ली में वर्चुअल मोड के माध्यम से जीएसटी परिषद की 48वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान एजेंडा के 8 बिंदुओं को पूरा किया। जीओएम के दो मुद्दे थे जिन पर चर्चा करने की आवश्यकता थी लेकिन उन पर विचार नहीं किया जा सका ये तंबाकू और गुटखा पर क्षमता-आधारित कराधान और जीएसटी न्यायाधिकरण की स्थापना से संबंधित थे। वहीं राजस्व सचिव ने बैठक के बाद बताया कि जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान जो फैसले लिए गए उनमें किसी भी अधिकारी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने सहित कुछ मामलों का गैरअपराधीकरण करना और जीएसटी कानूनों

के तहत किसी भी मामले में अभियोजन शुरू करने की राशि सीमा सीमा 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करना (नकली चालान को छोड़कर) आदि शामिल हैं। जीएसटी परिषद की बैठक के बाद राजस्व सचिव ने कहा कि दालों की भूसी पर कर की दर 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दी गई है शनिवार को शुरू हुई जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान जीएसटी कानून के तहत अपराधों को गैर-अपराधीकरण, अपीलीय न्यायाधिकरणों की स्थापना और पान मसाला और गुटखा कारोबार में कर चोरी रोकने के लिए तंत्र बनाने पर चर्चा की गई। इससे पहले बताया गया था कि इस बैठक के दौरान ऑनलाइन गेमिंग और कैसीनो पर पर जीएसटी से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा की अध्यक्षता में पिछले साल इस मुद्दे पर गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इससे जुड़ी अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। परिषद कर अधिकारियों की एक रिपोर्ट पर भी विचार करेगी और कुछ वस्तुओं और सेवाओं में दर प्रयोज्यता पर स्पष्टता देगी। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती @nsitharaman ने आज नई दिल्ली में वर्चुअल माध्यम से जीएसटी परिषद की 48वीं बैठक की अध्यक्षता की। जीएसटी कानूनों के तहत अपराधों के गैर-अपराधीकरण के संबंध में जीएसटी परिषद की कानून समिति, जिसमें केंद्र और राज्यों के कर अधिकारी शामिल हैं ने परिषद को जीएसटी अपराधों के लिए अभियोजन शुरू करने के लिए मौद्रिक सीमा बढ़ाने का सुझाव दिया है। कानून समिति ने यह भी सुझाव दिया है कि जीएसटी अपराधों के कंपाउंडिंग के लिए करदाता की ओर से देय शुल्क को कर राशि के 25 प्रतिशत तक कम कर दिया जाना चाहिए। यह वर्तमान में 150 प्रतिशत तक है। समिति ने यह बात व्यापार करने में आसानी में सुधार की दृष्टि से कही है। समिति ने वर्तमान में 5 करोड़ रुपये से अभियोजन शुरू करने की सीमा को बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये करने का सुझाव दिया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- धनु	में	धनु---	06-35 बजे
चंद्र- कन्या	में	मकर-	08-38 बजे
मंगल वृष	में	कुंभ -	10-39 बजे
बुध- धनु	में	मीन....	12-07 बजे
गुरु- मीन	में	मेष--	13-42 बजे
शुक्र- धनु	में	वृष--	15-28 बजे
शनि- मकर	में	मिथुन..	17-29 बजे
राहु- मेष	में	कर्क...	19-40 बजे
केतु- तुला	में	सिंह...	21-53 बजे
		कन्या..	23-03 बजे
		तुला	02-09 बजे
		वृश्चिक	04-20 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944, कलियुग अवधि-432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल-पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - **03 -32** राततक उपरान्त एकादशी
मास - पौष कृष्ण पक्ष , रविवार **Dec 18**
नक्षत्र - हस्त **-10-17** तक उपरान्त चित्रा
योग - सौभाग्य- **06 - 47** - तक उप
करण- वणिज - **15 - 43** - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-**07 - 25** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:21 से 17:44 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:43 - 08:04	अशुभ	शुभ.	17:41 - 19:21	शुभ
चंचल	08:04 - 09:27	शुभ	अमृत	19:21 - 20:59	शुभ
लाभ	09:27 - 10:50	शुभ	चंचल	20:59 - 22:36	शुभ
अमृत	10:50 - 12:13	शुभ	रोग	22:36 - 24:13	अशुभ
काल.	12:13 - 13:36	अशुभ	काल	00:13 - 01:50	अशुभ
शुभ.	13:36 - 14:58	शुभ	लाभ	01:50 - 03:27	शुभ
रोग	14:58 - 16:21	अशुभ	उत्पात	03:27 - 05:04	अशुभ
उत्पात	16:21 - 17:41	अशुभ	शुभ	05:04 - 06:43	शुभ

महंगाई के बजाय वृद्धि पर जोर, केंद्रीय बैंक रोक सकता है दर बढ़ाने की रफ्तार

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महंगाई के मोर्चे पर राहत के बाद सरकार कीमतों को नियंत्रित करने के बजाय अब आर्थिक वृद्धि दर पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। ऐसे में आरबीआई भी 6 से 8 फरवरी के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दरों को बढ़ाने की रफ्तार रोक सकता है। इससे विकास दर गति बढ़ाने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने कहा, वैश्विक मंदी की आशंका से आर्थिक सुधारों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ऐसे में और सहायता देने की जरूरत को लेकर सरकार में चिंता बढ़ रही है। इसके अलावा, एमपीसी के 6 सदस्यों में दो भी वृद्धि दर के समर्थन के पक्ष में हैं। आरबीआई इस साल मई से रेपो दर में 2.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। एक अधिकारी ने कहा, सरकार ने महंगाई के खिलाफ अपनी लड़ाई में आरबीआई का समर्थन किया है। कच्चे तेल सहित अन्य वस्तुओं की कीमतों को कम करने के लिए भी कई उपाय किए हैं। हालांकि, अब विकास दर को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी कह चुकी हैं कि हम आम लोगों की खातिर महंगाई को और नीचे लाएंगे। सरकार जरूरी वस्तुओं की कीमतों की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

अचानक तालाबंदी की घोषणा से चाय बागान मजदूर आक्रोशित

500 से ज्यादा कर्मचारियों ने शुरू किया आंदोलन

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के हैलाकांडी जिले में अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर संचालन बंद करने की घोषणा के बाद करीब पांच सौ चाय बागान मजदूरों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। पिछले दिनों तालाबंदी की घोषणा के बाद गुरुवार से चाय बागान के मजदूर हैलाकांडी शहर से करीब बीस किलोमीटर की दूरी पर गगलाचेरा में उद्यान अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ एक चाय संघ ने दोनों पक्षों के बीच मामले को सुलझाने के लिए कदम उठाए हैं। मजिस्ट्रेट झिंटू बोरा और श्रम अधिकारी पीके मालाक समेत अधिकारियों की एक ने शुक्रवार को बगीचे का दौरा किया और मजदूरों को यह आश्वासन दिया कि वह इस

मामले को जिला उपायुक्त के समक्ष उठाएंगे। स्थानीय पंचायत के प्रमुख राधेश्याम कुर्मी ने आरोप लगाया कि चाय बागान के अधिकारियों ने बुधवार की रात चुपके से तालाबंदी का नोटिस लगा दिया और परिसर से चले गए। उन्होंने कहा, गुरुवार को भुगतान का दिन था और अधिकारियों ने इस तरह से पलायन कर लोगों को आक्रोशित किया है। स्थानीय पंचायत के प्रमुख राधेश्याम कुर्मी ने आरोप लगाया कि चाय बागान के अधिकारियों ने बुधवार की रात चुपके से तालाबंदी का नोटिस लगा दिया और परिसर से चले गए। उन्होंने कहा, गुरुवार को भुगतान का दिन था और अधिकारियों ने इस तरह से पलायन कर लोगों को आक्रोशित किया है। कुर्मी ने यह भी आरोप लगाया कि मजदूरों को सरकारी दर से कम दैनिक मजदूरी मिलती है और महिला श्रमिकों को प्रतिदिन अनिवार्य से अधिक चाय पत्ती तोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है।

उन्होंने दावा किया, अब हमारे पास अपनी शिकायतों को दूर करने वाला कोई नहीं है। प्लांटर्स बॉडी टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बराक वैली के महासचिव सरदिन्दु भट्टाचार्जी ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी है और उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा।

सरकार बढ़ाएगी गन्ने का भाव, शुगरफेड ने सीएम को भेजा प्रस्ताव

25 रुपये प्रति क्विंटल तक होगा इजाफा

चंडीगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार जल्दी गन्ने का भाव 25 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की तैयारी में है। इसकी घोषणा किसी भी समय हो सकती है। शुगरफेड के चेयरमैन रामकरण काला मुख्यमंत्री मनोहर लाल को भाव बढ़ाने का प्रस्ताव भेज चुके हैं। उन्होंने भी 25 रुपये ही बढ़ाने की सिफारिश की है। हरियाणा में गन्ने का भाव इस समय 362 रुपये प्रति क्विंटल है। प्रदेश का गन्ने का भाव पूरे देश में सबसे अधिक रहता आया है, लेकिन इस बार पंजाब बाजी मार ले गया। पंजाब बीते 18 नवंबर को गन्ने का भाव 360 रुपये से बढ़ाकर 380 रुपये कर चुका है। इस कारण पड़ोसी राज्य का गन्ने का भाव वर्तमान में पूरे देश में सबसे अधिक है। हरियाणा का

भाव पंजाब से 40 रुपये तक भी अधिक रह चुका है। उसे मद्देनजर रखते हुए शुगरफेड 25 रुपये बढ़ोतरी चाह रहा है, जिससे हरियाणा में गन्ने का भाव 387 रुपये प्रति क्विंटल हो जाएगा। यह पंजाब से सात रुपये अधिक होगा। अब अंतिम फैसला मुख्यमंत्री मनोहर लाल को लेना है। वह 25 रुपये वृद्धि करते हैं, या 20 से 25 के बीच। शुगरफेड के निदेशक मंडल की बैठक में बीते दिनों शुगर मिलों के प्रतिनिधि भाव बढ़ाने का विरोध कर चुके हैं। उन्होंने इसके पीछे मिलों के घाटे में होने का तर्क दिया था, जिसे सरकार खारिज कर चुकी है। किसान यूनियन हर साल की तरह की इस बार भी पंजाब से अधिक रेट बढ़ाने की मांग कर रही हैं। शुगरफेड के चेयरमैन रामकरण काला ने कहा कि वह प्रस्ताव भेज चुके हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भाव बढ़ाने को लेकर निर्णय लेंगे। उम्मीद है कि कुछ दिनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। सरकार किसान हित में फैसले लेती आ रही है। भाकियू चढ़ूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम चढ़ूनी, प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह मथाना, प्रेस सचिव राकेश बैंस इत्यादि की इसी हफ्ते गन्ने का भाव बढ़ाने और अन्य मांगों को लेकर कृषि व किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा के साथ बैठक हो चुकी है।

सीएनजी के दाम बढ़े, दिल्ली में 79.56 रुपए किलो पर पहुंची

इस साल 25 रुपए से ज्यादा महंगी हुई

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक बार फिर आम आदमी को झटका लगा है। यहां सीएनजी की कीमत 95 पैसे बढ़ा दी गई है। लोगों को अब एक किलो सीएनजी के लिए

दिल्ली में 79.56 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंची CNG

कीमतों में बदलाव किया गया था। 8 अक्टूबर को सीएनजी की कीमतों में 3 रुपए का इजाफा किया गया था। इसके बाद सीएनजी की कीमत 78.61 रुपए किलोग्राम हो गई थी जो पहले 75.61 रुपए किलोग्राम थी। जनवरी 2022 में सीएनजी 54.31 रुपए प्रति किलो पर थी, जो अब 79.56 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इस साल अब तक इसकी कीमत में 25.25 रुपए प्रति किलो का इजाफा हो चुका है।

79.56 रुपए चुकाने होंगे। इससे पहले दिल्ली में एक किलो सीएनजी की कीमत 78.61 रुपए थी। बढ़ी हुई कीमतें आज, यानी 17 दिसंबर की सुबह 6 बजे से लागू हो गई हैं। गुरुग्राम में एक किलो सीएनजी की कीमत 86.94 रुपए है। वहीं गाजियाबाद, नोएडा-ग्रेटर और नोएडा में 81.17 रुपए, रेवाड़ी में 78.61 रुपए और फरीदाबाद में 84.19 रुपए प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। बीते कुछ दिनों से प्राकृतिक गैस की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। इससे पहले इंद्रप्रस्थ गैस द्वारा सीएनजी और पीएनजी के दाम 3 रुपए प्रति किलो बढ़ा दिए थे। इससे पहले 8 अक्टूबर को सीएनजी की

है।सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी का सीधा असर सीएनजी आटो, कैब सर्विस देने वाली कंपनियों और सीएनजी कार चालकों पर पड़ेगा। इससे कैब सर्विस देने वाली कंपनियां भी अपने दाम बढ़ा सकती हैं। ओला-उबर जैसी कैब कंपनिया पहले भी ऐसा कर चुकी हैं। वहीं ऑटो से सफर करने वाले लोगों के लिए भी यह इजाफा महंगाई का बोझ बढ़ा सकता है।

घाटे में ट्विटर, किचन का सामान नीलाम

ट्विटर के दफ्तरों का किराया नहीं दे पा रहे नए मालिक मस्क

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी एलन मस्क की कंपनी ट्विटर पर सैन फ्रांसिस्को हेड ऑफिस का किराया बकाया चल रहा है। दुनिया भर के अन्य ऑफिसों का किराया भी कंपनी ने नहीं चुकाया है। मस्क द्वारा ट्विटर के टेकओवर के बाद से ही प्रॉपर्टी के मालिकों को किराया नहीं मिला है। बिल्डिंग मालिक ट्विटर को प्रॉपर्टी खाली करने को कह रहे हैं, लेकिन कंपनी की ओर से कोई जवाब नहीं मिल रहा है। कुछ मामलों में तो मकान मालिक लीज एग्रीमेंट के मुताबिक ट्विटर से केवल प्रॉपर्टी खाली करने को कह रहे हैं। वो ट्विटर से बकाया किराया भी नहीं मांग रहे हैं। एक अन्य प्रॉपर्टी के मालिक का कहना है कि ट्विटर साढ़े सात हजार

कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुका है। अब बड़े ऑफिस की जरूरत नहीं है। कई दफ्तरों में किचन स्पेस को खत्म कर दिया गया है। कंपनी किचन के सामान को नीलाम कर रही है। कंपनी का मानना है कि स्टाफ में कमी के बाद किचन की कोई जरूरत नहीं रह गई है।

प्रॉपर्टी का किराया नहीं चुकाने का ट्रम्प मॉडल अपना रहे मस्क

जानकारों का मानना है कि मस्क द्वारा किराया नहीं चुकाना अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का मॉडल है। ट्रम्प ने अमेरिका में कई स्थानों पर प्रॉपर्टी किराए पर लीं, लेकिन अधिकांश का किराया नहीं चुकाया। उधर, कंपनी से निकाले गए एक कर्मचारी का कहना है कि उन्हें कानूनन तीन महीने का वेतन भी नहीं दिया गया। कुछ कर्मचारी ट्विटर के खिलाफ कोर्ट में केस दायर करने के विकल्पों के बारे में भी सोच रहे हैं।

प्रॉपर्टी मालिक जिन कर्मियों के साथ संपर्क में थे, उन्हें नौकरी से निकाला

कोलोराडो में ट्विटर को किराए पर अपनी प्रॉपर्टी देने वाले बिल रेनल्ड्स ने दैनिक भास्कर को बताया कि एक और बड़ी दिक्कत पैदा हो गई है। प्रॉपर्टी मालिकों के ट्विटर में जितने भी कॉन्टैक्ट पर्सन थे, उन सभी को कंपनी से निकाला जा चुका है। ऐसे में वे और उनके जैसे कई लोगों का ट्विटर से कोई संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। ट्विटर की ओर से प्रॉपर्टी खाली करने के बारे में ई-मेल का जवाब नहीं दिया जा रहा है।ट्विटर को खरीदने के बाद से मस्क पर आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। वे पहले ही ट्विटर से कई लोगों को निकाल चुके हैं। वहीं मस्क बीते तीन दिन में अपनी इलेक्ट्रॉनिक कार कंपनी टेस्ला के शेयर लगातार बेच रहे हैं। मस्क सिर्फ 3 दिन में ही टेस्ला के लगभग 22 मिलियन (2.2 करोड़) शेयर बेच चुके हैं, जिसकी कीमत करीब 3.6 बिलियन डॉलर, यानी 29.81 हजार करोड़ रुपए है।

जानें कितने तरह की इनकम पर मिलती है टैक्स में छूट

कैसे बचा सकते है अपनी मेहनत की कमाई

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अगर आप अपनी मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा इनकम टैक्स के रूप में सरकार के पास हर साल जमा कर रहे हैं तो आप जरूर सोचते होंगे कि, काश इस पैसे को कैसे भी अपने लिए बचा सकता? तो हम इस खबर में आपको बताने जा रहे है कि कितने तरीके की कमाई पर आप टैक्स में छूट पा सकते है, या फिर आपको उनपर टैक्स जमा करने की जरूरत नहीं है। आपको सबसे पहले ये जानना चाहिए कि, सालाना 2.5 लाख रुपया की इनकम टैक्स फ्री होती है।

फिर इसके ऊपर आप कुछ खास ऑप्शंस में निवेश करके टैक्स बचा सकते है। वही कुछ ऐसी इनकम भी होती है, जिस पर टैक्स लगता ही नहीं है। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को इसकी जानकारी होती है। हम आपको इससे जुड़ी पूरी जानकारी देने जा रहे है। जिसका फायदा आप अपने लिए जरूर उठा सकते है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड में आप हर साल 1.5 लाख रु तक का अधिकतम निवेश कर सकते है। आपका ये पैसा पूरी तरह टैक्स फ्री होगा।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं। आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा। कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं। आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं। इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए। आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं। अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है। दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे। अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें।सबको बराबरी का दर्जा दें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं।आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है।इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी। आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे। इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे।यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं। टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी। आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कपडों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं।हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे।अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा।हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे।ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे। इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है। आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा।आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे।लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें। आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है।इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं, लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे।इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे। आपके सामने नए अवसर आयेंगे,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं।इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

पहली बार पृथ्वी के 90% पानी को मापेगा नया सैटेलाइट

10 लाख से ज्यादा नदी-तालाबों पर सर्वे करेगा, बाढ़-चक्रवात से बचाएगा पृथ्वी

वाशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पर मौजूद पानी के सभी सोर्स का सर्वे करने के लिए शुक्रवार को पहला सैटेलाइट लॉन्च किया गया। इसे अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और फ्रेंच स्पेस एजेंसी नेशनल सेंटर फॉर स्पेशल स्टडीज ने मिलकर तैयार किया है। इस सैटेलाइट का नाम इंटरनेशनल सरफेस वॉटर एंड ओशियन टोपोग्राफी (स्वोट) है। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया।

पानी से जुड़ी आपदाओं में मदद मिलेगी

मिशन से जुड़े रिसर्चर्स की मानें तो स्वोट से मिलने वाले जानकारी की मदद से हम भविष्य में पानी से जुड़ी आपदाओं से बच सकेंगे। आजकल बाढ़ और चक्रवात जैसी घटनाओं में इजाफा हुआ है, जिससे पूरी दुनिया के लोग प्रभावित हो रहे हैं। ये क्लाइमेट चेंज का हिस्सा ही है। गौरतलब है कि पानी से ही वातावरण और मौसम में बदलाव होते हैं। ऐसे में इस पर रिसर्च करना बेहद जरूरी है।

सैटेलाइट से 10 गुना छोटी चीजों को पकड़ेगा

स्वोट में का-बैंड रडार इंटरफेरोमीटर (कैरिन) नाम का उपकरण है, जिसे नासा सालों से तैयार कर रहा था। ये समुद्र तल के सैटेलाइट्स की तुलना में पानी के फीचर 10 गुना बारीकी से पकड़ लेगा। इससे वैज्ञानिक डिटेल में तालाब, नदियों और समुद्रों के गुणों का अध्ययन कर सकेंगे। उदाहरण के लिए- नॉर्मल सैटेलाइट्स दुनिया के कुछ हजार तालाबों का ही डेटा इकट्ठा कर पाते हैं, लेकिन स्वोट 10 लाख से ज्यादा तालाबों की जानकारी देगा।

रात के अंधेरे में भी सैटेलाइट जांच करेगा

नासा ने बताया कि कैरिन में लगे दो एंटीना रडार पल्स को पानी की सतह पर भेजते हैं और वापस सिग्नल रिसीव करते हैं। ये रात के अंधेरे और बादल होने पर भी डेटा इकट्ठा कर सकेंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार पहली बार 330 फीट से बड़ी नदियों को 3D में देखा जा सकेगा और समुद्रों के 100 किलोमीटर से कम के इलाके को मापा जा सकेगा।

टेक्सास में कांपी धरती, 5.4 तीव्रता का तगड़ा झटका महसूस किया गया

वॉशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास प्रांत में शुक्रवार शाम भूकंप के बड़े झटके से धरती कांप उठी। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.4 आंकी गई। हालांकि, इससे जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप का यह झटका टेक्सास के इतिहास के बड़े भूकंपों में से एक है। राज्य के पश्चिमी हिस्से में शुक्रवार शाम धरती कांप उठी। इस इलाके में तेल और फ्रैकिंग गतिविधि होती है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 5.4 थी और यह स्थानीय समयानुसार शुक्रवार शाम 5:35 बजे आया। यह मिडलैंड के उत्तर-पश्चिम में लगभग 14 मील की गहराई में केंद्रित था। मिडलैंड के राष्ट्रीय मौसम सेवा केंद्र ने ट्वीट कर बताया कि टेक्सास प्रांत के इतिहास का चौथा सबसे शक्तिशाली भूकंप था।

भारत के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाएगा

चीन का पुरजोर विरोध करेगा जापान, सुरक्षा नीति दस्तावेज में दिया ब्योरा

टोक्यो, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन जैसे देश का मुकाबला करने के लिए जापान भारत के साथ अपना रक्षा सहयोग बढ़ाएगा। शनिवार को जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में कहा गया है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक राष्ट्र के रूप में जापान मुक्त प्रयासों को बढ़ावा देगा। जापान की ओर से कहा गया है कि वह अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया-भारत (क्वाड) साझेदारी जैसे प्रयासों के माध्यम से समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोग को और मजूबत करेगा। जापान का कहना है कि वह ऑस्ट्रेलिया, भारत, कोरिया गणराज्य, यूरोपीय देशों, आसियान देशों के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाएगा। इसके अलावा जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समान विचारधारा वाले देशों और अन्य लोगों के साथ संबंधों को भी मजबूत करने का प्रयास करेगा। वहीं जापान ने चीन की नीतियों का भी विरोध किया है। कहा गया है कि जापान चीन के बढ़ते प्रयासों और बलपूर्वक यथास्थिति को एकतरफा बदलने की नीति का पुरजोर विरोध करेगा।

जेनेटिक टेस्टिंग घोटाले में भारतीय अमेरिकी लैब मालिक दोषी, 447 करोड़ डॉलर की हेराफेरी का है मामला

वाशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अटलांटा के एक भारतीय अमेरिकी लैब मालिक को जेनेटिक टेस्टिंग घोटाले में दोषी करार दिया गया है। उस पर मेडिकेयर को धोखा देने व 447.54 करोड़ अमेरिकी डॉलर की हेरफेर का आरोप था। आरोप है कि लैबसॉल्यूशंस एलएलसी के मालिक मीनल पटेल ने रोगियों को लक्षित कर साजिश रची। रोगियों को बताया गया कि उनके पैकज में महंगे कैंसर आनुवांशिक टेस्ट भी शामिल हैं। पटेल ने यह साजिश पेसेंट ब्रोकर, टेलीमेडिसिन कंपनियों और कॉल सेंटरों के साथ मिलकर रची। जांच में सामने आया है कि मेडिकेयर लाभार्थियों द्वारा परीक्षण करने के लिए सहमत होने के बाद, पटेल ने टेलीमेडिसिन कंपनियों से परीक्षणों को अधिकृत करने वाले डॉक्टरों के हस्ताक्षरित आदेशों को प्राप्त करने के लिए पेसेंट ब्रोकरों को रिश्वत का भुगतान किया। फ्लोरिडा की एक संघीय अदालत ने पटेल को स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी जैसे चार मामलों में दोषी ठहराया है। जानकारी के मुताबिक, पटेल को 7 मार्च, 2023 को सजा सुनाई जानी है, और पहली साजिश की गिनती पर अधिकतम 20 साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ता है।

हिना रब्बानी की तालिबान से मुलाकात पर भड़के मौलाना

पाकिस्तान की सियासत में बढ़ा महिला नेताओं का कद, नेता और कट्टरपंथी चिढ़े

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हीना रब्बानी खार अफगानिस्तान दौरे पर गईं। उनके इस दौरे को दोनों देशों के बीच हालिया तनाव को कम करने की कवायद के बतौर देखा गया। लेकिन हीना का यह दौरा पाकिस्तान की राजनीति में ही तनाव का कारण बन गया। कारण इसलिए बना कि हीना महिला हैं और अफगानिस्तान में इस वक्त तालिबान का शासन है। पाकिस्तान के रूढ़ीवादी नेताओं ने इस दौरे का विरोध किया है। जमात-ए-इस्लामी के सांसद मौलाना अब्दुल अकबर चित्राली ने कहा कि विदेश राज्य मंत्री हीना रब्बानी खार को बिना किसी पुरुष नेता के अकेले अफगानिस्तान का दौरा नहीं करना चाहिए था।

कहा- दौरे की वजह से हुआ आतंकी हमला

नेशनल असेंबली में सवाल उठाते हुए मौलाना अब्दुल अकबर चित्राली ने कहा कि हीना रब्बानी खार के इस दौरे की वजह से आतंकी हमले हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'एक महिला को अकेले विदेशी दौरे पर भेज कर हमने अफगानियों को नाराज कर दिया है। जिसके चलते वहां हमारे राजनयिकों पर हमले हुए हैं।'

'मौलाना के नेतृत्व में भेजा जाए डेलिगेट'

अब्दुल अकबर चित्राली ने असेंबली के स्पीकर से मांग की कि मौलाना असद महमूद के नेतृत्व में विदेश मंत्रालय को डेलिगेशन अफगानिस्तान भेजना चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के कल्चर और लोगों को समझने वाले नेताओं को वहां भेजे जाने की जरूरत है।

महिला सांसदों ने डांटकर चुप कराया

पाकिस्तानी असेंबली में जैसे ही मौलाना अब्दुल अकबर चित्राली ने अपनी बात रखी; महिला सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। उन्हें अपनी बात भी पूरी नहीं करने दी गई। पीपीपी की नेशनल असेंबली मेंबर शाज़िया अट्टा मेरी ने मौलाना के बयान को महिला विरोधी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि 'न तो हमारे कल्चर और न ही इस्लाम में महिलाओं के बारे में ऐसी सोच की कोई जगह है।'

पाकिस्तान की राजनीति में मजबूत हुई हैं महिलाएं

बंटवारे के बाद से पड़ोसी मुल्क में ज्यादातर फौजी शासन रहा। इस दौरान वहां महिलाओं को सत्ता से दूर ही रखा गया। लेकिन बेनजीर भुट्टो के पहली महिला पीएम बनने के बाद कम संख्या में ही सही, लेकिन महिलाओं का राजनीति में रुझान बढ़ा है। पाकिस्तानी मुस्लिम लीग की मौजूदा सरकार में भी कई ताकतवर महिला मंत्री शामिल हैं। मौजूदा पीएम शहबाज शरीफ की भतीजी और पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज का पाकिस्तान की सत्ता में खासा दखल है। इनके अलावा हीना रब्बानी खार और मरियम औरंगजेब जैसी मंत्री भी अहम किरदार में हैं। जिसके चलते पाकिस्तान के रूढ़ीवादी नेता खफ़ा रहते हैं। मौजूदा विवाद को भी इसी से जोर कर देखा जा रहा है। नेशनल असेंबली में महिलाओं को मिला है रिजर्वेशन पाकिस्तानी संसद नेशनल असेंबली में महिलाओं के लिए सीटें रिजर्व की गई हैं। 342 सीटों वाली असेंबली में 69 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। हालांकि सामान्य सीटों पर महिलाओं के जीतने की दर काफी कम है। जिसके चलते असेंबली में हर बार महिलाओं की संख्या 69 के आसपास ही रहती है।

हीना को तालिबान के बराबर बैठी देख इमोशनल हुईं पाक मंत्री

पाकिस्तान की सूचना प्रसारण मंत्री और हीना रब्बानी खार की दोस्त मानी जाने वाली मरियम औरंगजेब ने उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हीना को महिला होने की वजह से नहीं बल्कि उनके काम और अनुभव के चलते अफगानिस्तान भेजा गया है। बहस में हिस्सा लेते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हीना रब्बानी खार को तालिबानी नेताओं की बराबरी में बैठा देख वो इमोशनल हो गई थीं।

बिगड़ गए हैं पाकिस्तान-तालिबान के संबंध

अगस्त में जब तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हुआ था तो पाकिस्तान उसे मान्यता देने वाला दुनिया का इकलौता देश बना। तब कहा जा रहा था अब पाकिस्तान को अफगानिस्तान में बढ़त हासिल होगी, लेकिन पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान और तालिबान के संबंध लगातार बिगड़े ही हैं। सीमा पर तालिबान की गोलीबारी में कई पाकिस्तानी सैनिक और सिविलियन्स मारे जा चुके हैं। हीना रब्बानी खार के इस दौरे को दोनों सरकारों के बीच संबंध ठीक करने की कवायद के बतौर देखा जा रहा था।

विदेश मंत्री की खास दोस्त हैं हीना, अफेयर के भी चर्चे

विदेश राज्य मंत्री हीना रब्बानी खार पाक विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की खास दोस्त मानी जाती हैं। पाकिस्तान में दोनों के अफेयर के भी चर्चे होते रहे हैं। यह भी कहा जाता है कि बिलावल खुद से उम्र में 10 साल बड़ी हीना के प्यार में पड़ गए थे और उनसे शादी भी करना चाहते थे, लेकिन बिलावल के राष्ट्रपति पिता ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया।

आईफोन 14 की वजह से बच गई 300 फीट गहरी खाई में गिरे 2 लोगों की जान

कैलिफोर्निया, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। क्या आईफोन की वजह से किसी की जान बच सकती है? तो इसका जवाब है कि अगर आप आईफोन की तकनीक का बखूबी इस्तेमाल करना जानते हैं तो किसी की जान को खास परिस्थितियों में बचाया जा सकता है। ताजा मामला अमेरिका के कैलिफोर्निया का है, जहां आईफोन 14 के इस्तेमाल से 2 लोगों की जान बच गई है। बता दें कि आईफोन में इमर्जेंसी एसओएस सैटेलाइट कनेक्टिविटी का फीचर दिया गया है। इसी फीचर की मदद से 2 लोगों की जान बच पाई है। दरअसल कुछ समय पहले कैलिफोर्निया के एंजेल्स फॉरेस्ट हाइवे पर एक हादसा हुआ और एक कार पहाड़ की चोटी से 300 फीट गहरी खाई में चली गई। इसमें मौजूद दो लोगों का कार से निकलना संभव नहीं हो पा रहा था और उनके फोन में नेटवर्क भी नहीं आ रहा था। ऐसे में उनके आईफोन स्मार्टफोन के एसओएस फीचर ने ये बात कैच कर ली कि कार के साथ हादसा हुआ है और आईफोन के इस फीचर ने सैटेलाइट टेक्स्ट भेज दिया, जोकि एपल के रीले सेंटर चला गया। वहां से इस मामले की सूचना पुलिस को चली गई, जिसके बाद बचाव दल हेलिकॉप्टर से मौके पर पहुंचा और दोनों लोगों की जान बचा ली। मॉन्टरोस सर्च टीम ने इस मामले से जुड़ा वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर भी डाला है।

चीन में कोरोना से 10 लाख लोगों की हो सकती है मौत

दवा की दुकानों में लगी लंबी कतारें

बिजिंग, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में लगातार कोरोना के मामले में बढ़ौतरी देखने को मिल रही है. यहां हालात काफी ख़राब है. हाल ही में हांगकांग ने चीन के कोरोना के हालातों पर एक अध्ययन किया है. इसमें ये कहा गया है कि कोविड-19 चीन में लगभग 10 लाख (1 मिलियन) लोगों की मौत का कारण बन सकता है. चीन सरकार लगातार कोरोना नियमों पर ढील दे रही है. एक हफ्ते पहले ही चीन में जीरो कोविड पॉलिसी में छूट दी गई थी. विशेषज्ञों के मुताबिक चीनी सरकार बिना किसी बूस्टर डोज के कोविड नियमों में ढील दे रही है. इससे करीब हर 10 लाख लोगों में 684 की कोरोना से मौत हो सकती है. शोध सार्वजनिक रूप से अभी सामने नहीं आया है लेकिन ब्लूमबर्ग की गणना के आधार पर, इसके परिणामस्वरूप चीन में लगभग 964,400 मौतें होंगी, जिसकी आबादी 1.41 बिलियन है. रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ताओं ने लिखा, 'हमारे परिणाम बताते हैं कि दिसंबर 2022-जनवरी 2023 तक कोरोना नियमों में ढील से मामले और बढ़ेंगे और यह इतने होंगे कि सभी जगह के अस्पतालों के लिए मामलों को संभालना काफी मुश्किल हो जाएगा।

नए वेरिएंट का खतरा

रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है कि चीन की संक्रमण दर में बढ़ौतरी के कारण नए वेरिएंट का भी खतरा बढ़ गया है. अगर हालात ऐसे ही रहे तो नया वेरिएंट सामने आ सकता है. कोविड के लिए जिम्मेदार कोरोनावायरस सार्स-सीओवी-2 है. चीन ने जबसे एसिम्टोमैटिक मामलों की संख्या का खुलासा करना बंद करने के बाद, चीन की आर दर की गणना करना संभव नहीं रह गया है. चीन में बीमारी काफी तेजी से फैल रही है.

चीन के लोगों के पास जानकारी नहीं

जब से चीन सरकार ने कोरोना मामलों की संख्या की घोषणा बंद की है तब से वहां के लोग परेशान हैं. उनको कोई भी जानकारी नहीं मिल पा रही है. सोशल मीडिया के जरिये वे कुछ जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे है. सोशल मीडिया पर 'बुखार' कीवर्ड लिखकर कोरोना केस की जानकारी पाने की कोशिश कर रहे हैं. आंकड़ों के अनुसार बीजिंग, बाओडिंग और शिजियाझुआंग के विभिन्न क्षेत्रों में संक्रमण काफी तेजी से फैल रहा है.

जमकर हुआ था जीरो कोविड पॉलिसी पर विरोध

कोरोना संक्रमण रोकने के लिए चीन सरकार ने जीरो कोविड पॉलिसी लागू की थी लेकिन चीन में इसके ऊपर जमकर प्रदर्शन किया गया था. सरकार को भी लोगों के सामने झुकना पड़ा था और दो सालों के बाद इस पॉलिसी को अभी कुछ दिन पहले ही देश से हटाया गया है. चीन के लोग काफी ज्यादा डरे हुए हैं. दवाई की दुकानों पर काफी लंबी कतारे लगी हुई हैं. दवाई की कमी के कारण उनके दाम आसमान छू रहे हैं. बढ़ते मामलों के चक्कर में लोगों को आईसीयू बेड भी नहीं मिल रहे हैं.

जर्मनी के होटल में फटा दुनिया का सबसे बड़ा एक्वेरियम

लाखों लीटर पानी बहने से सुनामी जैसे हालात, हजारों मछलियां मरी

बर्लिन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जर्मनी की राजधानी बर्लिन के रैडिसन ब्लू होटल का एक मशहूर एक्वेरियम शुक्रवार को टूट गया। यह घटना सुबह के 5 बजकर 45 मिनट पर हुई। एक्वेरियम इतना बड़ा था कि इसके टूटने के बाद पूरे होटल और सड़क पर लाखों लीटर पानी की बाढ़ आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही एमेर्जेंसी सर्विसेज के 100 लोगों की टीम तुरंत घटना स्थल पर पहुंची। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बर्लिन के मिट्टे जिले में एक्वाडोम नाम का यह एक्वेरियम फटने से 264,172 गैलन पानी चारों और फैल गया। अधिकारियों ने बताया कि इस एक्वेरियम में 1500 मछलियां थी जो होटल की लॉबी में फैल गई। एक्वाडोम एक्वेरियम की ऊंचाई 15.85 मीटर थी। इसे दुनिया के सबसे बड़े बेलनाकार मछलीघर के तौर पर जाना जाता था। एक्वेरियम के टूटने से गिरे कांच से दो लोग घायल भी हुए हैं। बर्लिन पुलिस ने कहा कि यह बहुत बड़ा नुकसान है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इसके लिए एक्सपर्ट की सलाह भी ली जाएगी। इस घटना के बाद ज्यादातर लोगों को होटल से बाहर निकाल लिया गया है।

भुकंप जैसा महसूस हुआ

होटल में मौजूद एक गेस्ट ने रॉयटर्स से बात करते हुए बताया कि जैसे ही एक्वेरियम फटा तो लगा कि जैसे वहां भूकंप आ गया हो। होटल का मैनेजमेंट देखने वाले शख्स ने बताया कि 1500 मछलियां मौके पर ही मर गई। जबकि एक्वेरियम के छोटे टैंकों में रखी गई मछलियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। बर्लिन के मेयर फ्रांजिस्का जिफे ने बताया कि अच्छी बात यह रही कि एक्वेरियम तड़के सुबह के समय फटा जिस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था। उन्होंने बताया कि अगर यह घटना किसी और समय होती तो काफी सारे लोगों की जान जा सकती थी। जिस वक्त यह घटना हुई उस समय होटल में करीब 350 गेस्ट मौजूद थे। एक्वेरियम की साल 2020 में मरम्मत की गई थी। इस दौरान सभी टैंकों की सफाई की गई थी। टैंक की मरम्मत के दौरान सभी मछलियों को होटल के बेसमेंट में मौजूद एक्वेरियम में रखा गया था। लोग एक्वेरियम को करीब से देख पाए इसके लिए उसके पास ग्लास के एलिवेटर लगाए गए थे।

नेपाली संसद पर ढीली हुई वामपंथी पकड़ चीन को बड़ा कूटनीतिक झटका

काठमांडो, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल के दो प्रमुख वामपंथी नेताओं के दलों को चुनावों में मिली हार से नेपाली संसद पर चीन की पकड़ ढीली होगी। चुनावों में पूर्व नेपाल के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों (केपी शर्मा ओली व पुष्प कमल दहल प्रचंड) वाली नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के खराब प्रदर्शन से नए सत्ताधारी गठबंधन को भी राहत मिलेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में हुआ ये बदलाव चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका है, क्योंकि देउबा के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत काठमांडो में शक्ति समीकरणों का झुकाव अब चीन के बजाय भारत की तरफ होगा। देउबा को अमेरिका का विश्वस्त भी माना जाता है। उन्होंने अमेरिका के साथ मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन समझौते को आगे बढ़ाने के लिए वामपंथी दलों से कड़ी टक्कर ली थी। इसके अलावा नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली पांच-दलीय गठबंधन सरकार का जुलाई 2021 में गठन के बाद से चीन के साथ सीमित जुड़ाव रहा है। दूसरी तरफ बिना चर्चा के सीमा पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाने को लेकर चीन पहले ही देउबा सरकार से नाराज है। चुनावों में नेपाली कांग्रेस 53 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है।

पेरू में हिंसा के बीच दो मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

लीमा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पेरू में पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा के बीच दो मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शिक्षा मंत्री पेट्रीसिया कोरिया और संस्कृति मंत्री जायर पेरेज ने ट्विटर पर अपने इस्तीफे की घोषणा की। पेरू के शिक्षा मंत्री पेट्रीसिया कोरिया ने लिखा, आज सुबह मैंने पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। हमवतन लोगों की मौत का कोई औचित्य नहीं है। राज्य की हिंसा मौत का कारण नहीं बन सकती है। बता दें, पेरू के पूर्व राष्ट्रपति की गिरफ्तारी के बाद नई सरकार राजनीतिक उथल-पुथल से गुजर रही है। अब दो मंत्रियों के इस्तीफ के बाद इस सरकार पर और भी दबाव बढ़ गया है। पेरू की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो को 18 माह के लिए जेल भेज दिया। उन पर देश में विद्रोह भड़काने व साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चलाया जाएगा। उन्हें 8 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के जज कार्लोस चेकले ने गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो को जेल भेजने का आदेश जारी किया था। उन्हें 18 माह तक मुकदमे की सुनवाई तक हिरासत में रखा जाएगा।

30 दिनों के लिए लगा आपातकाल

कैस्टिलो की गिरफ्तारी के बाद दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में अशांति फैल गई थी। उनके समर्थकों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। इसे देखते हुए कैस्टिलो के स्थान पर राष्ट्रपति बनीं डिना बोलुआर्ते ने बुधवार को देश में 30 दिन के लिए आपातकाल लगा दिया। उधर, पुलिस व कैस्टिलो समर्थकों के बीच शुक्रवार को भी हिंसा जारी रही। इस हिंसा में अब तक 16 लोगों की मौत की खबर है और दर्जनों घायल हैं। हड़ताल व आंदोलन के कारण पेरू को रोजाना 2.60 करोड़ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दरियाई घोड़े ने दो साल के बच्चे को निगला

पड़ी पत्थरों की मार तो जिंदा उगला, हैरान करने वाला मामला

कंपाला, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। युगांडा से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। इस अफ्रीकी देश में एक दरियाई घोड़ा ने दो साल के बच्चे को निगल लिया। यह बच्चा एक झील के किनारे खेल रहा था, तभी हिप्पो ने उसे मुंह में भर लिया था, हैरान करने वाली बात यह है कि जब वहां मौजूद एक व्यक्ति ने उसे पत्थर मारे तो हिप्पो ने बच्चे को जिंदा उगल दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो साल का पॉल इगा युगांडा की एडवर्ड झील के पास खेल रहा था, तब यह घटना घटी। बच्चे को निवाला बनाने के इरादे से झील से बाहर निकले हिप्पो ने उसे झपट्टे में मुंह में खींच लिया। वह बच्चे को पूरा निगलता इसके पहले वहां मौजूद स्थानीय नागरिक क्रिसपास बगोन्जा ने हिप्पो पर दनादन पत्थर बरसाए। पत्थरों की मार से आहत हिप्पो घबरा गया और उसने डर के मारे मासूम को मुंह से निकाल दिया। इसके बाद बगोन्जा ने झील किनारे से निकाला, लेकिन हिप्पो के दांतों की चोट से बच्चा घायल हो गया था। बगोन्जा उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में उसका प्राथमिक इलाज कराने और रैबीज का टीका लगवाने के बाद पॉल को परिजनों को सौंप दिया गया। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। युगांडा की पुलिस के अनुसार इस तरह की यह पहली घटना है, जिसमें हिप्पो ने एडवर्ड झील के किनारे एक बच्चे को निगला।

कोटा-आत्महत्या नहीं, उम्मीदों के भंवर में डूबे बच्चे

मौके कई मिलेंगे, बच्चों के सपनों को टेस्ट और रिजल्ट के भंवर में मत डुबोइए

एक्सक्लूसिव डेस्क, 17 दिसंबर। आनंद कुमार का नाम भारत में शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ा हर व्यक्ति जानता है, फिर चाहे वह शिक्षक हो या छात्र। गरीब बच्चों के लिए शुरू किए गए सुपर-30 प्रोग्राम के जरिये मिसाल कायम करने वाले आनंद कुमार के पढ़ाए 510 बच्चों में से 422 का 2018 तक आईआईटी में सेलेक्शन हो चुका था। उनके काम पर डिस्कवरी चैनल डॉक्युमेंट्री बना चुका है। उनके जीवन पर फिल्म 'सुपर-30' बन चुकी है, जिसमें अभिनेता ऋतिक रोशन ने उनका किरदार निभाया था। आज वह कोटा जैसे शहरों में कोचिंग संस्थानों की भीड़ और रिजल्ट के प्रेशर के छात्रों के भविष्य पर असर के बारे में बात कर रहे हैं।

कहीं भूख दांव पर तो कहीं प्यास दांव पर। कहीं जमीन-मकान दांव पर तो खेत-खलिहान दांव पर। अब तो आखिरी कट्ठे जमीन भी दांव पर। माता-पिता अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। बस इसी उम्मीद में कि अब क्या, कुछ ही दिनों की तो बात है। मैंने तो अपने बेटे का एडमिशन कोटा में दिलवा दिया है। और मेरा होनहार बेटा जल्दी ही डॉक्टर या इंजीनियर बनने वाला है, फिर खुशियों की बरसात होगी। पैसे होंगे। समाज में प्रतिष्ठा होगी।

लेकिन उन्हें क्या पता कि उन्होंने अपने बेटे को उस अंधेरी सुरंग में भेज दिया है जहां से वह फिर कभी वापस आएगा भी नहीं। यह कोई कहानी नहीं है बल्कि सच्चाई है। और इस सच्चाई के गवाह हैं अभी कुछ ही दिनों पहले कोटा में पढ़ने गए हुए तीन बच्चे, जो एक ही दिन में आत्महत्या करके समाज तथा सरकार के सामने कई प्रश्न छोड़ कर इस दुनिया से चले गए। इस विषय पर बोलना, लिखना और समीक्षा करना आसान है, लेकिन बच्चों के गुजर जाने के बाद उसकी असहनीय पीड़ा का अनुभव सिवाय उनके माता-पिता के और कोई नहीं कर सकता है। कहा ही गया है कि किसी के लिए वह दिन जिंदगी का सबसे दर्दनाक दिन होता है जब एक पिता अपने बच्चे को अंतिम यात्रा में कंधा देता है।

अब सवाल यह उठता है कि ऐसी नौबत आती ही क्यों है। आखिर कोटा या किसी और जगह पर पढ़ने जाने वाला बच्चा इतना निराश, जीवन से हताश क्यों हो जाता है कि उसे दुनिया के सभी रास्ते बंद दिखने लगते हैं। और उम्मीद की कोई भी किरण नजर नहीं आती है।

दरअसल, आज के दौर में हमारे देश में कुछ लोगों की बात छोड़ दें तो किसी का कोई सपना अपना नहीं है। सारे सपने उधार लिए हुए होते हैं। किसी समाज में, मोहल्ले में कोई कुछ अच्छा करता है। डॉक्टर बनता है, इंजीनियर बनता है या आईएएस बनता है। तो बाकी माता-पिता के भी वही सपने हो जाते हैं। वह चाहते हैं कि उनका बेटा-बेटी भी कुछ ऐसा ही करे। कभी-कभी तो वे अपने अधूरे सपने को भी अपने बच्चों के सहारे पूरा करना चाहते हैं। धीरे-धीरे उन्हें यकीन भी होने लगता है कि उनके बच्चे उनके अधूरे सपनों में जरूर रंग भर देंगे।

अब सपने को धरातल पर उतारने के लिए जेब से मजबूत होना जरूरी होता है। कोचिंग सेंटर की भारी-भरकम फीस, हॉस्टल का किराया, तरह-तरह की किताबें और न जाने क्या-क्या। निर्धन परिवार की तो बात ही छोड़ दीजिए, मध्यम वर्गीय परिवार पर भी यह एक बहुत बड़ा बोझ बन जाता है।

अब जब सब कुछ बेचकर या उधार लेकर माता-पिता अपने बच्चों का एडमिशन करवाते हैं तो बच्चे जिम्मेवारी के बोझ से दब जाते हैं। और कोचिंग संचालकों के भी क्या कहने। दिखावे के लिए तो एडमिशन टेस्ट भी लेते हैं। लेकिन उनको तो अपना बिजनेस टारगेट पूरा करना होता है। पैसा मिलना चाहिए, बस। एडमिशन हो जाता है। पूछने की तो बात ही छोड़ दें, कोई कभी सोचता भी नहीं है कि आखिर स्टूडेंट चाहता क्या है। उसकी रुचि क्या है। न तो माता-पिता और न ही टीचर्स। बेचारा स्टूडेंट बेमन से पढ़ने लग जाता है। कुछ दिनों तक तो सबकुछ ठीक चलता है।

लेकिन जैसे ही टेस्ट का दौर शुरू होता है, बेचारे स्टूडेंट की आखिरी गिनती शुरू हो जाती है। ऐसी परिस्थिति में बच्चा विषय को समझना चाहता है। लेकिन उसको सुनने वाला कोई नहीं होता। शिक्षक भी कुछ थोड़े आसान सवाल पूछने पर उसका उपहास उड़ा देते हैं। पढ़ने में होशियार साथी प्रतियोगिता के इस दौर में समय नहीं देना चाहते हैं। अब उसके पास एक ही उपाय होता है- आ अब घर वापस लौट चलें। लेकिन फिर कोचिंग सेंटर वाले फीस लौटाने से मना कर देते हैं। जब माता-पिता का घर से फोन आता है कि कैसी चल रही है पढ़ाई, क्या है प्रोग्रेस, बेचारे के पास कोई जवाब नहीं होता है। अंततः बच्चा जीवन से हार कर अपनी जीवन-लीला ही समाप्त कर लेता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। हरगिज नहीं होना चाहिए। ऐसी घटनाओं से न सिर्फ पूरा परिवार टूट जाता है बल्कि समाज में खासकर युवा पीढ़ी में बहुत ही नकारात्मक संदेश जाता है। इसे रोकना होगा। बहुत ही जरूरी है इस परम्परा का अंत होना। इसके लिए शुरू से माता-पिता को बच्चों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए। मेरे पिता जी ने कभी भी मुझ पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं बनाया। वह अक्सर कहा करते थे कि बेटा जो मन करे वही करो। अपने पसंद का करिअर चुनो, बेहतर करो। ठीक है मन नहीं है तब डॉक्टर, इंजीनियर नहीं बनो। बस इतनी ही शर्त है कि एक अच्छा इन्सान जरूर बनना। बेटा मुझे तुम पर पूरा भरोसा है कि तुम जो भी करोगे बहुत अच्छा करोगे। और मैं जो कुछ भी अपनी जिन्दगी में कर पाया शायद यही आजादी उसकी वजह है।

अगर बच्चा कहीं पढ़ने चला भी जाता है, टेस्ट में खराब नंबर आने लगे तब उसे हमेशा समझाना चाहिए कि बेटा प्रयास करो और कहां मुश्किल है बताओ। हमलोग तुम्हारे टीचर्स से बात करेंगे। कोचिंग संचालकों को भी हमेशा इस साल कितना एडमिशन हुआ, कैसे रहा रिजल्ट, इसके बजाय ये ध्यान रखना चाहिए कि कहीं कोई ऐसा स्टूडेंट्स तो नहीं है जिसे पढ़ाई समझ में नहीं आ रही है। कहीं कोई बच्चा गुमसुम तो नहीं है। कोई विद्यार्थी अगर लगातार क्लास में नहीं आ रहा है तो क्या वजह हो सकती है।

बातचीत करके समाधान निकालने का प्रयास होना चाहिए। देखा तो यही गया है कि लगातार गुमसुम रहने वाला विद्यार्थी ही कुछ दिनों के बाद गलत स्टेप उठा लेता है। कोचिंग सेंटर्स के तेज विद्यार्थियों का भी कोई कम दायित्व नहीं बनता है। उन्हें अपने पिछड़ते हुए साथी का सहयोग करना चाहिए। केवल अपनी सफलता ही जीवन का अंतिम लक्ष्य थोड़े ही है।

मैं विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावक से यही कहना चाहूंगा कि किसी एक इम्तिहान के नतीजे के आधार पर किसी के आंखों में बंद सपनों का हिसाब-किताब लगाना संभव नहीं हो सकता है। जीवन में मौके एक बार नहीं, दो बार नहीं बल्कि बार-बार मिलते हैं। लेकिन लाखों स्टूडेंट्स और उनके माता-पिता फिर से एक बार अपनी उम्मीदों की तैरती हुई कश्तियों को निराशारूपी टेस्ट के नंबर के भंवर में डुबो रहे हैं। अंकों के आधार पर ही नए-नए सपने बुन गए थे।

लेकिन सच्चाई तो यह है कि टेस्ट के नंबर सिर्फ एक आंकड़े से ज्यादा कुछ भी नहीं हैं। दुनिया के किसी भी नंबर में वह ताकत नहीं जो किसी बच्चे के हुनर और उसकी काबलियत की सही-सही गवाही दे सके। बच्चों पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं बनाएं। उन्हें चहकने का मौका दें। उन्हें खिलने दें। उन्हें खुले आसमान में उड़ने दें। आखिर एक ही तो जिंदगी है।

न्यू ईयर के लिए गाइडलाइन जारी

रात 12 .30 बजे के बाद नहीं होगी पार्टी, पार्किंग को लेकर पुलिस सख्त, कोविड वाली पाबंदिया नहीं रहेंगी

रायपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर में न्यू ईयर पार्टी को लेकर एक गाइडलाइन जारी कर दी गई है। कोविड काल के बाद यह पहला मौका है, जब न्यू ईयर के जश्न में कोई खास पाबंदियां नहीं लगाई गई हैं। पिछले साल रायपुर शहर ने कोविड-19 के खतरे के बीच नए साल का जश्न मनाया था।

रायपुर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भूरे, एसएसपी प्रशांत अग्रवाल से चर्चा के बाद एक खास बैठक आयोजित की गई थी। एडीएम एनआर साहू ने रायपुर शहर के सभी होटल मैरिज पैलेस क्लब कैफे मालिकों की एक बैठक लेकर नए साल की गाइड लाइन तय की है। इस साल नए साल के जश्न में कोई रोक-टोक नहीं होगी,लेकिन कुछ खास नियमों का जरूर पालन करना होगा। जिला प्रशासन की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक, न्यू ईयर इवेंट पार्टीज में शराब परोसने के लिए लाइसेंस लेना होगा, लाइसेंस की जांच करने के लिए अलग से प्रशासनिक टीम भी बनाई जाएगी जो इवेंट्स में जाकर जांच कर सकेगी। सभी आयोजकों को अपनी पार्टी इसमें डीजे और साउंड सिस्टम का जिम्मेदारी से उपयोग करना होगा। आम लोगों को होने वाली दिक्कत की शिकायत मिलने पर साउंड

सिस्टम जब्ती की कार्रवाई की जा सकती है।कार्यक्रम आयोजन स्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य होगा, ताकि आने जाने वाले लोगों पर निगरानी रखी जा सके। किसी भी होटल क्लब मैरिज पैलेस में इवेंट के दौरान क्षमता के अनुरूप ही लोगों को बुलाया जा सकेगा।

इसी के अनुसार पार्किंग की व्यवस्था भी आयोजकों को करनी होगी। गाड़ियों के बेतरतीब सड़कों पर खड़ी रहने पर पुलिस प्रशासन जब्ती की कार्रवाई करेगा और लोगों पर फाइन भी बनाया जाएगा। शहर के किसी भी होटल रिजॉर्ट क्लब में न्यू ईयर की पार्टी रात 12:30 बजे के बाद आयोजित नहीं की जा सकेगी। कार्यक्रम आयोजन से पहले जिला प्रशासन से अनुमति भी लेनी होगी। किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर आयोजक या रिजॉर्ट, क्लब , होटल संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

पिछले साल थी पाबंदियां

पिछले साल 20 दिसंबर के आसपास जिला प्रशासन और राज्य सरकार ने ही न्यू ईयर को लेकर गाइडलाइन जारी की थी। तब प्रदेश में कोविड-19 की वजह से नए साल और धार्मिक त्योहारों को लेकर कार्यक्रम स्थलों पर 50% लोगों को ही अनुमति दी गई थी । यानी 100 लोगों की क्षमता वाले जगहों पर सिर्फ 50 लोग ही मौजूद रह सकते थे, इसके अलावा सैनिटाइजेशन कोविड-19 प्रोटोकॉल पालन को लेकर भी सख्ती थी, जो इस बार नजर नहीं आ रही।

संपत्ति विवाद में चली गोली

अपने ही छोटे भाई की कर दी हत्या, जमीन के कागजात देने से किया इनकार तो चला दी गोली

लातेहार, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। संपत्ति विवाद में युवक ने अपने ही छोटे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना लातेहार के सदर थाना क्षेत्र के नावागढ़ गांव की है। शुक्रवार की देर रात संपत्ति विवाद के कारण यह हत्या की गयी है। छोटे भाई की हत्या करने के बाद आरोपी हवा में पिस्तल लहराते फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई है।पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया। बताया जा रहा है कि मनोज प्रसाद अपने छोटे भाई दिलीप प्रसाद के घर रात में जमीन के कागजात मांगने गया था। जमीन के कागजात नहीं देने पर बड़े भाई ने पिस्टल निकाली और गोली चला दी।

घटनास्थल पर ही मौत

गोली दिलीप प्रसाद के गर्दन पर लग गई। दिलीप प्रसाद के मौके पर ही मौत हो गई। इधर बताया जा रहा है कि मनोज का पिता और परिवार के दूसरे सदस्यों से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। । स्थानीय लोगों के मुताबिक पिता रामदेव साव से मनोज का विवाद

कुछ दिन पहले हुआ था लेकिन उस समय गांव के लोगों ने मामले को सुझला दिया था।

विवाद सुलझा लिया गया था, फिर भी चली गोली

इसके बाद उम्मीद थी कि विवाद खत्म हो गया। शुक्रवार की रात में मनोज ने अपने छोटे भाई से फिर विवाद कर लिया। कहासुनी के दौरान ही मनोज ने फायर कर दिया। गोली चलने की आवाज सुनकर आस पास के लोग भी वहां पहुंच गया। ग्रामीणों को अपनी तरफ आता देख मनोज ने पिस्टल लहराते हुए भाग गया। गांव में गोली मारकर हत्या करने पर दहशत फैल गया है। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर चौधरी ने बताया कि युवक ने संपत्ति विवाद को लेकर अपने भाई पर ही गोली मारकर हत्या की है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बैंक से महिला ने निकाले पैसे फिर हुआ हंगामा

500 रुपए कम होने के बाद हुआ हंगामा सीसीटीवी फुटेज देखकर महिला ने मांगी माफी

पलामू, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बैंक से पैसे निकालकर जब महिला ने पैसे गिने तो उसमें पांच सौ रूपए कम थे। महिला ने पैसे देने वाले पर आरोप लगाते हुए कहा कि पैसे कम हैं। बैंक में इसे लेकर खूब हंगामा हुआ। हंगामा इतना बढ़ा की जांच सीसीटीवी कैमरे तक पहुंच गयी।

पूरा मामला पलामू जिले के हरिहरगंज का है। हरिहरगंज प्रखंड कार्यालय के सामने मेन रोड स्थित एसबीआई शाखा से महिला ने पैसे निकाले। महिला ने अपने खाते से 49 हजार रुपए निकाले। वहीं पर महिला ने पैसे की गिनती शुरू की और पैसे देने वाले कैशियर पर आरोप लगाया कि उसने कम पैसे दिए हैं। हंगामा बड़ा तो बैंक मैनेजर और दूसरे कस्टमर भी आ गये। कैशियर यह मानने को तैयार नहीं था कि उसने कम पैसे दिए हैं। हंगामा बढ़ रहा था तो मैनेजर ने सीसीटीवी कैमरे की जांच करने का आदेश दिया।

बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरा फुटेज खंगाला गया। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि महिला ने 500 रुपए छिपा लिए थे। पैसे छिपाने के बाद वह कैशियर पर आरोप लगा रही थी। सीसीटीवी फुटेज से सच सामने आ चुका था। महिला ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और माफी मांगकर बैंक से चली गयी। एसबीआई बैंक मैनेजर राजीव कुमार रंजन ने इस घटना के संबंध में कहा कि बैंक में सभी कर्मचारी ईमानदारी से अपना काम पूरा करने की कोशिश करते हैं। कुछ खाताधारी कर्मचारियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। खाताधारीयों से बैंक मैनेजर ने साथ मिलकर बेहतर काम करने और बैंक की छवि ना बिगाड़ने की अपील की है।

4 को गिरफ्तार किया, सभी बिहार के थे

बिहार ले जाई जा रही शराब स्टेशन से बरामद

कोडरमा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। आरपीएफ की टीम ने कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 4 से बैग में छिपाकर अवैध रूप से बिहार ले जा रहे अंग्रेजी शराब को बरामद करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के पास से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों में उपेंद्र कुमार, साकिन व थाना-मसौढ़ी, जिला-पटना, कुणाल कुमार, नीरज कुमार, रवि रौशन कुमार सभी साकिन रामपुर चरुई वार्ड नंबर 1, थाना-घौंसी जिला-जहानाबाद के नाम शामिल है। आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी जवाहर लाल ने बताया कि शुक्रवार को दलबल के साथ प्लेटफार्म संख्या 4-5 पर 11 बजे गश्ती कर रहे थे। प्लेटफार्म संख्या 4 के पूर्वी छोर स्थित न्यू एफओबी के पास एक युवक को काले रंग के वजनी पिठ्ठु बैग के साथ देखा गया। शंका होने पर उससे पूछताछ की और पिठ्ठु बैग को खोल कर चेक किया गया तो उसमें 7 पीस मेकडोवेल नंबर 1 व्हिस्की अंग्रेजी शराब बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 4690 रुपए बताई गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार युवक ने बताया कि वह हटिया पूर्णिया सुपर एक्सप्रेस से शराब को पटना ले जाने वाला था। पुलिस को देखते ही वे तीनों इधर उधर भागने लगा।

बढ़ रहा है किडनी की बीमारी का खतरा

झारखंड के इस शहर में बढ़ रहे हैं मरीज, क्यों बढ़ रही है समस्या?

रांची, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के कई शहरों की हवा खराब हो रही है। दूसरी तरफ जमशेदपुर में किडनी के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। एमजीएम और सदर अस्पताल में डायलिसिस कराने वाले मरीजों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। यह बढ़ता आंकड़ा संकेत दे रहा है कि शहर में किडनी के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। 2021 में सदर अस्पताल में मात्र 58 डायलिसिस हुई थी, 2022 में 833 मरीजों की डायलिसिस हो चुका है। एमजीएम अस्पताल के साल 2021 के आंकड़े पर गौर करें तो 2021 में करीब 1500 डायलिसिस हुए जबकि 2022 में अब तक तीन हजार डायलिसिस हो चुके है। दो साल में डायलिसिस कराने वाले मरीजों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। दोनों अस्पताल में बीपीएल लालकार्ड धारी और आयुष्मान कार्डधारियों के लिए डायलिसिस निशुल्क है, जबकि सामान्य लोगों के लिए 1050 रुपये में डायलिसिस उपलब्ध है। जमशेदपुर में क्यों मरीजों की संख्या बढ़ रही है इसे समझने के लिए जरूरी है कि किडनी की बीमारियों की वजह समझनी होगी। इसकी बड़ी वजह में डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर और धमनियों के सख्त होने के कारण होती है। इसकी दूसरी सबसे बड़ी वजह है

किडनी में सूजन इस स्थिति को नेफ्राइटिस कहते हैं।

किडनी रोग के तीन प्रमुख कारण

अनियंत्रित ब्लड प्रेशर : किडनी रोग का प्रमुख कारण अनियंत्रित ब्लड प्रेशर है। क्योंकि बीपी ज्यादा रहने से किडनी पर निरंतर ज्यादा दबाव पड़ता है और जल्दी खराब हो जाती है। ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव होने से भी किडनी रोग का खतरा बढ़ जाता है।

डायबिटीज : डायबिटीज, किडनी रोग को दूसरा प्रमुख कारण है। इस बीमारी के चपेट में आने पर खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती-घटती रहती है। जिससे किडनी को सामान्य से ज्यादा काम करना पड़ता है। यह कारण हो सकता है।

पेशाब में रुकावट : पेशाब का संबंधी सीधे किडनी से होता है। पेशाब के रास्तें में किसी भी वजह रुकावट होने से किडनी पर दबाव बढ़ने लगता है। इस दबाव को झेलते हुए वह खराब होने लगती है। किडनी फेल होने की आशंका होती है।

किसे है सबसे ज्यादा खतरा

>जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा है

>जन्म के समय जिनका वजन कम था

>जो लोग मोटे हैं

>जिन्हें या जिनके परिवार को हार्ट संबंधी बीमारी है

>जिन्हें या जिनके परिवार को हाई ब्लड प्रेशर है

>किडनी को स्वस्थ रखने के उपाय

>किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सही मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। रोज कम से कम 7-8 ग्लास पानी जरूर पीएं।

>किडनी की बीमारी के दौरान शरीर में प्रोटीन की मात्रा कम करने की सलाह दी जाती है। हालांकि डायलिसिस पर चल रहे मरीजों को प्रोटीन का सेवन करना जरूरी होता है। खाने में नमक न कम हो न ज्यादा। ज्यादा सोडियम आपके ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है, जिससे किडनी खराब होने का खतरा ज्यादा होता है।

हिस्ट्रीशीटर कांग्रेस नेता की हत्या का पूरा सच

परिवार की महिला से पिता-पुत्र का अवैध संबंध, संजू के अत्याचार से त्रस्त बाप-भाई ने दी सुपारी

बिलासपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के कुख्यात बदमाश और पूर्व कांग्रेस नेता संजू त्रिपाठी की हत्या की साजिश में उसके पिता जय नारायण त्रिपाठी, भाई कपिल त्रिपाठी, गोद ली हुई बेटी के पति भरत तिवारी का नाम सामने आ रहा है। पुलिस के मुताबिक यह हत्या संजू की मनमानी और अत्याचार से तंग आकर परिवारवालों ने ही कराई है। फिलहाल इस हत्याकांड के शूटर्स, मुख्य आरोपी कपिल त्रिपाठी पुलिस पकड़ से दूर है, लेकिन साजिश में शामिल कुछ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और शनिवार को इस चर्चित कांड का पुलिस अधिकारिक खुलासा करेगी।

कई अपराधिक मामलों के आरोपी, नामी बदमाश संजू त्रिपाठी की बुधवार शाम सकरी बाईपास चौक में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से पुलिस मामले की जांच में लगी थी। उसके छोटे भाई कपिल से उसकी दुश्मनी जाहिर थी, इसलिए सबसे पहले शक उस पर गया। कपिल फरार है और यह तय हो गया कि उसने ही हत्या की साजिश रची और बाहर से शूटर बुलवाए। पुलिस ने संजू के पिता, कपिल के साले और कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया था। तीन दिन की लंबी पूछताछ, मोबाइल में मिली वाइस रिकार्डिंग, कॉल हिस्ट्री, कई लोगों के बयानों के बाद हत्या की जो कहानी सामने आई है वह रिश्तों को तारतार करने वाली है।

परिवार का मुखिया जयनारायण त्रिपाठी 1972 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से बिलासपुर आया था। उसने यहां आने के बाद शुरुआती दौर में नौकरी की, लेकिन फिर दबंगई और राजनीति में उतर गया। यूपी के बदमाशों से उसका संपर्क बना रहा, लिहाजा यहां उसकी गुंडागर्दी चलती रही। भिलाई के बड़े कर्मचारी नेता शंकर गुहा नियोगी की जब हत्या हुई तो उसके शूटर्स को पनाह देने में जय नारायण का भी नाम आया। जयनारायण ने दो शादियां की थी। पहली पत्नी की पहले मौत हुई। उसकी दो बेटियां और दो बेटे संजू और कपिल हुए। जयनारायण ने बाद में एक बच्ची को गोद ले लिया। वह कुदुदंड में उसके मकान में उसके बच्चों के साथ ही रहती थी, तब तक संजू और उसकी बड़ी बहन बड़े हो गए थे। बाद में जयनारायण ने उसकी शादी भी यहीं बिलासपुर में करा दी। जयनारायण त्रिपाठी की गुंडागर्दी देखकर उसका बड़ा बेटा संजू भी अपराध की दुनिया में आ गया। उसने 16 साल की उम्र में एक 13 साल के छात्र को बेदम पीटा और उससे पैसे लूट लिए। इसके बाद उसका आतंक बढ़ता गया। पुलिस के मुताबिक संजू ने एक दिन अपने बाप और मुंहबोली बहन को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। इसके बाद उसने भी जबरदस्ती करनी शुरू कर दी। जैसे-जैसे वह बड़ा होने लगा, लोगों की जमीनों पर कब्जे, ब्याज, वसूली से पैसे आने लगे उसका आतंक बढ़ने लगा। अब वह घर की सभी जमीनों, मकानों पर अपना कब्जा चाहता था। बताया जाता है कि उसका अत्याचार इतना बढ़ गया था कि शादी के बाद वह मुंहबोली बहन के पति को भगाकर जबरदस्ती करता था। उसने अपने पिता पर भी कई बार हाथ उठाया, जयनारायण उसके डर से कुछ बोल नहीं सकता था। इसी दौरान कपिल जवान हुआ तो वह भी संजू के साथ अपराध करने लगा। दोनों पर शहडोल में एक युवक को जलाकर मार डालने का आरोप लगा और दोनों जेल भी गए। बाद में साक्ष्य के अभाव में दोनों छूट गए। जयनारायण संजू के अत्याचार के कारण अपने छोटे बेटे कपिल को ज्यादा चाहता था। उसने अपनी कुछ जमीनों को कपिल के नाम करने की बात की। इससे संजू चिढ़ गया। कपिल अब अलग जमीनों का काम और रंगदारी कर रहा था। उसने घुरू-अमेरी इलाके में अपना मकान बना लिया था। अपने लोग बना लिए थे। इससे भी संजू चिढ़ने लगा। मई से पहले एक जमीन में दोनों भाई आमने-सामने हो गए। यह विवाद गहरा गया। इसी मामले में समझौता करने संजू ने कपिल को घर बुलाया और उसके सिर पर फरसा मार दिया। इसके बाद दोनों एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए। जयनारायण और परिवार के लोग कपिल की ओर थे। मोबाइल पर कपिल और जयनारायण की जो ऑडियो क्लिप मिली है, उसमें सभी बातें क्लीयर है। जब संजू के खिलाफ दर्ज 307 की धारा खारिज हो गई तो यह तय हो गया कि वह बहुत समय तक जेल में नहीं रहेगा। इसके बाद कपिल और जयनारायण ने शूटर बुलाकर उसकी हत्या का प्लान कर लिया। दोनों की बातचीत में हत्या के बाद शूटर्स के, कपिल के भाग जाने का रास्ता, जयनारायण के यहीं रहने का प्लान, भरत तिवारी के शामिल होने का प्लान सब कुछ है। एक क्लिप में कपिल, जयनारायण से कह रहा है कि गोरखपुर की ओर जाने में खतरा है क्योंकि पुलिस जानती है कि गोरखपुर आपका शहर है। बातचीत में वहां से नेपाल जाने का भी जिक्र है।

गहलोत बोले–देश में हर बुजुर्ग को मिले 3000 पेंशन

ईआरसीपी मुद्दे पर शेखावत पर निशाना, कहा-राजस्थान के हैं और धोखा दे रहे हैं

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि चार साल में सरकार के खिलाफ माहौल नहीं है। चार साल में सरकार के खिलाफ माहौल बन ही जाता है। यह पहला मौका है जब सरकार के खिलाफ कोई माहौल नहीं है। इससे बड़ी सरकार की उपलब्धि क्या होगी? फिर भी विपक्ष के लोग हमारी सरकार, मंत्री और विधायकों के बारे में अफवाहें फैलाते हैं। गहलोत सरकार के चार साल पूरे होने पर जवाहर कला केंद्र में प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। सीएम गहलोत ने इस दौरान ईआरसीपी के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री शेखावत को घेरा और कहा कि वे राजस्थान के हैं और धोखा दे रहे हैं।

मोदीजी, पूरे देश में सोशल सिक्योरिटी लागू कीजिए, बुजुर्गों को 2000 से 3000 पेंशन मिले

गहलोत ने कहा-ओपीएस का भार 25 साल बाद पड़ेगा। जो कर्मचारी 35 साल सरकार की सेवा करता है, उसकी सुरक्षा क्यों नहीं हो? अब जमाना सोशल सिक्योरिटी का है। विकसित देशों में सप्ताह में पैसा मिलता है। अब वक्त आ गया है मोदीजी, देश में सोशल सिक्योरिटी लागू कीजिए। केंद्र 200 रुपए की बुजुर्ग पेंशन देता है, 200 रुपए में क्या होता है। पूरे देश में नीति बने और सबको कम से कम 2000 से 3000 रुपए पेंशन मिले। इसमें आधा पैसा केंद्र सरकार और आधा राज्य दे।

पीएम मोदी से लेकर बड़े अर्थशास्त्री तक ओपीएस के खिलाफ

गहलोत ने कहा कि कर्मचारियों के लिए हमने ओपीएस लागू की, इसका विरोध भी हो रहा है। नीति आयोग ने विरोध किया, वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने विरोध किया है। दुनिया के कई अर्थशास्त्री इसका विरोध कर रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री ओल्ड पेंशन स्कीम के खिलाफ है। हमने मानवीय आधार पर ओपीएस लागू किया है। जो कर्मचारी 35 साल सरकार की सेवा में रहता है, उसे सुरक्षा का अहसास तो होना ही चाहिए। यही मानवीय आधार देखकर मैंने ओपीएस लागू की।

ईआरसीपी पर धोखा दे रहे हैं गजेंद्र शेखावत

गहलोत ने कहा-ईस्टर्न राजस्थान कैनाल 13 जिलों की योजना है, वहां पानी का भारी संकट है। ईआरसीपी में हमारे यहां के मंत्री शेखावत धोखा दे रहे हैं। जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत राजस्थान के हैं लेकिन वे धोखा दे रहे हैं। ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करने पर जब हमने इसका काम शुरू करने का फैसला किया तो अब कह रहे हैं बंद कर दो। यह कहने की हिम्मत कैसे हो गई। हमने 9500 करोड़ का प्रावधान कर दिया।

जब तक पीएम मोदी इसे नेशनल प्रोजेक्ट घोषित नहीं करे तब तक काम रुके नहीं, इसलिए हमने 9500 करोड़ का प्रावधान किया। गहलोत ने कहा, मैंने तो कर्मचारियों क लंबी हड़ताल का सामना किया है। 2003 में कर्मचारियों ने कमाल कर दिया, हमारी सरकार बदल दी। वह बात अलग है। हमें मानवीय आधार पर तमाम विरोध के बावजूद ओपीएस लागू की है।

दुष्कर्म के आरोपी जिस युवक को पुलिस पकड़कर ले गई थाने, वो निकली महिला, मेडिकल रिपोर्ट ने चौंकाया

सिरोही, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस पकड़कर थाने लाई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लड़का नहीं, असल में लड़की है। इसलिए वह दुष्कर्म कर ही नहीं सकती। पुलिस ने आरोपी की बातों पर यकीन नहीं किया लेकिन बार-बार आरोपी के कहने पर मेडिकल करवाया गया। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद पुलिस का भी दिमाग चकरा गया।

रिपोर्टस के अनुसार महिला पुलिस थाने में 28 नवंबर को एक नाबालिग लड़की ने अपहरण कर दुष्कर्म का केस दर्ज करवाया था। उसने बताया कि मेड़ा निवासी शंकर (25 साल) ने उसका अपहरण कर लिया और दो दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की लेकिन मेड़ा गांव में शंकर नाम का कोई युवक नहीं मिला। इस पर पुलिस ने फिर पीड़िता से आरोपी का हुलिया पूछा। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक को 5 दिसंबर को पकड़ लिया और थाने लेकर आई।

'यह नेहरू का भारत नहीं, जो सोते-सोते...'

राहुल के चीन से युद्ध वाले बयान पर बीजेपी का पलटवार

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत चीन सीमा विवाद पर राहुल गांधी ने बयान दिया कि केंद्र सरकार चीन मुद्दे को नजरअंदाज कर रह है। देश की सरकार सोई हुई है और चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनके इस बयान पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि ये भारत उनके परदादा पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का नहीं है। जिन्होंने चीन को भारतीय जमीन हड़पने की अनुमति दी थी।

चीन मुद्दे पर हमले के बाद भाजपा नेता राज्यवर्धन राठौड़ ने राहुल गांधी पर बोला। राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से 135 करोड़ रुपये का चंदा मिला। राहुल गांधी चीन के इतने करीब आ गए हैं कि उन्हें पता है कि वह आगे क्या करने वाला है। राठौड़ ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान, राहुल गांधी ने देश में भ्रम फैलाने और भारतीय सैनिकों का मनोबल गिराने के लिए भारतीय सुरक्षा को लेकर बयान दिया है। यह उनके परदादा नेहरू का भारत नहीं है, जिन्होंने सोते हुए चीन से 37,242 वर्ग किमी जमीन खो दिया था। खुद को रीलांच करने के लिए राहुल गांधी को देश सुरक्षा पर गैर जिम्मेदाराना बयान नहीं देना चाहिए।

वहीं केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीन से पैसा लिया, यह एक प्रकार का भ्रष्टाचार है। पंडित नेहरू और कांग्रेस के शासनकाल में हमारी जमीन किस तरह चीन के पास गई, यह सभी जानते हैं।

क्या कहा था राहुल गांधी ने

भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे होने पर राहुल गांधी जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा केंद्र सरकार चीन मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है। तवांग मुद्दे को छिपाने की कोशिश की जा रही है। देश की सरकार सोई हुई है और चीन ने युद्ध की तैयारी की है। हिंदुस्तान की सरकार रणनीतिक रूप से काम नहीं करती है, इवेंट बेस काम करती है। जहां जिओ पॉलिटिक्स की बात आती है, वहां इवेंट काम नहीं आते, वहां ताकत काम आती है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि चीन पर कोई सवाल नहीं पूछ रहा है। चीन ने 2 हजार स्क्वायर किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया। हिंदुस्तान के 20 जवानों को शहीद किया। वे हमारे जवानों को अरुणाचल प्रदेश में पीट रहे हैं।

अब बीजेपी में सीएम फेस पर रार!

वसुंधरा राजे बोलीं-जो भी फैसला होगा वो ठीक ही होगा

प्रमुख जानकारी

> पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने तोड़ी चुप्पी
> राजे ने दावा किया बीजेपी भारी बहुमत से करेगी सत्ता में वापसी
> गहलोत सरकार पर लगाए राजस्थान में विकास ठप करने का आरोप

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी में सीएम फेस को लेकर जारी विवाद के बीच पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पहली बार मीडिया के सामने चुप्पी तोड़ी. राजे ने मीडिया से कहा कि बीजेपी में जो भी फैसला होगा वो ठीक ही होगा. पार्टी सामूहिक निर्णय करेगी. पार्टी के वरिष्ठ नेता अब तक कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में व्यस्त थे. अब सबका ध्यान राजस्थान पर जाएगा. हम सब मिलकर बेहतर फैसला करेंगे. वसुंधरा राजे ने भरोसा जताया कि बीजेपी भारी बहुमत से प्रदेश की सत्ता में लौटेगी।

वसुंधरा राजे के इस बयान के पीछे उनका आलाकमान पर भरोसा माना जा रहा है. राजे को यकीन है कि राजस्थान बीजेपी में जिस तरह के हालात हैं उससे उनकी स्थिति अन्य नेताओं से किसी भी मामले में कम नहीं हैं. उनका अब भी बड़ा जनाधार है. ऐसे दौर में जब बीजेपी के कई नेता आपस में ही रेस में आगे निकलने की होड़ में जुटे हैं तो राजे को लगता है कि लगातार उपचुनावों की हार भी उनके पक्ष में ही जाएगी।

गहलोत सरकार पर बरसी राजे

मीडिया से बातचीत में वसुंधरा राजे ने गहलोत सरकार पर राजस्थान को विकास के मामले में पीछे धकेलने के आरोप लगाए. राजे ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान को बीमारू प्रदेशों की श्रेणी से बाहर निकालकर बेहतर स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया था. लेकिन कांग्रेस सरकार के नेताओं की आपसी लड़ाई में राजस्थान का विकास ठप हो गया है. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की योजनाएं या तो बंद कर दी गई या फिर उनके नाम बदल दिए गए. पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था के हालात बदतर हैं. गैंगवार की घटनाएं सामान्य बात हो गई है।

शिक्षक ने नाबालिग छात्राओं से की छेड़छाड़

बोला-मैं गैंगस्टर हूं, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

अजमेर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर के केकड़ी में गुरू-शिष्य के रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि अधेड़ उम्र के शिक्षक ने नाबालिग छात्राओं से छेड़छाड़ की। पीड़ित छात्रा के परिजनों ने केकड़ी सिटी थाने में आरोपी शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार अजमेर शहर के एक सरकारी स्कूल में गुरूवार को अर्दवार्षिक परीक्षा दी। इस दौरान आरोपी शिक्षक भंवरलाल मीणा ने पहले तो परीक्षा में अनियमितता बरती। जब छात्राओं ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने धमकाते हुए छात्राओं से अश्लील हरकत की। नाबालिग छात्रा के पिता ने केकड़ी सिटी थाने में आरोपी शिक्षक बीजवाड (टोंक) निवासी भंवरलाल मीणा (51) के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी पुत्री अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए स्कूल आई थी।

गैंगस्टर के मर्डर के लिए जोधपुर से गए थे हथियार

हथियार देने वाला लॉरेंस की 007 गैंग का बदमाश, शॉट गन मिली

बीकानेर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सीकर में हुए गैंगस्टर राजू ठेहट के गैंगवार में अब नया मोड़ सामने आया है। गैंगस्टर के मर्डर की जिम्मेदारी बीकानेर के रोहित गोदारा ने ली थी। जहां से सामने आया कि बदमाशों को रुपए और हथियार भी बीकानेर से भेजे गए थे। लेकिन, बीकानेर डीएसटी (डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम) ने इसकी जांच की तो खुलासा हुआ कि हथियारों का कनेक्शन जोधपुर से निकला। पुलिस ने इस मामले में शुक्रवार को जोधपुर से एक बदमाश को गिरफ्तार किया है, जो 007 गैंग से जुड़ा है। ये गैंग लॉरेंस के गुर्गे संभालते हैं।

दो जगह दी थी दबिश, एक गन भी मिली

राजू ठेहट हत्याकांड की छानबीन कर रही बीकानेर डीएसटी टीम ने जोधपुर में दो जगह दबिश दी थी। बीकानेर पुलिस ने एक ठिकाने पर छापामारी कर 007 गैंग के एक गुर्गे बदमाश हनुमान सिंह को गिरफ्तार किया है। हनुमान सिंह से पुलिस को पंप एक्शन गन बरामद की है। इससे की गई पूछताछ के बाद जब बीकानेर और जोधपुर ग्रामीण पुलिस मनीष सुखाणी के घर पहुंची तो वहां एक गाड़ी में 3.300 ग्राम एमडी (ड्रग) बरामद की।

पुलिस ने सुखाणी के घर से दो गाड़ियों को भी जब्त किया है। बीकानेर एसपी योगेश यादव के निर्देशन में एएसपी अमित कुमार बुडानिया ने गिरफ्तार आरोपी हनुमान सिंह के खिलाफ लोहावट थाने में आर्म्स एक्ट और राजू ठेहट हत्याकांड के षड़यंत्र में शामिल होने के आरोप में मामला दर्ज करवाया है। इस कार्रवाई में सीकर पुलिस, एसओजी और डीएसटी टीम शामिल थी।

इनपुट मिलने के साथ ही टीमें रवाना

एएसपी अमित कुमार बुडानिया ने बताया कि राजू ठेहट हत्याकांड के षड़यंत्र में शामिल बीकानेर के चार आरोपियों को अब तक पकड़ा जा चुका है। इन चार आरोपियों से जब पूछताछ की तो बताया कि जिन हथियारों का इस्तेमाल ठेहट के मर्डर में किया गया था वो जोधपुर में 007 के बदमाशों के पास थे। सूचना मिलने के तुरंत बाद बीकानेर एसपी ने एएसपी अमित कुमार बुडानिया के नेतृत्व में तीन टीमें गठित कर टीम को रवाना किया गया था। एएसपी अमित कुमार बुडानिया ने बताया कि जोधपुर में गिरफ्तार हनुमान सिंह के राजू ठेहट हत्याकांड से भी तार जुड़े होने के संकेत मिले हैं।

बीकानेर से इन आरोपियों की हो चुकी गिरफ्तारी

राजू ठेहट हत्याकांड के बाद अब तक चार आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। हत्याकांड के षड़यंत्र में शामिल और शूटर को रुपए भेजने वाले आरोपी शकील, रोहित गोदारा का फेसबुक अकाउंट मैनेज करने वाले श्रीडूंगरगढ़ के राकेश और गणेश सहित किसमीदेसर के उमेश माली को हथियार सप्लाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। एएसपी अरविंद बुडानिया ने बताया कि उमेश ने बीकानेर से शूटर्स को रुपए ट्रांसफर किए थे। ये रुपए कब और क्यों भेजे गए? इस बारे में पड़ताल की जा रही है। उमेश ने एक बार नहीं बल्कि चार से पांच बार रुपए ट्रांसफर किए थे।

जोधपुर में बच्चों को चर्च ले जाने पर विवाद

पेरेंट्स की बिना परमिशन के ले गए थे, स्कूल मैनेजमेंट ने मांगी माफी

मामला बढ़ा तो बुलानी पड़ी पुलिस

जोधपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में स्कूली बच्चों को चर्च ले जाने पर विवाद हो गया। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं और पेरेंट्स ने इस पर आपत्ति जताते हुए विरोध भी किया। इधर, मामला बढ़ता देख मैनेजमेंट ने माफी मांगी और माना कि वे बिना परमिशन के बच्चों को चर्च ले गए थे। आगे से मैनेजमेंट की तरफ से बिना परमिशन ऐसा कुछ नहीं किया जाएगा।

ये था पूरा मामला

जानकारी के अनुसार पहला पुलिया पर महेश शिक्षण संस्थान की महेश पब्लिक नाम की स्कूल है। स्कूल के बच्चों को सरदारपुरा स्थित एक चर्च में घुमाने के लिए लेकर गए थे। इसका पता चलने पर विहिप के कार्यकर्ता और कुछ बच्चों के पेरेंट्स स्कूल पहुंच गए। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनसे चर्च में प्रार्थना करवाई गई। इधर अभिभावकों ने बताया कि उनकी बिना सहमति के बच्चों को चर्च घुमाया गया जो कि उनके धर्म के विरुद्ध हैं। इसी बात को लेकर विवाद हो गया और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने स्कूल में हंगामा खड़ा कर दिया।

मामला बढ़ा तो बुलानी पड़ी पुलिस

इधर, महेश पब्लिक स्कूल की ओर से ऐसा होने पर पेरेंट्स भड़क गए। स्कूल में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने के बाद देव नगर थानाधिकारी जय किशन सोनी भी मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे विहिप नेताओं और अभिभावकों को समझाने का प्रयास भी किया। इसके बाद स्कूल प्रशासन के भविष्य में बिना अनुमति ऐसा नहीं करने के लिखित आश्वासन के बाद ही अभिभावक और विश्व हिंदू परिषद के नेता शांत हुए। विहिप नेता महेंद्र सिंह तिंवरी ने बताया कि स्कूल के 600-700 बच्चों को आज सरदारपुरा के चर्च में घुमाया गया । उनसे प्रार्थना भी करवाई गई । इस तरीके के धर्म के विरुद्ध आचरण को विश्व हिंदू परिषद कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। इधर, मामला बढ़ता देख महेश स्कूल प्रिंसिपल की ओर से लेटर जारी किया गया।

भारत जोडो यात्रा से लौट रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बस हादसे का शिकार, 2 की मौत

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा में गए हमारे लाहौल स्पीति के साथियों की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में सबार तमाम साथी सुरक्षित हैं। हमारे विधायक रवि ठाकुर उन के साथ हैं। पंचायती राज संस्थाओं का प्रतिनिधिमण्डल बस में सवार थे। घायलों को फ़ौरी राहत देने के लिए राजस्थान सरकार का आभार। राजस्थान की एक पिकअप वाहन बस से टकराई उस में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। हम उन परिवारों के प्रति संवेदनाएं जताते हैं।

राजस्थान में चल रही राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होने के लिए हिमाचल से आए कांग्रेस पदाधिकारियों की बस राजस्थान के दौसा में हादसे का शिकार हो गई। बस में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के गए लाहौल कांग्रेस के पदाधिकारी मौजूद थे। दौसा जिले के सदर थाना क्षेत्र के मालग्वास गांव के समीप कांग्रेस के पदाधिकारियों की एक बस ने पिकअप को टक्कर मार दी। इससे पिकअप में सवार दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें से 10 कार्यकर्ता घायल हुए हैं, जिनमें से दो गंभीर हैं।

जयपुर में श्रद्धा मर्डर जैसा हत्याकांड

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। एक भतीजे ने अपनी ताई की सिर पर हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए उसने चाकू से काटने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सका। बाजार से मार्बल कटर लेकर आया और फिर शव के आठ टुकड़े किए। जिन्हें एक ट्रॉली बैग में भरकर दिल्ली-सीकर हाईवे पर तीन अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। दिल्ली के दिल्ली श्रद्धा मर्डर केस जैसा ये मामला राजस्थान की राजधानी जयपुर में सामने आया है। 11 दिसंबर को हुई वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।

आइए, अब इस हत्याकांड के बारे में विस्तार से जानते हैं। जानकारी के अनुसार वारदात शहर के विद्याधर नगर के सेक्टर-2 की है। मृतका सरोजी देवी की बेटियों पूजा और मोनिका शर्मा ने अपनी मां के गुमशुदा होने का केस 16 दिसंबर को थाने में दर्ज कराया था। दोनों ने चाचा के लड़के अपने अनुज शर्मा पर मां की हत्या करने का भी शक जताया था।

कन्हैयालाल मर्डर केस में चालान जल्दी ही पेश होगा

अमरावती हत्याकांड की चार्जशीट में एनआईए ने दी दलील...

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में हुए कन्हैयालाल जघन्य हत्याकांड के मामले में एनआईए जल्दी ही कोर्ट में चालान पेश करने वाली है। इससे पहले एनआईए ने अमरावती में वेटरनी केमिस्ट उमेश प्रह्लादराव कोल्हे के मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें कहा गया है कि उमेश कोल्हे की हत्या भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा के समर्थन करने के कारण हुई थी।

मीडिया रिपोर्टर्स में बताया कि जांच एजेंसी एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने महाराष्ट्र के अमरावती में मारे गए वेटरनरी केमिस्ट की हत्या नुपूर शर्मा के विवादित बयान का समर्थन करने के कारण की गई थी। जून में उमेश कोल्हे की हत्या की गई थी। एनआईए की चार्जशीट में 11 अभियुक्तों को नामज़द किया गया है। इसमें मुदस्सर अहमद, शाहरुख़ खान, अब्दुल तौफीक शेख, मोहम्मद शोएब, आतिब रशीद, यूसुफ खान, इरफान खान, अब्दुल अरबाज, मुस्तफीक अहमद, शेख शकील और शाहिम अहमद शामिल हैं। एनआईए के प्रवक्ता का कहना है कि इनका मकसद दहशत फैलाना था। एनआईए ने यह भी कहा है कि उमेश कोल्हे की हत्या का पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया या इस्लामिक स्टेट जैसे किसी भी प्रतिबंधित संगठन से कोई संबंध नहीं है।उनका मानना था कि नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट लिखना ईशनिंदा है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा में अब नहीं बढ़ेंगे पद

मंत्री कल्ला बोले : नए शैक्षणिक सत्र से पहले होंगे ग्रेड-थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा विभाग में नई भर्तियों के साथ ही ग्रेड थर्ड टीचर के ट्रांसफर को लेकर लगातार विवाद जारी है। इधर, शिक्षक भर्ती को लेकर भी रोज नया विवाद हो रहा है।

क्या पद बढ़ेंगे या नहीं, क्या चुनावी साल में ये प्रक्रिया पूरी होगी या नहीं। रीट भर्ती परीक्षा के वक्त राजस्थान में सिर्फ 46,500 पदों पर शिक्षकों की भर्ती की जा रही थी। इसके बाद छात्रों की मांग पर हमने एक बार फिर रिव्यू किया और 1500 पदों की संख्या बढ़ाई है। जिसके बाद अब प्रदेश में 48,000 पदों पर शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है। जल्द ही आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जिससे प्रदेशभर के छात्र और युवा संतुष्ट हैं। ऐसे में फिलहाल पदों की संख्या 48,000 ही रहेगी। जो बीजेपी के लोग खुद रोजगार नहीं दे सके। वह अब हमारे खिलाफ अफवाहें फैलाने का काम कर रहे हैं। फिलहाल चुनाव में 1 साल का वक्त बचा है। ऐसे में न सिर्फ शिक्षक भर्ती प्रक्रिया पूरी होगी। बल्कि अभ्यर्थियों को नियुक्ति भी दे दी जाएगी। क्योंकि फरवरी में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। मार्च में रिजल्ट आ जाएगा। इसके बाद डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के आधार पर जल्द से जल्द अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे दी जाएगी।

बीजेपी के लोग छात्रों को भ्रमित कर सिर्फ कुप्रचार कर रहे हैं। जिससे अब कुछ नहीं होने वाला है। ग्रेट थर्ड टीचर्स के पिछली बीजेपी सरकार ने भी चुनाव से ठीक पहले बिना किसी पॉलिसी के मई-जून में कुछ ट्रांसफर किए थे।

डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में 'फेट ला फिएस्टा' आयोजित

केंद्रीय अधिकारी नजर आए रसोइया, विक्रेता के रूप में

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट में फाउंडेशन कोर्स (एफसी) कर रहे अखिल भारतीय सेवा, केंद्रीय, सिविल सेवा और सैन्य इंजीनियर सेवा अधिकारियों ने ऊर्जा और उत्साह के साथ फूड एंड फन फेस्टिवल "फेट-ला फिएस्टा" का आयोजन किया। अधिकारी प्रशिक्षुओं के बीच उत्साह अपने चरम पर था और चारों ओर प्रसन्नता और उल्लास की आभा व्याप्त थी। संस्थान के डीजी और सरकार के प्रधान सचिव बेन्हुर महेश दत्त एक्का ने हवा में रंगीन गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर श्री एक्का ने कहा कि सीखने के लिए केवल अकादमिक इनपुट पर्याप्त नहीं हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान प्रशिक्षण के पोषित लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के एक अभिनव संयोजन का उपयोग करता है। उन्होंने कहा कि एफईटीई एक अधिकारी प्रशिक्षुओं के सीखने के पथ को बढ़ावा देने में शक्तिशाली उपकरण है। आमंत्रित अधिकारियों, उनके परिवार और दोस्तों के लिए यह एक सुखद आश्चर्य था कि अधिकारी प्रशिक्षुओं को पूर्वी क्षेत्र से "बिहारी सत्तू का परांठा", "छत्तीसगढ़ी देहाती बड़ा", "इंदौरी पोहा", "पूरन पोली", आदि जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए देखा गया। पश्चिमी क्षेत्र से, "लस्सी", "मूंग दाल हलवा", आदि "उत्तरी क्षेत्र" से और "चेट्टीनाड चिकन करी", "इडियप्पम", आदि दक्षिणी क्षेत्र से व्यंजन शामिल थे। कुछ अधिकारी प्रशिक्षु ग्राहकों को आकर्षित करने और मुस्कान के साथ उनकी सेवा करने के लिए हार्ड-कोर सेल्सपर्सन बन गए। आमंत्रित लोगों के लिए एक ही छत के नीचे देश भर के विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का लुत्फ उठाने का यह जीवन में एक बार आने वाला अवसर था। खाने-पीने की चीजों के अलावा इस कार्यक्रम में मेहमानों को व्यस्त रखने और उनका मनोरंजन करने के लिए कई रोमांचक खेल भी आयोजित किए गए। आमंत्रित लोगों ने इन स्टालों का भी दौरा किया और प्रदर्शित किए गए सभी खेलों में खेलकूद में अपना हाथ आजमाया। यह कार्यक्रम अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए यह साबित करने का एक मंच था कि वे अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने और व्यावसायिक परियोजनाओं की संकल्पना करने और उन्हें सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सक्षम हैं । वे अच्छा मुनाफा कमाने में सफल रहे, जिसे एक एनजीओ को दान कर दिया जाएगा। अनीता राजेंद्र सीडी ने कहा कि यह आयोजन हमारे प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल को समृद्ध करने में बहुत महत्वपूर्ण था, जो हमारी पेशेवर सफलता के लिए पूर्व-आवश्यकताओं में से एक है। डीके पटेल, आईएफएस "हममें से कई लोगों की इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि है, लेकिन 'एफईटीई' ने हमें व्यावसायिक उद्यमों के प्रबंधन में अपनी तरह का पहला व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया है। यह कुछ ऐसा है जो कोई पाठ्यपुस्तक आपको नहीं सिखा सकती है।

सर्वभौमिक मानव अधिकार परिषद ने दिव्यांगों की सेवा की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्वभौमिक मानव अधिकार परिषद तेलंगाना द्वारा प्रति मास एक बड़ी सेवा के तहत दिव्यांग गृह में सेवा की गई। प्रचार प्रसार सयोजिका श्रीमती हेमा मालिनी तायल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मैजिक शो, बोलने वाली गुड़िया (टॉकिंग डॉल) और डांडिया नृत्य पेश किये गये। इस दौरान सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। साथ ही जरूरतमंद चीजें गिफ्ट के तौर पर दी गई। इस अवसर पर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती माया अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, रितु अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, पुष्पलता अग्रवाल, हेमा मालिनी तायल, शारदा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, रेखा तुलसियान इत्यादि सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यकर्म को सफलता के लिए परिषद की अध्यक्षा श्रीमती माया अग्रवाल ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

सत्य शक्ति शाखा की भ्रमण यात्रा 26 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्य शक्ति महिला शाखा टीवी टावर शाखा द्वारा अपनी शीतकालीन भ्रमण यात्रा 26 दिसंबर को संगारेड्डी स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, भवानी माता मंदिर एवं गणेश मंदिर में आयोजित किया जाएगा। शाखा अध्यक्ष नीति अगरवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि भ्रमण यात्रा में 60 महिलाएं जा रही हैं। एक बस तथा दो कारों की व्यवस्था की गई है। बस दिनांक 26 को सुबह ठीक 7:30 बजे मलकपेट चरमास से रवाना होगी। महिलाओं के मनोरंजन हेतु तंबोला एवं गेम्स की व्यवस्था की गई है। सभी के लिए नाश्ता एवं भोजन की उचित व्यवस्था की गई है। सभी महिलाओं से अनुरोध है कि ठीक समय पर नियत स्थान पर आ जाएं। इस यात्रा को सफल बनाने हेतु शाखा उपाध्यक्ष सुनीता तुलसियान, मंत्री रानी मित्तल एवं शाखा अध्यक्ष नीति अगरवाल - तीनों ने 14 दिसंबर को इन सभी मंदिरों का भ्रमण किया है।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ। प्रथम सत्र के वक्ता डॉ. के. श्रीवल्ली, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, हैदराबाद सरकारी कामकाज की भाषा : हिंदी विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को भारत की संघ की राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों सहित राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) और राजभाषा नियम, 1976 के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कर्मचारियों को उनके दैनिक कामकाज से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों को हिंदी में लिखने का प्रशिक्षण देकर अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र में हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक मु. कमालुद्दीन ने कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त होने वाली प्रशासनिक शब्दावली की उत्पत्ति और उसके प्रयोग की विशेषताओं को रेखांकित किया। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी. रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालत (एनयूएस) का सक्रिय सहयोग रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों को कार्यालय का दैनिक कामकाज राजभाषा में करने के लिए शपथ दिलाई गई।

विश्वमंगल गौशाला में 25 दिसंबर को आयोजित होने वाले एक दिन गौ माता के नाम भजन कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेने के लिए समाजसेवी गज्जुभाई कोलरीया व लुंबाराम सीरवी को आमंत्रित करते हुए विश्नाराम सुथार, दलपतसिंह, शांतिलाल सुथार व अन्य।

तेलंगाना में किचन और महाराष्ट्र में बेडरूम!

आसिफाबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। घर तो वही है, लेकिन किचन तेलंगाना में है और बेडरूम महाराष्ट्र में। क्या आपको लगता है कि यह संभव है? हालांकि, आपको महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के महाजरगुड़ा जाना होगा। उस गांव में उत्तम पवार का घर है। यह घर दो राज्यों की सीमा के बीच में स्थित है। इससे आधा घर तेलंगाना और आधा महाराष्ट्र में चला गया। उस घर में उत्तम और उसके भाई का परिवार भी रहता है। कुल 13 लोग रहते हैं, जबकि दो भाइयों ने इस घर को साझा किया, तेलंगाना में चार कमरे भाई के पास और चार कमरे महाराष्ट्र में उत्तम के पास गए। हालांकि उत्तम के पास जो किचन आया वह तेलंगाना में है। इनमें बाइक और कार के भी दो स्टेट रजिस्ट्रेशन हैं। अधिकारियों ने इस सदन की दीवार पर दो राज्यों की सीमा रेखा खींची है और राज्यों के नाम लिखे हैं।

संकट से गुजर रहे कृषि कार्य में सभी को हाथ बंटाना चाहिए : विधायक

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि को अपने जीवन में सर्वोच्च प्रमुखता देने वाले जाट समाज से जुड़े किसान विधायक मकराना के रुपाराम मुरावतिया ने कहा कि कहा कि आधुनिक एवं डिजिटल युग में जब युवा वर्ग विशेष कर किसानों के परिवार में जन्मा शिक्षित युवा को खेतीबाड़ी के कामों, हल चलाने से नहीं कतराना चाहिए।

जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका ने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि अपने किसानी कार्य से हर किसी का हृदय जीतने वाले ये विधायक ने पिछले कुछ दिनों से तेलंगाना राज्य के करीमनगर और वारंगल जिलों के दौरे पर रहे हैं। दोनों ही जिलों में मकराना एवं राजस्थान के सैकड़ों प्रवासियों द्वारा यहां पर ग्रेनाइट फैक्ट्रियों एवं खनन जैसे कार्य कर रहे हैं।

तेलंगाना में ग्रेनाइट फैक्ट्री उद्घाटन के वक्त विधायक मुरावतिया को नजदीकी खेतों में अपने गृह जिले की नागौरी नस्ल के बैलों द्वारा खेत जोतने का कार्य करते देखते ही आत्मीयता एवं अपनापन का अनुभव करते हुए स्थानीय किसान भाई के साथ खेत जोतने का कार्य किया। राजस्थान एवं तेलंगाना में कृषि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उसमें गर्व की अनुभूति होने के लिए दोनों ही राज्यों में हर कोई उनकी प्रशंसा कर रहा है।

खेत में हल चलाने के बारे में पूछे जाने पर विधायक मुरावतिया ने कहा कि खेतीबाड़ी हमारा पुश्तैनी काम है और आत्मीयता एवं अपनापन से हल चलाते किसान भाई को देखकर स्वयं को रोक नहीं सका एवं बैलों से खेत को जोतने की कोशिश की।

उनका मानना है कि संकट से गुजर रहे कृषि कार्य में सबको हाथ बटाना चाहिए। कई अन्य व्यक्तियों ने बताया कि विधायक मुरावतिया को किसानी करते देख युवा वर्ग इससे प्रेरित होगा और अपने को किसान कहने में शर्म महसूस नहीं करेगा।

मंत्री ने सरकारी अस्पताल में बच्चे को जन्म देने के लिए न्यायाधीश को बधाई दी

हनमकोंडा, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज मंत्री येर्राबेली दयाकर राव और पश्चिम विधायक दास्यम विनय भास्कर ने अरमूर जूनियर सिविल जज आर. शालिनी को बधाई दी, जिन्होंने कुछ दिन पहले हनमकोंडा सरकारी प्रसूति अस्पताल (जीएमएच) में एक बच्ची को जन्म दिया था। दोनों ने शुक्रवार को यहां अस्पताल का दौरा किया और न्यायिक अधिकारी को 'केसीआर किट' सौंपी। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के निर्माण के साथ राज्य में सरकारी क्षेत्र के तहत चिकित्सा सुविधाओं का तेजी से विकास हुआ है। राव ने कहा कि न्यायाधीश होने के नाते, शालिनी ने लोगों को एक अच्छा संदेश देने के लिए एक सरकारी अस्पताल में जन्म दिया।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव सरकारी अस्पतालों को मजबूत करने के इच्छुक हैं। इससे सरकारी अस्पतालों में मरीजों को अच्छा इलाज मिल रहा है। जो लोग कॉर्पोरेट अस्पतालों में जाने का जोखिम नहीं उठा सकते, वे अब सरकारी अस्पतालों में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई सिविल सेवक और अन्य शीर्ष अधिकारी भी इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों को तरजीह दे रहे हैं, खासकर प्रसव के लिए।

क्रिसमस त्यौहार के मद्देनजर मंगलहाट डिवीजन के इंदिरानगर में मेथोडिस्ट चर्च में क्रिसमस गिफ्ट पैक वितरित किए गए। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह लोध, मंडल अध्यक्ष शशिराज सिंह, वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर रेड्डी, श्रीनिवास यादव आदि शामिल हुए।

सेंसर बोर्ड से शाहरुख की फिल्म को सुधारने की अपील

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल ने शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के गाने 'बेशरम रंग' में दीपिका की ड्रेस को लेकर विरोध करते हुए इसे देश की संस्कृति के विपरित बताया। श्री अग्रवाल ने कहा कि जो सीन दिख रहे है, वो अशोभनीय है। भारतीय संस्कृति इसे स्वीकार नहीं कर सकती। हमारे देश की ऐसी परंपरा नहीं है कि इस तरीके के अर्धनग्न सीन नौजवानों के बीच परोसे जाएं। जान बूझकर साजिश के तहत ऐसा किया जा रहा है। उन्होंने सेंसर बोर्ड से मांग की कि जब तक फिल्म से ऐसे विवादित सीन न हटाए जाएं फिल्म के सर्टिफिकेट को रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमे अपने स्वाभिमान की रक्षा स्वयं करनी होगी। ऐसी फिल्में देखनी ही नहीं चाहिए, जहां भी हमारे स्वाभिमान पर चोट हो।

राजस्थान से पधारे प्रसिद्ध लोग गायक भजन सम्राट प्रकाश माली ने रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर के पुजारी सुरेश महाराज व बनवारी महाराज ने उनका सम्मान किया।

एनएमडीसी ने जीता आईईआई उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय खनिक एनएमडीसी ने आज चेन्नई में प्रतिष्ठित आईईआई (इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, इंडिया) इंडस्ट्री एक्सीलेंस अवार्ड 2022 जीता। देश में लौह अयस्क के सबसे बड़े उत्पादक को 37वीं भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस में इसके उत्कृष्ट प्रदर्शन और उच्च स्तर की व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। एनएमडीसी की ओर से एनआरके प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (औद्योगिक इंजीनियरी एवं प्रबंध सेवाएं) ने तमिलनाडु सरकार के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ के. पोनमुडी से पुरस्कार प्राप्त किया। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) किसी कंपनी के व्यवसाय संचालन, वित्तीय प्रदर्शन, पर्यावरण प्रदर्शन, अनुसंधान और विकास, सीएसआर और कॉर्पोरेट अभिशासन नीतियों की समीक्षा करने के बाद उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान करता है। एनएमडीसी अपने घरेलू नेतृत्व को बनाए रखने और वैश्विक खनन कंपनी बनने की दिशा में आगे बढने के लिए पर्यावरण हितैषी, आर्थिक और कुशल दृष्टिकोण के साथ परिवर्तनकारी परियोजनाएं प्रारम्भ कर रहा है। इस अवसर पर सुमित देब अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही एनएमडीसी राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान करने के अपने विजन में दृढ़तापूर्वक कार्य कर रहा है।

कंपनी ने प्रत्येक तिमाही में अपने ही प्रदर्शन को बेहतर बनाने और अभिनव व्यावसायिक रणनीतियां बनाने के लिए समर्पित प्रयास किए हैं।

मारवाड़ी समाज द्वारा श्रीराम कथा आयोजित

सिरपुर कागजनगर, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर कागजनगर के अयोध्या धाम सन्तोष फंक्शन हाल में मारवाड़ी समाज द्वारा आयोजित श्रीराम कथा में व्यासपीठ पर विराजमान आरती रांकावत अपनी मधुरवाणी से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आज राम जन्म पर भक्त और भगवान कि प्रेम पर प्रकाश डाला। कथा का समय मध्यान्ह 2-31 से 6-31 तक बाद में आरती महाप्रसाद का रखा गया है। इस कथा को श्रवण करने हैदराबाद, निज़ामाबाद, चन्द्रपुर, वरंगल, विजयवाडा से श्रद्धालु पहुंचे रहे हैं।

मदनूर स्थित बालाजी मंदिर में धनुर्मास महोत्सव के शुभारम्भ पर आयोजित कार्यक्रम तें भाग लेते हुए श्रद्धालु। इस समय गोविंद काकानी, सुरेश मोदानी, विष्णु शर्मा, सागर सेठ, गोपाल तोषनीवाल, गिरीश तोषनीवाल ,अनिल पारिख, संतोष व्यास के साथ महिला के साथ छोटे बच्चे शामिल थे

भारत को जीत के लिए 4 विकेट की जरूरत

चौथे दिन बांग्लादेश का स्कोर 272/6, अक्षर पटेल ने लिए तीन विकेट

चटोग्राम, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम इंडिया जीत से 4 विकेट दूर है। मैच के चौथे दिन बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में स्टंप्स तक 6 विकेट पर 272 रन बना लिए हैं। शाकिब अल हसन 40 और मेहदी हसन मिराज 9 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की ओर से अक्षर पटेल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए हैं। उमेश यादव, रविचंद्रन अश्विन और कुलदीप यादव को 1-1 विकेट मिला है। मैच के आखिरी दिन रविवार को बांग्लादेश को जीत के लिए 241 रन बनाने होंगे। चौथे दिन के खेल में बांग्लादेश की ओर से जाकिर हसन (100) ने अपने डेब्यू टेस्ट में शतक जमाया। वे डेब्यू पर शतक जमाने वाले चौथे बांग्लादेशी बल्लेबाज बने हैं। नजमुल हसन शान्तो ने 67 रन की पारी खेली। हसन और शान्तो ने पहले विकेट की साझेदारी में 124 रन जोड़े। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए भारतीय टीम को 46 ओवर का इंतजार कराया।

भारत ने इस टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 404 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 150 पर सिमट गई थी। इसके बाद टीम इंडिया ने दूसरी पारी 258/2 के स्कोर पर घोषित कर दी थी और मेजबानों को 513 रन का टारगेट दिया। चौथे दिन का पहला सेशन

बांग्लादेश के नाम रहा। उसके ओपनर्स ने शतकीय साझेदारी की, जबकि भारतीय गेंदबाज विकेट के लिए जूझते नजर आए। इस सेशन में मेजबानों की ओर से 77 रन बने।

इस सेशन में गेंदबाजों ने भारत की वापसी कराई। लंच के बाद से चाय तक बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने 57 रन बनाए। जबकि भारतीय गेंदबाजों ने तीन विकेट झटके। पहले उमेश यादव ने शान्तो को आउटकर ओपनिंग पार्टनरशिप तोड़ी। उसके बाद अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने दो झटके देकर मेहमान टीम को पीछे धकेला।

आखिरी सेशन में अक्षर पटेल ने कमाल की गेंदबाजी की। इस सेशन में उन्होंने दो विकेट लिए। एक विकेट अश्विन के हिस्से आया। शाम की चाय के बाद बांग्लादेश ने 96 रन बनाए। जबकि भारत ने 3 विकेट चटकाए।

ऐसे गिरे बांग्लादेश के विकेट

पहला : 47वें ओवर की पहली गेंद पर शान्तो आउट हुए। उमेश की बॉल पर कोहली से छूटने के बाद पंत ने दूसरे प्रयास में कमाल का कैच पकड़ा। दूसरा : अक्षर पटेल ने 50वें ओवर की आखिरी बॉल पर यासिर अली को बोल्ड कर दिया। यासिर 5 रन ही बना सके थे। तीसरा : 69वें ओवर में कुलदीप यादव ने लिटन दास (19) को उमेश यादव के हाथों कैच कराया।चौथा : जाकिर हसन को अश्विन ने 79वें ओवर में कोहली के हाथों कैच कराया। अश्विन को इस मैच का पहला विकेट मिला। पांचवां : 88वें ओवर में अक्षर ने मुश्फिकुर रहीम (23) को बोल्ड कर दिया। छठा : रहीम के बाद अक्षर ने नुरुल हसन को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया।

बांग्लादेशी ओपनर जाकिर हसन ने अपने डेब्यू मैच में टेस्ट शतक जमाया। वे ऐसा करने वाले बांग्लादेश के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले अमीनुल इस्लाम (145), मोहम्मद अशरफुल (114), अबुल हसन (113) ने यह कारनामा किया है। जाकिर ने 224 गेंदों पर 100 रन बनाए। उन्होंने 12 चौके और एक छक्के से सजी पारी खेली।

डेब्यू टेस्ट खेल रहे जाकिर हसन ने शतक जमाया है। उन्होंने 220 गेंदों में पहली टेस्ट सेंचुरी पूरी की। हसन के अलावा नजमुल हसन शान्तो ने भी अर्धशतक जमाया। शान्तों ने अपने टेस्ट करियर का तीसरा अर्धशतक जमाया है। दोनों के बीच 124 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई।

टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी 258/2 पर घोषित की। भारत की ओर से 2 शतक आए। ओपनर शुभमन गिल ने 110 रन बनाए। जबकि चेतेश्वर पुजारा ने 102 रनों की नाबाद पारी खेली। विराट कोहली 19 रन बनाकर पुजारा के साथ नाबाद लौटे। पुजारा ने 51 पारियों और तीन साल 11 महीने बाद टेस्ट में शतक जमाया। जैसे ही पुजारा का 19वां शतक पूरा हुआ, कप्तान केएल राहुल ने पारी की घोषणा कर दी।

ब्रिस्बेन टेस्ट के पहले दिन गिरे 15 विकेट

साउथ अफ्रीका की पहली पारी 152 रन पर सिमटी, ऑस्ट्रेलिया 145/5

बिस्ब्रेन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार को ब्रिस्बेन में शुरू हुआ। पहले दिन गेंदबाजों का बोलबाला रहा और 15 विकेट गिरे।

कंगारू टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और साउथ अफ्रीका को महज 152 रन पर ऑलआउट कर दिया। काइल वेरेन्ने ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। मिचेल स्टार्क और नाथन लायन ने 3-3 विकेट लिए। पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड को दो-दो सफलता मिली। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी संघर्ष करते दिखे। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोकर 145 रन बनाए हैं। टीम अब भी साउथ अफ्रीका से 7 रन पीछे है और उसके 5 विकेट बाकी हैं। ट्रैविस हेड 78 रन बनाकर नाबाद हैं। स्टीव स्मिथ ने 36 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा और एनरिक नोर्त्या ने 2-2 विकेट लिए। 1 सफलता मार्को यान्सेन को मिली।

ऑस्ट्रेलिया को बिना खाता खुले लगा पहला झटका

अफ्रीका की पहली पारी के 152 रनों के जवाब में उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी

अच्छी नहीं रही। पहली ही गेंद पर रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। उन्होंने ओपनर डेविड वार्नर का कैच खाया जोंडो के हाथों करवा कर पवेलियन भेजा। वहीं ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका मार्नस लाबुसेन के विकेट रूप में लगा। नौवें ओवर की पहली गेंद पर मार्को जानसेन ने कैप्टन डीन एल्गर के हाथों कैच करवा कर लाबुसेन को पवेलियन की राह दिखाई। ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका भी जल्द ही लग गया। उस्मान ख्वाजा भी 27 के स्कोर पर आउट हो गए। उसके बाद स्टीव स्मिथ ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर पारी को संभाला। स्मिथ 68 गेंदों पर 36 बनाकर आउट हो गए। तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 144 रन था। स्मिथ जाने के बाद हेड भी 1 रन बाद ही आउट हो गए। उन्होंने 78 का सामना कर 77 रन बनाए।

अफ्रीका की ओर से रबाडा और नॉर्त्या को 2-2 सफलता

अफ्रीका की ओर से रबाडा ने11.1 ओवर में 50 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं एनरिक ने भी 8 ओवर में 37 रन देकर ऑस्ट्रेलिया के 2 खिलाड़ियों को पवेलियन की राह दिखाई। इसके अलावा मार्को जेनसन को एक सफलता मिली।

27 रन के अंदर अफ्रीका के गिर गए चार विकेट

अफ्रीका की शुरुआत बहुत ही खराब रही। 27 रन के भीतर चार बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। ओपनर और कैप्टन डीन एल्गर केवल 3 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए। उस समय टीम का स्कोर 12 रन था। उसके बाद बल्लेबाजी करने आए रेसी वैन डेर ड्यूसेन भी 27 रन के स्कोर पर आउट हो गए। फिर ओपनर सरल इरवे चलते बने। उन्होंने 10 रन बनाए। वहीं 27 रन पर ही खाया जोंडो भी बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इस तरह 27 के स्कोर पर 3 खिलाड़ी लौट गए। 7 बल्लेबाज को 10 रन तक भी नहीं पहुंच पाए।

बावूमा और कैइल के बीच 98 रन की साझेदारी

वहीं टेंबा बावूमा और काइल वेरेन्ने ने अफ्रीका की पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच 98 रन की साझेदारी हुई। वेरेन्ने ने 96 गेंदों का सामना कर 64 रन और बावूमा ने 70 गेंदों का सामना कर 38 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया।

लायन और स्टार्क ने लिए 3-3 विकेट

ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन लायन और मिचेल स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी की। नाथन ने 8 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं मिशेल स्टार्क ने 14 ओवर में 41 रन देकर 3 विकेट लिए। इन दोनों के अलावा पैट कमिंस ने 35 रन देकर 2 और स्कॉट बोलेंड ने 28 रन देकर 2 विकेट लिए।

बदला रहेगा अगला वर्ल्ड कप

टीमें बढ़ेंगी पर यूरोप को फायदा नहीं

महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व

महाद्वीप	पहले	2026
एशिया	4.5	8
अफ्रीका	5	9
नॉर्थ/सेंट्रल अमेरिका	3.5	6
साउथ अमेरिका	4.5	6
ओसियाना	0.5	1
यूरोप	13	16

कतर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दोहा। कौन होगा इस साल का वर्ल्ड कप चैम्पियन? इस सवाल का जवाब केवल एक मैच दूर है। 18 दिसंबर को अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच फाइनल होगा। लेकिन, फुटबॉल एक्सपर्ट्स 2026 वर्ल्ड कप को लेकर अभी से चिंतित हैं। चिंता का बड़ा कारण अगले वर्ल्ड कप में ज्यादा टीमों का हिस्सा लेना है। साल 1998 से अब तक हर 32 टीमें हिस्सा लेती हैं। लेकिन, 2026 में 48 देश हिस्सा लेंगे। ये फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार होगा। 46 टीमें क्वालिफायर मैच खेलकर क्वालिफाई करेंगी जबकि दो टीमें मिनी टूर्नामेंट से चुनी जाएंगी। फीफा के अनुसार, वर्ल्ड कप आयोजित करने का मकसद सिर्फ चैम्पियन टीम की तलाश करना नहीं होता, बल्कि हर महाद्वीप पर फुटबॉल को बढ़ावा देना होता है। वर्ल्ड कप में जितनी ज्यादा टीमें भागीदारी करती हैं फुटबॉल को उतना ही बढ़ावा मिलता है। लेकिन, एक्सपर्ट्स के अनुसार 48 टीमों के साथ टूर्नामेंट का फॉर्मेट तैयार करने में आयोजकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

अगली बार यूरोप की सिर्फ तीन टीमें बढ़ेंगी, एशिया महाद्वीप की टीमों की संख्या बढ़कर आठ हो जाएगी

32 टीमों के टूर्नामेंट में 13 टीमें यूरोप की हुआ करती थी, जो कुल टीमों का 40% हुआ करता था। पर अब 48 टीमों में 16 टीमें यूरोप की होगी, जो कुल टीमों का एक तिहाई होगा।

फॉर्मेट की समस्या: 2 फॉर्मेट पर चर्चा कर रहे हैं वर्ल्ड कप के एक्सपर्ट

48 टीमों के हिस्सा लेने के साथ ही फॉर्मेट की समस्या फीफा के सामने है। अभी अधिकारिक रूप से फीफा ने कोई फॉर्मेट नियुक्त नहीं किया है। लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार 2 फॉर्मेट को तरजीह दी जा सकती है।

1. पहला, जिसमें 4 टीमों के 12 ग्रुप बनाए जाएंगे। हर ग्रुप में टॉप-2 टीमें नॉकआउट स्टेज में क्वालिफाई करेंगी। उनके साथ 8 अन्य टीमें अगले दौर में क्वालिफाई करेंगी, जिन्हें गोल अंतर के आधार पर चुना जाएगा। लेकिन, इसे अन्य बाहर हुई टीमों के साथ अन्याय के तौर पर देखा जा रहा है।

2. अन्य फॉर्मेट में 3 टीम के 16 ग्रुप बनाए जाएंगे। हर टीम ग्रुप में 3 मैच खेलेगी और हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें 32 टीमों के नॉकआउट स्टेज में क्वालिफाई करेगी। लेकिन, इस फॉर्मेट में ग्रुप स्टेज का अंतिम चरण निरर्थक साबित हो सकता है। ग्रुप की 2 टीमें तीसरी टीम को बाहर करने के लिए आपस में नतीजा तय कर सकती हैं।

वर्ल्डकप में हार के बाद टीमों में कोच बदलेंगे

ब्राजील तय नहीं कर पा रहा कि कोच देसी हो या विदेशी

कतर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में बड़ी टीमों की हार के बाद कई बदलाव होने तय हैं। कुछ कोच टीम की हार के बाद स्वयं ही पद से इस्तीफा दे चुके हैं, वहीं अन्य टीमें नए कोच की तलाश में लगी हैं। ब्राजील के कोच टीटे, स्पेन के लुईस एनरिक, मैक्सिको के टाटा मार्टिनो, साउथ कोरिया के पाउलो बेंटो, घाना के ओटो अड्डो और बेल्जियम के रॉबर्ट मार्टिनेज, नीदरलैंड्स के लुईस वैन गाल आदि वो बड़े नाम हैं जो अपनी-अपनी टीमों की हार के बाद पद छोड़ चुके हैं। सबसे ज्यादा मुश्किल ब्राजील को होने वाली है, जहां पूर्व खिलाड़ियों और मौजूदा खिलाड़ियों के बीच नए कोच को लेकर एक राय बनती नजर नहीं आ रही है।

ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार, ब्रूनो आदि नए कोच के पद के लिए पूर्व ब्राजीलियन फर्नांडो डिनिज को दावेदार मान रहे हैं। वहीं पूर्व महान खिलाड़ी रोनाल्डो चाहते हैं कि वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद उनकी टीम को एक विदेशी कोच लीड करे। रोनाल्डो के अनुसार, 'डिनिज बुरे कोच नहीं हैं, पर हमारे पास उनसे भी बेहतर विकल्प मौजूद हैं।' रोनाल्डो इटली के कार्लो एंसेलोटी, स्पेन के पेप गुआर्डिओला और पुर्तगाल के अबेल फेरियेरा की वकालत कर रहे हैं। हालांकि, ऐसा होना आसान नहीं होगा, क्योंकि ब्राजील के इतिहास में किसी विदेशी ने कोच की जिम्मेदारी नहीं संभाली है।

मौजूदा वर्ल्ड कप में देखने को मिला है कि घरेलू कोच टीम को नई ऊंचाइयों पर लेकर जा सकते हैं। मोरक्को के वालिद रेग्रागुई ने कुछ महीने पहले ही टीम की जिम्मेदारी संभाली और उसे सेमीफाइनल तक पहुंचा दिया। अर्जेंटीना के लियोनेल स्कालोनी को वर्ल्ड कप से पहले क्लब फुटबॉल की कोचिंग का अनुभव भी नहीं था, पर उनकी टीम फाइनल तक पहुंच गई।

बिग बैश लीग 2022 : 15 रन पर सिमट गई सिडनी थंडर की पूरी टीम, 10वें नंबर पर आए खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा चार रन बनाए

मेलबर्न, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सिडनी थंडर की टीम पूरे मैच में सिर्फ एक चौका लगा पाई। यह चौका दसवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए ब्रेंडन डॉगेट के बल्ले से निकला और वह टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

बिग बैश लीग 2022 में सिडनी थंडर की टीम ने शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम किया है। एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ मैच में यह टीम सिर्फ 15 रन के स्कोर पर सिमट गई और टी20 क्रिकेट का सबसे छोटा स्कोर अपने नाम किया। इस मैच में सिडनी की टीम पूरा पावरप्ले भी नहीं खेल पाई और सिर्फ 35 गेंद के अंदर सभी 10 विकेट खो दिए।

10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए ब्रेंडन डॉगेट ने चार रन बनाए और टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। सिडनी की पारी का एकमात्र चौका भी उन्हीं के बल्ले से निकला।

इस मैच में एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट खोकर 139 रन बनाए थे। क्रिस लिन ने सबसे ज्यादा 36 और कॉलिन डी ग्रांडहोम ने 33 रन बनाए थे। फजलहक फारुखी ने तीन विकेट लिए थे। ऐसे में सिडनी की टीम के सामने आसान लक्ष्य था। हालांकि, इसके जवाब में सिडनी ने पहले ओवर में ही एक विकेट खो दिया। इसके बाद दूसरे ओवर में दो, तीसरे ओवर में दो, चौथे ओवर में एक, पांचवें और छठे ओवर में दो-दो विकेट खोए। इसके साथ ही यह टीम 35

गेंद के अंदर मैच हार गई। एडिलेड के लिए हेनरी थॉर्टन ने पांच और वेस एगर ने चार विकेट लिए। मैथ्यू शॉर्ट को एक विकेट मिला। सिडनी की टीम यह मैच 124 रन से हार गई।

खाता नहीं खोल सके चार बल्लेबाज

सिडनी थंडर के चार खिलाड़ी तो खाता भी नहीं खोल सके। इनमें एलेक्स हेल्स, मैथ्यू जाइल्क्स, कप्तान जेसन सांघा, क्रिस ग्रीन और गुरिंदर संधू शामिल हैं। राइली रूसो तीन रन, एलेक्स रॉस दो रन, सैम्स एक रन, ओलिवर डेवीज एक रन, डॉगेट चार रन बनाकर आउट हुए। वहीं, फारुकी एक रन बनाकर नाबाद रहे।

खतरनाक है टी20 का नया अंदाज

बिग बैश लीग में किसी टीम का 15 रन पर सिमट जाना सामान्य बात नहीं है। क्योंकि, इस लीग में ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों के कई बड़े खिलाड़ी खेलते हैं और सभी टीमों में शामिल अधिकतर बल्लेबाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमाल करने की क्षमता रखते हैं। इसके बावजूद एक टीम 15 रन पर सिमट गई। इसके लिए टी20 क्रिकेट खेलने का नया अंदाज जिम्मेदार है। क्रिकेट में पारंपारिक रूप से बल्लेबाज विकेट गिरने के बाद संभलकर खेलते हैं। अब तक इसी अंदाज से सभी टीमें खेल रही थीं, लेकिन ट्री20 क्रिकेट की मात्रा बढ़ने के बाद इंग्लैंड ने फटाफट क्रिकेट खेलने का नया अंदाज शुरू किया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पहली गेंद से ही बड़े शॉट खेलने शुरू किए और विकेट गिरने पर भी बल्लेबाजों के रवैये में बदलाव नहीं आया। इसका नतीजा यह हुआ कि इंग्लैंड ने वनडे और टी20 क्रिकेट में कई बड़े स्कोर बनाए। इंग्लैंड ने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इंग्लैंड को देखकर बाकी टीमों ने भी यही अंदाज अपनाया और अब सभी टीमें इसी तरीके से टी20 क्रिकेट खेल रही हैं। इसी वजह से सिडनी के विकेट लगातार गिरते रहे, लेकिन जो भी नया बल्लेबाज आया उसने क्रीज पर रुककर खेलने की कोशिश नहीं की। विकेट गिरते रहे और नया बल्लेबाज शॉट खेलने के प्रयास में आउट होता गया। इसी वजह से टीम 15 रन पर सिमट गई।

टेनिस पर गहराया फिक्सिंग का साया

आईटीए ने खिलाड़ियों को किया बैन

कतर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। टेनिस की दुनिया में पिछले कुछ दिनों में फिक्सिंग के कई मामले सामने आए हैं. इसे लेकर टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी काफी सख्त हो गई है चीन के टेनिस खिलाड़ी बाओलुओ झेंग पर मैच फिक्सिंग की बात स्वीकार करने के बाद नौ महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया है. अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने यह जानकारी दी.

एजेंसी ने बयान में कहा, 'इस 21 वर्षीय खिलाड़ी को विरोधी खिलाड़ी ने मिस्र में अक्टूबर 2022 में खेले गए टूर्नामेंट के दौरान जानबूझकर मैच गंवाने के लिए धनराशि देने की पेशकश की थी.'

बाओलुओ झेंग पर इसके अलावा चार लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. इनमें 2000 डॉलर का जुर्माना निलंबित होगा इस खिलाड़ी ने भ्रष्टाचार निरोधक कानूनों के उल्लंघन की बात स्वीकार की थी. उसे 27 अक्टूबर को अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया था. झेंग फिक्सिंग के कारण बैन झेलने वाली अकेले खिलाड़ी नहीं हैं.

चिली की टेनिस प्लेयर बारबरा गालटिका एविल्स पर भी तीन साल का बैन लगा है. इंटरनेशनल इंटिग्रिटी एजेंसी ने बताया कि बारबरा ने साल 2016 में जानबूझकर मैच हारा था और इसी वजह से उनपर बैन लगाया गया है. साथ ही साथ पांच हजार डॉलर का फाइन भी लगा है.

गाटिका एविल्स मौजूदा समय में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 256वें स्थान पर है. उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 158 रही है. हालांकि वह कभी भी ग्रैंड स्लैम का मुकाबला नहीं खेल पाई हैं. कुछ दिन पहले फ्रांस के दो खिलाड़ियों पर भी फिक्सिंग के लिए आजीवन बैन लगाया गया था.

हरियाणा के बच्चे ने श्रीलंका में लहराया परचम, शतरंज में जीता गोल्ड मेडल

खेल डेस्क, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के इस होनहार बच्चे ने श्रीलंका में जाकर अपने बेहतरीन खेल से स्कूल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है और भारत का नाम रोशन किया है.

शतरंज काफी मुश्किल खेलों में गिना जाता है. इसमें शारीरिक मेहनत से ज्यादा दिमाग लगता है और इसलिए इसे काफी मुश्किल माना जाता है और भारत के सिद्धांत राणा इसी मुश्किल खेल में कमाल किया है. सिद्धांत ने श्रीलंका में खेले गए अंडर-7 टूर्नामेंट में अपने शानदार प्रदर्शन से भारत का नाम रोशन किया है.

वासकादूआ (श्रीलंका) में आयोजित की गई सोलवीं एशियन स्कूल चेस चैंपियनशिप में अंडर-7 वर्ग में फरीदाबाद के सिद्धांत राणा ने गोल्ड मेडल जीता है.

सिद्धांत राणा ने 9 राउंड में से आठ मैच जीते. आपको बता दें कि यह प्रतियोगिता श्रीलंका चेस फेडरेशन द्वारा कराई गई थी. इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया.

सिद्धांत राणा इससे पहले भी इस साल नेशनल स्कूल चेस

टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं.

सिद्धांत हरियाणा के पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 2 स्वर्ण और एक सिल्वर मेडल जीता है. सिद्धांत को श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया.

तेलंगाना के विभिन्न जिलों में पांच नए आईटी हब जल्द : केटीआर

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में आईटी क्षेत्र का विस्तार करने के राज्य सरकार के प्रयासों के तहत तेलंगाना के विभिन्न जिलों में जल्द ही पांच नए सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र होंगे। ये निजामाबाद, महबूबनगर, नलगोंडा, सिद्दीपेट और आदिलाबाद में होंगे। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने शनिवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपने 3डी मंत्र-डिजिटाइज़, डीकार्बोनाइज़ और विकेंद्रीकरण के हिस्से के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी को जिला मुख्यालयों तक ले जा रही है। जबकि वारंगल, खम्मम और करीमनगर आईटी हब पहले से ही सफलतापूर्वक चल रहे है। अगली पंक्ति में निजामाबाद, महबूबनगर, नालगोंडा, सिद्दीपेट और आदिलाबाद में आईटी हब होंगे। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में,

इन आईटी हब के लिए आगामी संरचनाओं की तस्वीरें टैग करते हुए, रामा राव ने कहा कि निजामाबाद आईटी हब का उद्घाटन होने के लिए लगभग तैयार है और विधायक गणेश बिगला को उनके 'लगातार प्रयासों' और बीआरएस एनआरआई सेल के लिए भी बधाई दी। स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एनआरआई के नेतृत्व वाले उद्यमों को लाने के लिए वैश्विक समन्वयक महेश बिगाला का भी आभार जताया। महबूबनगर आईटी हब का उद्घाटन होने में लगभग एक महीना बाकी है, उन्होंने कहा कि मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ अपने प्रयासों में 'बेहद मेहनती' है। उन्होंने कहा कि मंत्री टी. हरीश राव के केंद्रित प्रयासों से सिद्दीपेट आईटी हब अच्छी तरह से आकार ले रहा है, उन्होंने कहा कि अब से कुछ महीने बाद, निजामाबाद और महबूबनगर आईटी हब के बाद, सिद्दीपेट आईटी हब का भी अनावरण किया जाएगा।

उन्होंने मंत्री जी जगदीश रेड्डी और नलगोंडा के विधायक के भूपाल रेड्डी के प्रयासों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस बीच नलगोंडा आईटी हब निर्माणाधीन था और इसे चार से छह महीने में तेजी से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे थे।

भारतीय पुस्तकालय कांग्रेस उत्सव के लिए कविता आमंत्रित

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय पुस्तकालय कांग्रेस द्वारा 1 जनवरी से 3 जनवरी तक केरल के कन्नूर में आयोजित होने वाले पुस्तकालयों के उत्सव में भाग लेने के लिए बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता को आमंत्रित किया गया है। भारतीय पुस्तकालय कांग्रेस इस तीन दिवसीय उत्सव का आयोजन कर रही है जिसका उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन के लिए ज्ञान का संदेश फैलाना है। पुस्तकालयों के व्यापक विकास के लिए विचार-विमर्श होगा। इसका उद्देश्य पुस्तकालयों को केवल किताबों की दुकानों से अधिक बनाना है, बल्कि मनोरंजन और ज्ञान के केंद्र भी बनाना है। लाइब्रेरी कांग्रेस कई सार्वजनिक संस्थानों और संगठनों की एक संयुक्त पहल है। भारतीय पुस्तकालय कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने एमएलसी कविता को निमंत्रण दिया है, जिन्होंने निमंत्रण को तुरंत स्वीकार कर लिया है और वादा किया है कि वह 2 जनवरी की शाम को होने वाले सांस्कृतिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी और इसके बाद 3 जनवरी को संस्कृति पर चर्चा होगी।

तेलंगाना ने केंद्र से जीएसटी में छूट मांगी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने शनिवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत लघु सिंचाई जलाशयों, बीड़ी पत्तियों और कस्टम मिलिंग और परिवहन सेवाओं के रखरखाव और मरम्मत कार्यों के लिए जीएसटी छूट की मांग की।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन की अध्यक्षता में बुलाई गई 48वीं जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने ये मांगें रखीं। बैठक के दौरान, हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना में लघु सिंचाई के अंतर्गत 46,000 जलाशय हैं। इन ढांचों से 25 लाख एकड़ में सिंचाई के पानी की आपूर्ति की जा रही थी। हालाँकि, इन संरचनाओं को सालाना बनाए रखना बहुत आवश्यक था और तेलंगाना सरकार इन कार्यों को नियमित रूप से करती है। उन्होंने कहा कि इन रखरखाव और मरम्मत कार्यों को जीएसटी से छूट दी जानी चाहिए।

मंत्री ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित कस्टम मिलिंग और परिवहन सेवाओं के लिए जीएसटी से छूट की भी मांग की। इन सेवाओं पर जीएसटी लगाने से, जो अनिवार्य रूप से गरीब लोगों के लाभ के लिए शुरू की गई थी, राज्य सरकार पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा। इसलिए, उन्हें जीएसटी से छूट दी जानी चाहिए। तेलंगाना सरकार बीड़ी की पत्तियों पर टैक्स लगाने का विरोध करती रही है। केंद्र सरकार पहले से ही बीड़ी पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा रही है और बीड़ी के पत्तों पर भी 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का कदम, जो बीड़ी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है, पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे गरीबों, विशेषकर आदिवासी लोगों और महिलाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित होंगे, उन्होंने केंद्र से इन कारकों पर विचार करने और बीड़ी के पत्तों को जीएसटी से छूट देने के लिए कहा।

इससे पहले टैक्स इनवॉयस नियमों में संशोधन के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि परिषद के समक्ष विचार के लिए कुछ शंकाएं पेश की जा रही हैं। दूरसंचार सेवाओं के संबंध में, ट्राई के नियमों के अनुसार, डिजिटल भुगतान कंपनियों जैसे पेटीएम और अन्य के पास ग्राहक का पता, पिन नंबर आदि नहीं है। इसके कारण, जिन राज्यों में उपभोक्ता स्थित हैं, उनका राजस्व अन्य राज्यों में जा रहा है। उन्होंने अपील की कि इसे सुलझाने पर विचार किया जाना चाहिए। जीएसटी परिषद ने तेलंगाना सरकार द्वारा किए गए मुद्दों और अपीलों को जांच के लिए जीएसटी फिटमेंट कमेटी को अग्रेषित करने के निर्देश जारी किए हैं।

केंद्रीय वित्त सचिव ने कहा कि कर चालान नियमों में संशोधन के संबंध में तेलंगाना सरकार द्वारा उठाए गए मुद्दों को भी संबोधित किया जाएगा।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर का इस्तेमाल राजनीतिक दुश्मनी के लिए न करें : निरंजन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से ऐतिहासिक चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर इस तरह की गतिविधियों के लिए जगह दी गई तो मंदिर की पवित्रता और आध्यात्मिक माहौल खराब हो जाएगा।

यहां गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, टीपीसीसी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि देश और दुनिया के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु रोजाना माता के दर्शन के लिए मंदिर आते हैं और इस तरह के राजनीतिक प्रतिशोध से उनकी शांति और ध्यान भंग होता है।

टीपीसीसी नेता ने कहा कि टीआरएस विधायक रोहित रेड्डी ने आज भाजपा नेताओं को उनके खिलाफ अपने आरोपों को साबित करने के लिए रविवार को श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर आने की चुनौती दी, जो उचित नहीं है। वह किसी भी चौराहों पर बैठ कर चुनौती दे सकते हैं, लेकिन भाग्यलक्ष्मी मंदिर में नहीं। कोई भी व्यक्ति मठ के दर्शन कर सकता है, लेकिन मंदिर के आयोजकों को किसी को भी अपने राजनीतिक प्रतिशोध के लिए परिसर का दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। उन्होंने मीडिया और पुलिस से भी यह देखने का अनुरोध किया कि कोई भी मंदिर में राजनीतिक मुद्दों पर न बोले।

टीपीसीसी नेतृत्व के खिलाफ तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

वरिष्ठ नेताओं ने 'कांग्रेस बचाओ' अभियान शुरू किया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि राज्य में कांग्रेस पार्टी को नष्ट करने की साजिशें रची जा रही हैं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने 'कांग्रेस बचाओ' अभियान शुरू किया है। विभिन्न समितियों की हालिया नियुक्ति से नाराज पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क के आवास पर बैठक की।

उन्होंने कहा कि दूसरे दलों से आए नेताओं के कारण प्रदेश कांग्रेस को अपूरणीय क्षति हो रही है। अन्य दलों से कांग्रेस में शामिल होने वाले नेताओं को पार्टी का शासन सौंपने का प्रयास किया जा रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, जिन नेताओं ने वर्षों तक पार्टी की वफादारी से सेवा की, उन्हें अलग-अलग समितियों में प्रमुख पदों का आवंटन करते समय नजरअंदाज कर दिया गया। टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष और नलगोंडा के सांसद एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कथित तौर पर आरोप लगाया कि विभिन्न समितियों में नियुक्त 108 सदस्यों में से 58 तेलुगू देशम पार्टी से थे। उन्होंने कहा कि एक नेता, जिसने चार राजनीतिक दलों को स्थानांतरित कर दिया है, कांग्रेस का पारदर्शी और प्रतिबद्धता के साथ नेतृत्व कैसे कर सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी में जानबूझकर कांग्रेस पार्टी के नेताओं को सोशल मीडिया पर बदनाम किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ सोशल मीडिया पर भी अभियान चलाया जा रहा है। यह तब सामने आया जब पुलिस ने कांग्रेस पार्टी के रणनीतिकार सुनील कानूनगोलू के कार्यालय पर छापा मारा। मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि टीपीसीसी या एआईसीसी कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। पूर्व सांसद मधु याक्षी गौड़ ने कहा कि राज्य में चरित्रहीन लोग पार्टी का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सच्चे नेताओं और दूसरी पार्टियों से आए लोगों के बीच कड़ा विरोध है। हम वफादार कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के कारण के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

आंध्र में टीडीपी-वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प

झडप के बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जांच-पड़ताल करते हुए पुलिसकर्मी।

एक-दूसरे पर पत्थर फेंके, आगजनी की, धारा 144 लागू

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पालनाडु जिले में हुई इस घटना में टीडीपी-वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के साथ मारपीट की। झड़प में कई वाहनों को भी जला दिया गया। मामला बढ़ता देख पुलिस ने लाठी चार्ज कर भीड़ को हटाया। यह घटना जिले के माचेरला इलाके में हुई है। फिलहाल यहां धारा 144 लगा दी गई है। दरअसल, यहां के माचेरला गांव में वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ टीडीपी कार्यकर्ता रैली करने जा रहे थे। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एक-दूसरे से भिड़ गए और पत्थरबाजी करने लगे। इसमें दोनों तरफ के लोगों को चोटें आईं। हिंसक झड़प में कई घरों और गाड़ियों में आग लगा दी गई। अब दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर हिंसा भड़काने का आरोप लगा रही हैं। दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं में हुई झड़प के दौरान माचेरला इलाके में कई घरों और दफ्तरों में आग लगा दी गई।

टीडीपी का कहना है कि वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ताओं ने उनके ऑफिस और नेताओं की गाड़ी में आग लगाई, जबकि रूलिंग पार्टी का कहना है कि इस झड़प में तेलुगु देसम पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यकर्ताओं को चोट पहुंचाई। टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इस हमले को लेकर गंटूर डीआईजी से पूछा है कि जब माचेरला में हालात इतने गंभीर हो गए, तो पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की? दोनों पार्टियों में हुए विवाद को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पीपुल परसेप्शन सर्वे-2022 में हैदराबाद को सबसे आगे रखा जाए : महापौर

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने लोगों से शहर में आसानी से रहने के लिए पीपुल्स परसेप्शन सर्वे 2022 में भाग लेने और हैदराबाद को देश में अग्रणी बनाने के लिए कहा है। हैदराबाद के निवासियों को जीएचएमसी द्वारा प्रदान की जाने वाली बुनियादी सुविधाओं की सेवाओं पर पीपुल्स परसेप्शन सर्वे-2022 के संदर्भ में, केंद्रीय शहरी और आवास मामलों के मंत्रालय ने 9 नवंबर से 23 दिसंबर तक अधिक आबादी वाले शहरों में आयोजित किया। 10 लाख से ज्यादा शहरवासी हमारे हैदराबाद शहर का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में सर्वे में भाग लें और अपने विचार व्यक्त करें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मामले मंत्रालय के तत्वावधान में सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का सर्वेक्षण प्रत्येक विषय पर लोगों से किया जाता है। इसी सिलसिले में ईज ऑफ लिविंग के लिए कराए गए पीपल्स परसेप्शन सर्वे में उनसे मकान किराया, शिक्षा, चिकित्सा, सार्वजनिक परिवहन और शहरों में मनोरंजन के 17 सवालों पर अपनी राय रखने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि 17 प्रश्नों के सेट पर अच्छी राय व्यक्त करने पर हैदराबाद देश में अग्रणी होगा और पुरस्कार प्राप्त करेगा।

तीन राजधानियों को लेकर अमरावती के किसानों का दिल्ली में प्रदर्शन

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में विकसित करने की मांग करते हुए क्षेत्र के किसानों ने शनिवार को नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। प्रस्तावित तीन राजधानियों के खिलाफ आंदोलन की अगुआई कर रही अमरावती परिरक्षण समिति (एपीएस) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर धरना दिया। उन्होंने मांग की कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार तीन राजधानियों को विकसित करने और अमरावती के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के अपने कदम को छोड़ दे। 'धरनी कोटा से एरा कोटा' के नारे के साथ, एपीएस ने राज्य की राजधानी को तीन भागों में बांटने की वाईएसआरसीपी सरकार की घोषणा के तीन साल पूरे होने पर विरोध प्रदर्शन किया।

एपीएस अध्यक्ष शिवा रेड्डी, सचिव जी. तिरुपति राव और अन्य नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। अमरावती के किसानों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए वाम दलों और किसान संगठनों के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। एपीएस नेता रविवार और सोमवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और सांसदों से मुलाकात करेंगे और उनके आंदोलन के लिए समर्थन मांगेंगे। अमरावती के किसान किसानों की विभिन्न मांगों के समर्थन में रामलीला मैदान में भारतीय किसान संघ द्वारा सोमवार के विरोध प्रदर्शन में भी भाग लेंगे। भारतीय किसान संघ ने अमरावती के किसानों के आंदोलन को बैठक के एजेंडे में शामिल किया है। 18 दिसंबर, 2019 को मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने राज्य विधानसभा में घोषणा की थी कि अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में विकसित करने के पिछली टीडीपी सरकार के फैसले को पलटते हुए तीन राज्यों की राजधानियों को विकसित किया जाएगा। वाईएसआरसीपी सरकार ने विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, कुरनूल को न्यायिक राजधानी और अमरावती को विधायी राजधानी के रूप में रखा। इसने अमरावती के किसानों से बड़े पैमाने पर विरोध शुरू कर दिया, जिन्होंने राजधानी के लिए 33,000 एकड़ जमीन दी थी और पिछली सरकार ने भी मेगा परियोजना के कुछ घटकों पर काम किया था। विरोध के हिस्से के रूप में, अमरावती के किसानों ने 12 सितंबर को अमरावती से अरसावल्ली तक महा पदयात्रा शुरू की थी।

फसलों के नये किस्मों को लगातार विकसित करने में जुटा पीजेटीएसएयू

चार फसलों में 15 नई उच्च उपज के बीज जारी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश के सबसे युवा कृषि विश्वविद्यालय, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) ने फिर से चार फसलों में 15 नई उच्च उपज देने वाली बीज किस्मों के साथ काम किया है। इनमें से 10 नई बीज किस्में चावल की फसल में, दो-दो तिल और चारा बाजरा में और एक काले चने की हैं।

ये नई बीज किस्में पीजेटीएसएयू के कुलपति और कृषि विपणन और सहकारिता विभाग एपीसी और सचिव, एम. रघुनंदन राव द्वारा शुक्रवार को यहां जारी की गईं। इस वर्ष, विश्वविद्यालय द्वारा तीन फसलों में विकसित आठ बीज किस्मों-चावल में पांच, चारा बाजरा में दो और तिल में एक को देश भर के विभिन्न राज्यों में खेती के लिए केंद्रीय किस्म विमोचन समिति के माध्यम से अनुमोदित और जारी किया गया। एक अन्य, तीन फसलों में सात बीज किस्में-चावल में पांच, उड़द दाल में एक-एक और तिल को राज्य किस्म विमोचन समिति के माध्यम से जारी करने के लिए स्वीकार किया गया।

इन नए जारी किए गए चावल की किस्मों में एक उच्च शीर्ष चावल की वसूली, विभिन्न जैविक और लवणता के प्रतिरोध, अच्छी खाना पकाने की गुणवत्ता के साथ अति सूक्ष्म अनाज कुछ महत्वपूर्ण लक्षण है। इसके अलावा, चावल में एक सुगंधित लघु अनाज, उच्च उपज और कम ऊंचाई वाली किस्म- राजेंद्रनगर वारी-3 भी लोकप्रिय स्थानीय किस्म, चित्तीमुत्यालु की समान विशेषताओं को जारी किया गया।

विभिन्न फसलों पर बड़े पैमाने पर शोध करने वाली इस विविधता ने पिछले सात वर्षों में 15 विभिन्न फसलों में 61 बीज किस्मों को विकसित और जारी किया है। इन बीज किस्मों में से 26 चावल की फसल में हैं।

हैदराबाद-विजयवाड़ा एनएच-65 को छह लेन बनाने की जरूरत नहीं : गडकरी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा को बताया कि हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग 65 को छह लेन बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि संयुक्त कृष्णा जिले में नंदीगामा खंड में पहले से ही चार लेन है। तेलंगाना कांग्रेस के सांसद कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और एन. उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, गडकरी ने कहा कि इस खंड के तहत कुल 181.5 किलोमीटर की सड़क चार लेन का राजमार्ग थी और यह वर्तमान यातायात के लिए पर्याप्त थी। उन्होंने आगे बताया कि एनएच 65 के 15वें किलोमीटर से 40वें किलोमीटर तक सिक्स लेन हाईवे का काम शुरू हो गया है। मंत्री ने कहा कि एनएच-65 (लंबाई 49.2 किलोमीटर) के नंदीगामा-इब्राहिमपट्टनम-विजयवाड़ा खंड को वर्ष 2004 में ही चार लेन का राजमार्ग बना दिया गया था। उन्होंने बताया कि एनएच 65 पर 17 दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान की गई है और दुर्घटना की रोकथाम के उपाय जैसे कि फुटपाथ मार्किंग, साइन बोर्ड, सोलर ब्लिंकर और रंबल स्ट्रिप्स को पहले ही पूरा कर लिया गया है। गडकरी ने लिखित में यह भी कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्थाई उपाय किए जाएंगे।

भाजपा ने किया पाक विदेश मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन, पुतला फूंका

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के बयान की कड़ी निंदा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनके बयान के विरोध में बशीरबाग के पास उनका पुतला फूंका। भाजपा नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता जगजीवनराम की प्रतिमा के पास एकत्र हुए और संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल बुट्टो के बयान को "शर्मनाक, अत्यधिक अपमानजनक और मानहानिकारक" बताते हुए नारे लगाए। राज्य पार्टी प्रमुख बंडी संजय कुमार, सिटी सेंट्रल पार्टी अध्यक्ष गौतम राव, भाग्यनगर पार्टी अध्यक्ष सुरेंद्र रेड्डी, एनवी सुभाष और अन्य ने विरोध रैली में भाग लिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान और उसके विदेश मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला फूंका। बाद में, उन्होंने बशीरबाग से डॉक्टर अंबेडकर प्रतिमा, टैंकबंड तक एक विरोध रैली निकाली। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता एनवी सुभाष ने कहा कि बिलावल भुट्टो का बयान संयुक्त राष्ट्र में विश्व मंच का उपयोग करके प्रचार पाने के लिए एक घटिया हथकंडा है। पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद बेटे बिलावल भुट्टो का अपनी मां की मृत्यु के बाद उस देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना था। लेकिन अब वह विदेश मंत्री बन गए हैं और सस्ती लोकप्रियता चाहते हैं।

सुभाष ने आरोप लगाया कि जहां भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक लोकप्रियता हासिल कर रहा है और विश्व नेता बन गया है, वहीं पाकिस्तान और उसके नेता आतंकवाद के समर्थक बन रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में देश के संस्करण को सफलतापूर्वक रखा है, लेकिन पाकिस्तान के विदेश मंत्री भुट्टो को प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेने का कोई नैतिक अधिकार और कद नहीं है क्योंकि वह देश मुंबई में अलकायदा नेता ओसामा-बिन-लादेन और 26/11 के अपराधियों का अड्डा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए सुभाष ने कहा कि पूर्व भी हमारे विरोधी देश के दोस्त के रूप में बात कर रहे थे, न कि विपक्षी दल के नेता के रूप में। रैली में जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल, पांडु यादव आदि भी शामिल हुए।

वाईएसआरसीपी में अंदरूनी कलह, असंतुष्टों ने रोका मंत्री का काफिला

अमरावती, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) में श्री सत्य साईं जिले में कलह शनिवार को तब सामने आई जब पार्टी के लोगों के एक समूह ने एक मंत्री के काफिले को रोका और चप्पल दिखाई। यह घटना पेनुकोंडा में उस समय हुई जब ऊर्जा, वन और पर्यावरण मंत्री पेड्डिरेड्डी रामचंद्र रेड्डी जिले के दौरे पर थे। वाईएसआरसीपी के असंतुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं का एक समूह मंत्री से मिलने और 'प्रतिद्वंद्वी' समूह के खिलाफ एक ज्ञापन सौंपने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर श्रीकृष्ण देवराय चौराहे के पास इकट्ठा हुआ था। इसकी जानकारी होने पर स्थानीय विधायक के समर्थक वहां पहुंच गए। इससे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस वहां पहुंची और दोनों गुटों को खदेड़ने का प्रयास किया। जैसे ही मंत्री का काफिला वहां पहुंचा, असंतुष्ट गुट ने नारेबाजी की और उसे रोकने की कोशिश की। भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। हाथापाई के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के वाहन की ओर चप्पल भी दिखाई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाकर मंत्री के काफिले का रास्ता साफ किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.